अब वेब पर भी www.rashtriyaprastavana.com

उत्तर प्रदेश (लखनऊ व कानपुर) से एक साथ प्रकाशित प्रमुख समाचार पत्र

आर.एन.आई. नं.-यूपीएचआईएन/2011/37605

दैनिक राष्ट्रीय प्रस्तावना

गाँव से गवर्नेन्स तक

लखनऊ, रायबरेली, इलाहाबाद, आजमगढ़, अयोध्या, झांसी, अम्बेडकरनगर, एटा, औरैया, अमेठी, फतेहपुर, बांदा, उन्नाव, लखीमपुर, मुरादाबाद, कन्नौज, बाराबंकी, सीतापुर, जौनपुर, श्रावस्ती, उरई, जालौन, फिरोजाबाद, हरदोई, मथुरा, कानपुर, ललितपुर, गोण्डा, सहारनपुर, सिद्धार्थनगर, सन्तकबीरनगर, नोयडा, सुलतानपुर, कासगंज सहित प्रदेश के समस्त क्षेत्रों में बहुप्रसारित

वर्ष : 15 अंक 265 लखनऊ, मंगलवार, 14 अप्रैल 2026 पृष्ठ: 8 मूल्य : 2.00

संक्षिप्त

भ्रष्टाचार पर लगाएंगे रोक, कल्याणकारी योजनाओं पर लगेगा धन: अमित शाह

कोलकाता/रानीगंज। अमित शाह ने पश्चिम बंगाल में चुनावी रैली के दौरान बड़ा दावा करते हुए कहा कि यदि राज्य में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनती है तो भ्रष्टाचार पर रोक लगाकर जो धन बचाया जाएगा, उसी का उपयोग जनता के कल्याण के लिए किया जाएगा। उन्होंने विशेष रूप से महिलाओं और बेरोजगार युवाओं के लिए घोषित मासिक सहायता योजना को लेकर उठ रहे सवालों का जवाब दिया। पश्चिम बर्धमान जिले के रानीगंज में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि पार्टी के संकल्प पत्र में महिलाओं और बेरोजगार युवाओं को 3,000 रुपये मासिक सहायता देने का वादा किया गया है।

महाराष्ट्र के ठाणे में दो वाहनों की टक्कर में 11 लोगों की मौत, एक घायल

मुंबई। महाराष्ट्र के ठाणे जिले में कल्याण-अहिल्या नगर हाईवे पर रायते गांव के पास सोमवार सुबह एक सिमेंट मिक्सर वाहन और पिकअप वाहन की टक्कर में ११ लोगों की मौत हो गई। इस दुर्घटना में एक वृद्ध महिला घायल है। इस घटना की जांच टिटवाला पुलिस स्टेशन की टीम कर रही है। पुलिस अधिकारी के अनुसार पिकअप वाहन में चालक समेत कुल 12 लोग सवार थे। वाहन मुरबाड़ से कल्याण की ओर जा रहा था। सुबह 11 बजे के करीब रायते गांव के पास बने नए पुल पर पिकअप वाहन सामने से आ रहे सिमेंट मिक्सर वाहन से टकरा गया। इससे पिकअप वाहन में सवार लोग उसमें फंस गए।

बिहार में नई सरकार के गठन की उलटी गिनती शुरू

पटना। बिहार में नए सरकार के गठन की प्रक्रिया अंतिम चरण में पहुंच गई है। मौजूदा मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मंगलवार दोपहर 2 बजे जनता दल यूनाइटेड (जदयू) विधायक दल की बैठक अपने आवास पर बुलाई है। वहीं दूसरी ओर भारतीय जनता पार्टी ने करीब 3:30 बजे अपने विधायकों की बैठक तय की है, जिसमें केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान विधायक दल के नेता यानी राज्य के नए मुख्यमंत्री के नाम की घोषणा करेंगे। दोनों दलों की बैठकों के बाद शाम 4 बजे विधानमंडल के केंद्रीय कक्ष में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) विधायक दल की बैठक होगी, जिसमें भाजपा विधायक दल के नेता को गठबंधन का नेता चुना जाएगा।

औद्योगिक अशांति फैलाने वालों से सावधान रहें श्रमिक : योगी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

● मुजफ्फरनगर में मुख्यमंत्री ने अहिल्याबाई होल्कर की प्रतिमा का किया अनावरणजिले में 951 करोड़ की 423 विकास परियोजनाओं का भी किया लोकार्पण व शिलान्यास

मुजफ्फरनगर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश प्रगति के पद पर आगे बढ़ रहा है, लेकिन कुछ लोग इसके खिलाफ षड्यंत्र कर रहे हैं। नोएडा में श्रमिकों के प्रदर्शन पर मुख्यमंत्री ने प्रदेशभर के श्रमिकों से अपील की कि वे औद्योगिक अशांति फैलाने वालों से सावधान रहें और उनके प्रयासों को किसी भी कीमत पर सफल न होने दें। डबल इंजन सरकार विकास व विरासत की यात्रा को मजबूती से आगे बढ़ा रही है, जिसमें श्रमिकों, किसानों, युवाओं और महिलाओं को केंद्र में रखा गया है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सोमवार को मुजफ्फरनगर में 951 करोड़ रुपये की 423 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास करनेके बाद जनसमूह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने भरोसा दिलाया कि औद्योगिक विकास के साथ सामाजिक सुरक्षा भी सुनिश्चित रहेगी, ताकि प्रदेश में शांति, स्थिरता और समृद्धि का वातावरण बना रहे। सरकार एक ओर जहां आधुनिक तकनीक, रोजगार और निवेश को बढ़ावा दे रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज उत्तर प्रदेश में डबल इंजन की सरकार प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में सुरक्षा, सुशासन और सेवा का एक मजबूत मॉडल प्रस्तुत कर रही है। ऐसे में जब प्रदेश विकास और शांति की ओर अग्रसर है, कुछ लोग षड्यंत्र के तहत अशांति फैलाने की चेष्टा कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने सभी औद्योगिक इकाइयों में कार्यरत कार्मिकों व श्रमिकों से अपील करते हुए कहा कि वे याद करें, कोरोना काल में सरकार किस तरह उनके साथ खड़ी रही। उस कठिन समय में सरकार ने श्रमिकों के लिए परिवहन, क्वारंटीन और भोजन की व्यवस्था सुनिश्चित की, उन्हें सुरक्षित घर तक पहुंचाया। औद्योगिक अशांति पैदा करने वाले लोगों से सावधान रहें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि शुकदेव की इस पावन धरा पर, भारत रत्न चौधरी चरण सिंह व चौधरी अजीत सिंह की कर्मभूमि पर लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर की प्रतिमा का अनावरण किया गया है। लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर की 350वीं जयंती गत वर्ष प्रधानमंत्री मोदी की प्रेरणा से पूरे देश में मनाई गई थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि जगन्नाथ पुरी से लेकर सोमनाथ तक, काशी विश्वनाथ से लेकर रामेश्वरम तक भारत की गुलामी के उस कालखंड में, जब मुगल आक्रांताओं के कारण व्यवस्था जकड़ी हुई थी, तब भी लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर भारत की विरासत के संरक्षण के लिए पूरी तन्मयता से कार्य कर रही थीं। आज का काशी विश्वनाथ मंदिर उसी का उदाहरण है, जिसका पुनर्निर्माण लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर ने कराया था, जब औरंगजेब ने उसे ध्वस्त कर दिया था।

न्यूनतम मानदेय की मिलेगी गारंटी

मुख्यमंत्री ने कहा कि मैं सभी उद्योगों से भी इस संबंध में अपील करता हूं कि वे श्रमिकों और कार्मिकों के साथ सीधा संवाद स्थापित करें। हमारी सरकार श्रमिकों के साथ है। सरकार उद्यमियों को सुरक्षा देगी और हर श्रमिक को संरक्षण भी प्रदान करेगी। साथ ही उनको उचित मानदेय दिलाना सुनिश्चित करेगी। हमने गत वर्ष ही एक कॉरपोरेशन का गठन कर दिया है और इसी महीने उसकी सिफारिशें लागू होने वाली हैं। इसके तहत चाहे सफाई कर्मचारी हो या आउटसोर्सिंग पर कार्य करने वाला कोई भी युवा, उसे न्यूनतम मानदेय की गारंटी मिलेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह व्यवस्था केवल सरकारी विभागों तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि अगले चरण में इसे औद्योगिक संस्थानों में भी लागू करने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। हमने शिक्षकों, शिक्षामित्रों, अनुदेशकों, रसोइयों, आंगनबाड़ी और आशा वर्करों को भी 5 लाख रुपये तक की कैशलेस स्वास्थ्य सुविधा दी है। इस अवसर पर केंद्र सरकार के राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कौशल विकास एवं उद्यमिता जयंत चौधरी, प्रदेश सरकार में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री अनिल कुमार, राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) व्यावसायिक शिक्षा एवं कौशल विकास कपिल देव अग्रवाल, ऊर्जा राज्य मंत्री सोमेन्द्र तोमर, बिजनौर के सांसद चंदन चौहान, पूर्व केंद्रीय मंत्री संजीव बालियान, अध्यक्ष जिला पंचायत डॉ. वीरपाल निर्वाल, भाजपा क्षेत्रीय अध्यक्ष सत्येंद्र सिसोदिया, लोक दल के क्षेत्रीय अध्यक्ष तरुण पाल मालिक, सदस्य विधान परिषद वंदना वर्मा, विधायक राजपाल सिंह बालियान, मदन भैया, मिथिलेश पाल और अध्यक्ष नगर पालिका परिषद मीनाक्षी स्वरूप उपस्थित रहीं।

तमिलनाडु में 'डबल इंजन सरकार' से विकास को मिलेगी नई रफ्तार: मोदी

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को कहा कि तमिलनाडु में भाजपा-नीत राजग को जनता बदलाव की उम्मीद के साथ देख रही है और कार्यकर्ताओं की मेहनत से एक सकारात्मक माहौल तैयार हुआ है। उन्होंने जोर देकर कहा कि यदि तमिलनाडु में 'डबल इंजन सरकार' बनती है, तो विकास कार्यों की रफ्तार और तेज हो जाएगी।

प्रधानमंत्री ने तमिलनाडु भाजपा के बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं के साथ वर्चुअल माध्यम से 'मेरा बूथ सबसे मजबूत संवाद ऽ तमिलनाडु' कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं से आग्रह किया कि वे छोटे-छोटे समूह में बैठकें आयोजित करें और अपने अनुभव साझा करें। उन्होंने विशेष रूप से युवा मतदाताओं तक पहुंच बनाने पर जोर देते हुए कहा कि उन्हें बताना चाहिए कि सत्ता में न होने के बावजूद राजग ने राज्य के विकास के लिए कई महत्वपूर्ण कार्य किए हैं। किसानों के मुद्दे पर प्रधानमंत्री ने कहा कि उनका कल्याण सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। केंद्र सरकार की योजनाओं का लाभ सीधे किसानों तक पहुंचाने के लिए बिचौलियों की भूमिका समाप्त की गई है। पीएम किसान सम्मान निधि के तहत तमिलनाडु के किसानों को हजारों करोड़ रुपये सीधे उनके बैंक खातों में ट्रांसफर किए गए हैं। इसके अलावा फसल बीमा योजना के अंतर्गत भी किसानों के दावों का बड़े पैमाने पर निपटान किया गया है। स्वास्थ्य क्षेत्र में हुए बदलावों का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले एक दशक में तमिलनाडु में 11 नए मेडिकल कॉलेज स्थापित किए गए हैं और मेडिकल सीटों की संख्या दोगुनी हो गई है।

वेतन बढ़ाने को लेकर नोएडा में श्रमिकों का उपद्रव

● कई वाहनों और फैक्टरियों में की तोड़फोड़ व आगजनी, कई हिरासत में

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

नोएडा। वेतन बढ़ोतरी सहित विभिन्न मांगों को लेकर नोएडा के कई इलाकों में धरना प्रदर्शन कर रहे श्रमिकों का आंदोलन सोमवार को काफी उग्र और हिंसक हो गया। श्रमिकों ने दो दर्जन से ज्यादा वाहनों में तोड़फोड़ कर आगजनी की गई। कई फैक्टरियों में तोड़फोड़ की गई और पुलिस पर पथराव किया। पुलिस ने नियंत्रण करने के लिए बल का प्रयोग कर और आंसू गैस छोड़ी। पुलिस ने कार्रवाई कर दो दर्जन से ज्यादा लोगों को हिरासत में लिया है।

दरअसल, नोएडा के कई सेक्टरों में श्रमिक अपनी मांगों को लेकर कई दिन से धरना प्रदर्शन कर रहे हैं। सोमवार को श्रमिकों ने उग्र होकर नोएडा के सेक्टर 63, सेक्टर 62, सेक्टर 15, फ़ेस-दो औद्योगिक क्षेत्र, सूरजपुर,नॉलेज पार्क क्षेत्र, दादरी क्षेत्र, ईकोटेक- प्रथम क्षेत्र के औद्योगिक एरिया में मजदूरों ने धरना प्रदर्शन किया। उग्र श्रमिकों ने कई जगह पर जाम लगा दिया। कई जगह पुलिस और श्रमिकों के बीच तीखी नोंक झोंक हुई । कई जगह पुलिस को बल प्रयोग और आंसू गैस के इस्तेमाल भी करने पड़े हैं। श्रमिकों ने पुलिस पर पथराव किया है। श्रमिकों ने उग्र प्रदर्शन के दौरान दो दर्जन से ज्यादा वाहनों में तोड़फोड़ कर आगजनी की गई है। कई फैक्ट्रियों में भी तोड़फोड़ की गई है। कई पुलिस वाहन को भी क्षतिग्रस्त किया है। पथराव और मारपीट में कई पुलिसकर्मी घायल हुए हैं।

गौतमबुद्ध नगर : मजदूरों और कंपनियों के समाधान के उच्च स्तरीय समिति गठित

गौतमबुद्धनगर। उत्तर प्रदेश शासन ने गौतमबुद्ध नगर जिले में तमाम कंपनियों के मजदूरों के उग्र प्रदर्शन के बाद उत्पन्न औद्योगिक असमंजस की स्थिति के समाधान और संबंधितों के साथ प्रभावी संवाद करने के उद्देश्य से एक उच्चस्तरीय समिति का गठन किया है।इस समिति ने नोएडा पहुंच कर अपना काम भी शुरू कर दिया है। इस समिति का अध्यक्ष औद्योगिक विकास आयुक्त को नामित किया गया है।

सेफ्टी कंट्रोल्स एंड डिवाइसेस लिमिटेड की एनएसई पर धमाकेदार एंट्री

● आईपीओ को मिला शानदार रिस्पॉन्स, निवेशकों ने दिखाया भरोसा

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। लखनऊ स्थित इंजीनियरिंग कंपनी सेफ्टी कंट्रोल्स एंड डिवाइसेस लिमिटेड ने नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के एसएमई प्लेटफॉर्म पर सफल लिस्टिंग के साथ पूंजी बाजार में मजबूत शुरुआत की है। कंपनी के आईपीओ को निवेशकों से अच्छी प्रतिक्रिया मिली, जिससे बाजार में उत्साह का माहौल है। कंपनी द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, आईपीओ 6 अप्रैल 2026 को खुला और 8 अप्रैल 2026 को बंद हुआ। इस दौरान कुल मिलाकर 1.33 गुना सब्सक्रिप्शन दर्ज किया गया, जो कंपनी के प्रति निवेशकों के विश्वास को दर्शाता है। निवेशकों की जबरदस्त भागीदारी- आईपीओ में विभिन्न वर्गों के निवेशकों ने सक्रिय भागीदारी निभाई– 5 प्रमुख निवेशकों को लगभग 15.84 लाख शेयर आवंटित किए गए। इनकी कुल कीमत करीब 12.67 करोड़ रही। योग्य संस्थागत निवेशकों की श्रेणी में 2.55 गुना सब्सक्रिप्शन दर्ज हुआ। खुदरा निवेशकों ने भी पूरा समर्थन दिया।

कंपनी का कार्यक्षेत्र- 1997 में स्थापित यह कंपनी कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में कार्यरत है– विद्युत पारेषण और वितरण, सोलर ऊर्जा परियोजनाएं, फायर सेफ्टी सिस्टम, इंफ्रास्ट्रक्चर विकास, कंपनी जुटाई गई पूंजी का उपयोग कार्यशील पूंजी को मजबूत करने, परियोजनाओं के विस्तार और नए अवसरों की खोज में करेगी।

उत्तर प्रदेश के लिए अहम उपलब्धि- यह लिस्टिंग उत्तर प्रदेश के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि मानी जा रही है। एससीडीएल उन चुनिंदा कंपनियों में शामिल हो गई है, जिन्होंने गट्टक के एसएमई प्लेटफॉर्म पर अपनी पहचान बनाई है। इससे राज्य के औद्योगिक विकास को नई गति मिलने की उम्मीद है।

प्रबंधन ने जताई खुशी- कंपनी के प्रबंधन ने कहा कि निवेशकों से मिली सकारात्मक प्रतिक्रिया उनके विजन और कार्यशैली पर भरोसे को दर्शाती है। उन्होंने भविष्य में बेहतर प्रदर्शन और विस्तार की प्रतिबद्धता दोहराई। सेफ्टी कंट्रोल्स एंड डिवाइसेस लिमिटेड की सफल लिस्टिंग न केवल कंपनी बल्कि पूरे प्रदेश के औद्योगिक विकास के लिए एक सकारात्मक संकेत है। आने वाले समय में कंपनी से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद की जा रही है।

किसान अब अन्नदाता नहीं, ऊर्जा दाता-ईंधन दाता और हाइड्रोजन दाता भी बनेगा: गडकरी

एजेंसी

भोपाल। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि किसान केवल अन्नदाता नहीं रहेगा, बल्कि ऊर्जा दाता, ईंधन दाता, हवाई ईंधन दाता, डामर दाता और हाइड्रोजन दाता भी बनेगा।

कृषि अवशेष, पराली, बायोमास, इथेनॉल, सीएनजी और हाइड्रोजन के माध्यम से किसानों के लिए आय के नए रास्ते खुलेंगे, आयात घटेगा और गांवों की अर्थव्यवस्था को नई ताकत मिलेगी।

केन्द्रीय मंत्री गडकरी सोमवार को मध्य प्रदेश के रायसेन जिला मुख्यालय स्थित दशहरा मैदान में आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय कृषि मेले ह्लउन्नत कृषि महोत्सवङ्क के समापन समारोह को संबोधित कर रहे थे।

इस अवसर पर उन्होंने केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा रखी गई क्षेत्रीय मांगों पर महत्वपूर्ण घोषणाएं करते हुए विकास की नई सौगात दी।

ममता के प्यादे का ओवैसी को तगड़ा झटका

अभयानंद शुक्ल

● हुमायूं ने ओवैसी को दी जोरदार राजनीतिक चोट
● प. बंगाल में पैर जमाने के ओवैसी के प्रयासों पर पानी
● चुनाव के बीच आया वीडियो भाजपा को भी दे गया चोट
● ममता बनर्जी ने एक बार फिर कर दिया है खेला

लखनऊ। बंगाली दिमाग हैदराबादी दिमाग पर भारी पड़ गया, उसने भाईजान के मंसूबों पर पानी फ़ेर दिया। देश में मुसलमानों का पैरोकार बनने का दावा करने वाले असदुद्दीन ओवैसी को पश्चिम बंगाल के ओवैसी कहे जाने वाले हुमायूं कबीर ने सियासी झटका दे दिया है। ओवैसी को हुमायूं कबीर की पार्टी से हुआ लगभग दो हफ्ते पुराना गठबंधन तोड़ना पड़ा है, और अब उन्होंने अकेले चुनाव लड़ने का ऐलान कर दिया है। ऐसा इसलिए हुआ है, क्योंकि हुमायूं कबीर का एक वीडियो टीएमसी की ओर से जारी किया गया है। उसमें हुमायूं कबीर बाबरी मस्जिद के जरिए मुस्लिम मतों के विभाजन के लिए भाजपा से 1000 करोड़ की डिमांड करते दिखाए गए हैं। टीएमसी इसे लेकर हुमायूं और भाजपा पर हमलावर है। चूंकि मामला बाबरी मस्जिद-दो से जुड़ा हुआ है, इसलिए ओवैसी ने मुस्लिमों की नाराजगी से बचने के लिए हुमायूं कबीर से पल्ला झाड़ लिया है। इस वीडियो ने भाजपा को भी असहज किया है। अब टीएमसी भाजपा पर हमलावर है कि उसने हुमायूं कबीर के जरिए मुसलमानों को डिवाइड करने की साजिश रची थी।

जानकारों का कहना है कि ममता बनर्जी की पार्टी द्वारा जारी वीडियो, जो हुमायूं कबीर से संबंधित है, ओवैसी के लिए बड़ा सेटबैक है। पश्चिम बंगाल में हुमायूं कबीर के जरिए पांव जमाने की कोशिश में लगे ओवैसी की कोशिशों को बहुत तगड़ा झटका लगा है। जानकार कहते हैं कि हुमायूं की बदनामी के बाद उसकी छींटे भाजपा पर भी पड़ेंगी, जिससे उनका पश्चिम बंगाल में चुनावी प्रदर्शन खराब हो सकता है। इस प्रकार ममता बनर्जी ने एक ही झटके में भाजपा और ओवैसी को बैक फुट पर ला दिया है। हालांकि ओवैसी ने तुरंत हुमायूं कबीर से गठबंधन तोड़कर अपने इरादे साफ कर दिए हैं, लेकिन इससे ओवैसी की चुनावी राजनीति पर फर्क तो पड़ेगा ही।

जानकारी मिली है कि हुमायूं कबीर की बातचीत का ये वीडियो 19 दिसंबर 2025 को बना था, पर इसे चुनाव के लगभग दो हफ्ते पहले 10 अप्रैल को टीएमसी द्वारा जारी किया गया है। इस वीडियो को लेकर भाजपा द्वारा भी सवाल उठाए जा रहे हैं। पहला तो यह कि अगर वीडियो बीते 10 दिसंबर 2025 को बना था तो ममता ने इसकी फोरेंसिक जांच क्यों नहीं कराई, और इतने दिन तक किस बात का इंतजार करती रहीं। भाजपा का सीधा आरोप है कि हुमायूं कबीर ममता बनर्जी का आदमी है और ममता बनर्जी के इशारे पर ही मुसलमानों के ध्रुवीकरण के लिए उसने बाबरी मस्जिद बनाने का ड्रामा किया था। भाजपा कहती है कि अगर ऐसा न होता तो मुर्शिदाबाद में बाबरी मस्जिद के नाम पर भीड़ जुटाने की छूट ममता ने क्यों दी। भाजपा का आरोप है कि हुमायूं को ममता का मौन समर्थन था। भाजपा ये भी कहती है कि अगर ममता बाबरी मस्जिद बनाने के निर्णय से सहमत नहीं थीं तो उन्होंने हुमायूं कबीर को अभी तक पार्टी से निकाला क्यों नहीं, सिर्फ निलंबित क्यों रखा।

उधर टीएमसी का आरोप है कि हुमायूं कबीर और भाजपा मिले हुए हैं, उसने भाजपा के पैसे से ही मुस्लिम मतों के ध्रुवीकरण और ममता बनर्जी से मुस्लिम वोटरों को अलग करने के लिए ही बाबरी मस्जिद बनाने का स्वांग रचा। इसीलिए भाजपा ने उसे केंद्रीय बलों की सुरक्षा दे रखी है। उधर भाजपा का आरोप है कि ये टीएमसी द्वारा बनवाया गया एआई वीडियो है। इस बाबत भाजपा प्रवक्ता प्रेम शुक्ला का कहना है कि अगर हुमायूं कबीर का यह वीडियो मुस्लिम वोटरों को डिवाइड करने के लिए था तो इससे नुकसान तो टीएमसी को ही होना था। तो ऐसे में उन्होंने इसे इतनी देर से क्यों जारी किया। टीएमसी अब तक किस बात का इंतजार कर रही थी। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह भी कहते हैं कि ये टीएमसी का षड्यंत्र है, और ममता बनर्जी ऐसे 2000 वीडियो बनवा सकती हैं। शाह का कहना है कि हुमायूं बाबरी मस्जिद के समर्थक हैं और हम बाबरी मस्जिद के विरोधी। ऐसे में हम नॉर्थ पोल और साउथ पोल हैं। हम ऐसे किसी व्यक्ति से समझौता करने की बजाय अगले 20 साल तक और विपक्ष में बैठने को तैयार हैं।

उधर राजनीति के जानकार कहते हैं कि हुमायूं कबीर ने बहुत चालाकी से ममता बनर्जी के इशारे पर असदुद्दीन ओवैसी की मुसलमानों का निर्बाध नेता बनने की कोशिशों को झटका दे दिया है। वे कहते हैं कि बिहार में सफलता मिलने के बाद उत्साहित ओवैसी कर पूरे देश के मुसलमानों के रहनुमा बनना चाहते थे, इसलिए उन्होंने पश्चिम बंगाल में टीम एम यानी मुस्लिमों की टीम का नारा दिया था। इस नारे को वे हुमायूं के साथ मिलकर परवान चढ़ाने वाले थे। पर उनसे समझने में चूक हो गयी। अब ओवैसी न घर के रहे और न ही घाट के। चूंकि हुमायूं कबीर पर बाबरी मस्जिद का सौदा करने का आरोप लग गया है, तो ओवैसी ऐसे आदमी के साथ गठबंधन में नहीं रह सकते। इसी कारण उन्होंने वीडियो जारी होते ही गठबंधन तोड़ने की घोषणा की और कहा कि वे अकेले चुनाव मैदान में रहेंगे। अब अकेले ओवैसी पश्चिम बंगाल में क्या कर लेंगे, ये सभी जानते हैं। वे पहले भी प्रयास कर चुके हैं कि पश्चिम बंगाल में पैर जमा लें, लेकिन सफल नहीं हो पाए। हुमायूं कबीर ने उनको ट्रैप में लेकर किसी और से चुनावी गठबंधन की संभावनाओं को भी खत्म कर दिया है। वे कम से कम 5 साल तो लेट हो ही गये। अब इस चुनाव से तो ओवैसी को शायद ही कुछ मिल पाए। वैसे हुमायूं कबीर ने कहा है कि जल्द ही सच्चाई सामने आ जाएगी और हमारे बड़े भाई ओवैसी फिर हमारे साथ आ जाएंगे। वैसे जहां तक मुर्शिदाबाद और मालदा के का सवाल है तो वहां के मुसलमान आज भी हुमायूं के साथ दिख रहे हैं। उनका मानना है कि उन पर लगे आरोप झूठे हैं।

केन्द्रीय रक्षामंत्री व सांसद तक पहुंचा कुर्सी रोड महायोजना का मामला

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- अखण्ड आर्यावर्त आर्य महासभा ने दिया ज्ञापन, रक्षामंत्री ने लविप्रा से मांगी जानकारी

लखनऊ। कुर्सी रोड महायोजना-2031 का मामला आज केन्द्रीय रक्षामंत्री व शहर के सांसद श्री राजनाथ सिंह के समक्ष पहुंच गया। आज सुबह अखण्ड आर्यावर्त आर्य महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ऋषि त्रिवेदी के नेतृत्व में दिये गये ज्ञापन के बाद केन्द्रीय रक्षामंत्री ने तत्काल प्रभाव से लखनऊ विकास प्राधिकरण से इस महायोजना से जुड़ी सभी जानकारियां मांगी है। ज्ञापन देने वालों में ऋषि त्रिवेदी के साथ संयुक्त उद्योग व्यापार मंडल राष्ट्रीय अध्यक्ष अंजनी कुमार पांडे उद्यमी आराधाना कुमारी, चन्द्रमौलि शुक्ल सहित कई प्रमुख लोग मौजूद थे। दिये गये ज्ञापन में कुर्सी रोड महायोजना-2031 पर रोक लगाने की मांग करते हुये कुर्सी रोड का चौड़ीकरण पीडब्लूडी के मानकों के अनुरूप करने की बात कही गयी। मालूम हो कि कल रविवार को कुर्सी रोड के व्यापारियों, उद्यमियों, शिक्षण संस्थानों व धार्मिक स्थलों के प्रतिनिधियों एवं भवन स्वामियों ने बैठक कर कुर्सी रोड महायोजना-2031 के पुर्नविचार की मांग को लेकर केन्द्रीय रक्षामंत्री व शहर के सांसद राजनाथ सिंह से मुलाकात करने का निर्णय लिया था। जिसके क्रम में आज सुबह ऋषि त्रिवेदी, अंजनी कुमार पांडे ,आराधना कुमारी, चन्द्रमौलि शुक्ल सहित कई लोग केन्द्रीय रक्षामंत्री व सांसद श्री राजनाथ सिंह से मिलने पहुंचे थे, और मुलाकात के बाद मौके पर लखनऊ विकास प्राधिकरण से इस मामले में जानकारी उपलब्ध कराने के निर्देश जारी किये। मालूम हो कि इस महायोजना के अन्तर्गत कुर्सी रोड के चौड़ीकरण के अन्तर्गत टेढ़ी पुलिया से सिकन्दरपुर चौराहे तक 45 मीटर, सिकन्दरपुर चौराहे से कॉरपोरेशन बैंक, मिश्रपुर तक 80 मीटर और कॉरपोरेशन बैंक से बसहा तक 150 मीटर तथा बसहा से बेहटा तक 100 मीटर रोड चौड़ी करने का प्रस्ताव है, जिसके लागू होने से हजारों व्यापारी, गृह स्वामी, मल्टी स्टोरी, होटल, छात्रावास, धार्मिक स्थल पूर्णतः ध्वस्त होने की कगार पर है, जिससे लोगों की न सिर्फ पूरे जीवन की कमाई दांव पर लगी है बल्कि हजारों परिवारों के सामने जीवनयापन पर संकट खड़ा हो जायेगा।

भाजपा एमएलसी देवेन्द्र प्रताप सिंह ने हाफ एनकाउंटर पर उठाए सवाल

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी के नेता व विधान परिषद सदस्य देवेन्द्र प्रताप सिंह ने आजमगढ़ पुलिस के हाफ एनकाउंटर पर सवाल उठाया है। इस मामले में देवेन्द्र प्रताप सिंह ने सोमवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखकर दोषी पुलिसकर्मियों पर कठोरतम कार्यवाही किये जाने की मांग की है। मुख्यमंत्री को लिखे पत्र के अनुसार 28 मार्च 2026 को धर्मेन्द्र उर्फ अभिषेक को आजमगढ़ पुलिस दोपहर 12.40 पर उनके घर से जबरदस्ती उठा ले गयी और 29 मार्च को जीयनपुर कोतवाल द्वारा फर्जी प्राथमिकी दर्ज कर उनका हाफ एनकाउंटर कर उन्हें जेल भेज दिया। बगल में सी.सी.टी.वी.कैमरे में यह पूरी घटना रिकार्ड हुई। बाद में पुलिस ने इस रिकार्ड को नष्ट कर दिया। विधान परिषद सदस्य देवेन्द्र प्रताप सिंह ने पत्र में लिखा है कि अभिषेक भाजपा का बूथ अध्यक्ष है। इस घटना से काफी रोष है।

नोएडा की स्थिति पर नजर रख रहे डीजीपी भड़काने वालों पर होगी कार्रवाई

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) राजीव कृष्ण पुलिस मुख्यालय के कंट्रोल रूम से नोएडा की स्थिति पर नजर रख रहे हैं। उनके साथ अपर पुलिस महानिदेशक (एडीजी) कानून एवं व्यवस्था अमिताभ यश भी मौजूद है। डीजीपी ने सोमवार को कहा कि भड़काने वाले तत्वों को चिन्हित किया है। बाहरी लोगों की भी पहचान की जा रही है। उन पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

उल्लेखनीय है कि वेतन बढ़ोतरी सहित विभिन्न मांगों को लेकर गौतमबुद्ध नगर में नोएडा के सेक्टर 63, सेक्टर 62, सेक्टर 15, फ़ेस-दो औद्योगिक क्षेत्र, सूरजपुर, नॉलेज पार्क क्षेत्र, दादरी क्षेत्र, ईकोटेक-प्रथम क्षेत्र के औद्योगिक एरिया में सुबह से ही मजदूरों ने धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया है। कई जगह पर श्रमिकों ने जाम लगाया। पुलिस और श्रमिकों के बीच तीखी नोंक झोंक हुई।

श्रमिकों ने उग्र होकर पुलिस पर पथराव कर दिया। पुलिस के वाहनों में तोड़फोड़ की तथा पुलिस की जीप पलट दिया। पुलिस को बल प्रयोग और आंसू गैस के इस्तेमाल भी करना पड़ा है। मदरसन कंपनी के पास श्रमिकों ने कई कारों में आग लगा दी। कई जगह फैक्ट्रियों में तोड़फोड़ की गई। अपर पुलिस आयुक्त कानून व्यवस्था राजीव नारायण मिश्र ने बताया कि पुलिस हर स्थिति पर नजर रखे हुए हैं।

इंटीरियो बाय गोदरेज ने लखनऊ में लॉन्च किया एक्सपीरियंस सेंटर, उत्तर भारत में अपने संस्थागत

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। गोदरेज एंटरप्राइजेज समूह के प्रमुख फर्नीचर ब्रांड, इंटीरियो बाय गोदरेज (इंटीरियो बाय गोदरेज) ने लखनऊ में एक्सपीरियंस सेंटर (अनुभव केंद्र) लॉन्च किया है, ताकि पूरे उत्तर प्रदेश और उत्तर भारत में अपने संस्थागत (इंस्टीट्यूशनल) फर्नीचर व्यवसाय का विस्तार किया जा सके। 3,300 वर्ग फुट में फैले इस सेंटर को इस क्षेत्र के कॉर्पोरेट, शैक्षणिक संस्थानों, स्वास्थ्य इकाइयों और सरकारी निकायों की जरूरतों को पूरा करने के लिए तैयार किया गया है। उत्तर भारत में इंटीरियो के संस्थागत फर्नीचर की होने वाली कुल बिक्री में उत्तर प्रदेश का योगदान 25% है। इंटीरियो राज्य से, फिलहाल, 75 करोड़ की आय हासिल करता है और ब्रांड एसएमई, बीएफएसआई,शिक्षा, कॉर्पोरेट और एमएनसी ग्राहक जैसे प्रमुख खंड पर ध्यान केंद्रित कर गतिशील तथा हाइब्रिड वर्कस्पेस (काम करने की मिली-जुली जगह) की बढ़ती मांग को पूरा कर रहा है। इंटीरियो बाय गोदरेज में बी2बी व्यवसाय के वरिष्ठ उपाध्यक्ष और प्रमुख, समीर जोशी ने इस लॉन्च के अवसर पर कहा ल्लखनऊ संस्थागत और कॉर्पोरेट बुनियादी ढांचे के लिहाज मजबूत बाजार के रूप में उभर रहा है, जहां प्रमुख खंडों में निवेश आ रहा है। संगठन अपने काम करने की जगह को आधुनिक बना रहे हैं, और ऐसे फर्नीचरों की मांग बढ़ रही है जो एर्गोनोमिक (आरामदायक) हों, मॉड्यूलर हों, और आज के दौर के लोगों के काम करने के तरीके के अनुसार बने हों। उत्तर प्रदेश में, शहरी विकास, औद्योगिक विस्तार और संस्थागत खर्च में वृद्धि के कारण इस बदलाव तेजी से होता दिख रहा है। इस एक्सपीरियंस सेंटर के जरिये हम योजना बनाने से लेकर उसे लागू करने तक, अपने ग्राहकों के लिए सही मायने में भागीदार बनना चाहते हैं। हम वित्त वर्ष '28 तक उत्तर भारत के संस्थागत फर्नीचर खंड में 21% बाजार हिस्सेदारी हासिल करने का लक्ष्य रख रहे हैं। भारत के संस्थागत ऑफिस फर्नीचर बाजार के 2026 तक 5.21 अरब डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है, जो काम के हाइब्रिड मॉडल, बुनियादी ढांचे के विस्तार और एर्गोनोमिक वर्कस्पेस की बढ़ती मांग के कारण 8-11% सीएजीआर की दर से बढ़ेगा। इस श्रेणी में एर्गोनोमिक सीटिंग और वर्कस्टेशन की बिक्री का योगदान लगभग 60% है। शैक्षणिक तथा स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र भी बेहद सक्रिय हैं और 2025 से 2032 के बीच इनके 10.3% सीएजीआर की दर से वृद्धि दर्ज करने की उम्मीद है। स्कूल धीरे-धीरे आधुनिक शैक्षणिक वातावरण के अनुकूल लचीले और एर्गोनोमिक डिजाइनों की ओर बढ़ रहे हैं। सभी खंड के ग्राहक अब इंजीनियर्ड वुड, मेटल फ्रेम और वहनीय सामग्री की ओर बढ़ रहे हैं, जो ताजातरीन गुणवत्ता मानक (बीआईएस/आईएसआई) के मुताबिक हैं। इंटीरियो बाय गोदरेज अभी पूरे भारत में सात एक्सपीरियंस सेंटर का परिचालन कर रहा है और अपेक्षाकृत अधिक वृद्धि की संभावना वाले बाजारों में पाँच और एक्सपीरियंस सेंटर खोलने की योजना बना रहा है। यह ब्रांड इस पूरे इलाके में बड़ी परियोजनाओं के मद्देनजर स्थानीय उद्योगों और सरकारी संस्थाओं के साथ मिलकर काम करता है, और ऐसे उत्पाद प्रदान करता है जो कार्य क्षमता बढ़ाने और काम करने की जगह को बेहतर बनाने में मदद करते हैं।इस इलाके में इंटीरियो के उत्पाद पोर्टफोलियो की लोकप्रियता बढ़ी है, खास तौर पर एर्गोनॉमिक कुर्सी, वेलनेस उत्पाद और सॉफ्ट सीटिंग के मामले में। ये समाधान व्यवसायों को अपने काम करने की जगहों को अपनी बदलती जरूरतों के हिसाब से ढालने में मदद करते हैं। बढ़ते को-वर्किंग और छोटे ऑफिस खंड के लिए, इंटीरियो ने अपना सोशल ऑफिस 2.0 संग्रह लॉन्च किया है।

शॉर्ट सर्किट से तीन बीघा गेहूं की फसल जली हाईटेंशन लाइन से निकली चिंगारी

लखनऊ। काकोरी थाना क्षेत्र के चिलौली गांव में बिजली के शॉर्ट सर्किट से भीषण आग लग गई। इस घटना में तीन किसानों की करीब तीन बीघा गेहूं की खड़ी फसल जलकर राख हो गई। ग्रामीणों के अनुसार, यह हादसा खेतों के ऊपर से गुजर रही हाईटेंशन लाइन से निकली चिंगारी के कारण हुआ। जानकारी के मुताबिक, गांव के खेतों के ऊपर से गुजर रही 11 हजार वोल्ट की हाईटेंशन लाइन के खंभे से अचानक चिंगारी निकली। गेहूं की फसल सूखी होने के कारण आग ने तुरंत विकराल रूप ले लिया। तेज हवा के कारण आग तेजी से फैली और आसपास के खेतों तक पहुंच गई। इस अग्निकांड में कस्बा निवासी महिपाल गौतम (पुत्र मंगलू), नरेंद्र (पुत्र नन्हक्के) और संतराम की लगभग तीन बीघा गेहूं की फसल पूरी तरह नष्ट हो गई। आग की सूचना मिलते ही ग्रामीण मौके पर पहुंचे और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक बड़ा नुकसान हो चुका था।

डा. भीमराव अम्बेडकर की जयन्ती पर बदला रहेगा लखनऊ का यातायात मार्ग

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर की जयन्ती के अवसर पर उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में कई जगह आयोजन और कार्यक्रम प्रस्तावित है। इसको ध्यान में रखते हुए यातायात पुलिस ने 14 अप्रैल को रूट डायवर्ट किया है। यातायात पुलिस की ओर से जानकारी देते हुए बताया कि 14 अप्रैल को डा.भीमराव अम्बेडकर की जयन्ती पर सुबह 09 बजे से अम्बेडकर स्मारक स्थल थाना क्षेत्र गोमतीनगर में माल्यार्पण आदि कार्यक्रम प्रस्तावित है। जिसके दृष्टिगत यातायात मार्ग में बदलाव किया गया है। यातायाता पुलिस के मुताबिक, गांधी सेतु (1090) चौराहा से सामान्य यातायात डा. भीमराव अम्बेडकर सामाजिक प्रतीक स्थल की ओर नही जा सकेगा, बल्कि यह यातायात समतामूलक चौराहा, डिगडिगा चौराहा से दाहिने होकर अपने गतंव्य को जा सकेगा। समतामूलक चौराहा से सामान्य यातायात डा.भीमराव अम्बेडकर सामाजिक प्रतीक स्थल की ओर नही जा सकेगा, बल्कि यह यातायात डिगडिगा चौराहा होकर अपने गतंव्य को जा सकेगा। अम्बेडकर उद्यान चौराहा से सामान्य यातायात डा.भीमराव अम्बेडकर सामाजिक प्रतीक स्थल की ओर नही जा सकेगा, बल्कि यह यातायात डिगडिगा चौराहा होकर अपने गतंव्य को जा सकेगा। ताज अंडरपास से सामान्य यातायात अम्बेडकर पार्क पार्क की तरफ नहीं जा सकेगा बल्कि यह यातायात भागीदारी भवन होते हुए जनेश्वर मिश्र पार्क गेट न0 06 होते हुए अपने गंतव्य को जा सकेगा। डिगडिगा चौराहा की ओर से सामान्य यातायात अम्बेडकर उद्यान चौराहा की ओर नही जा सकेगा, बल्कि यह यातायात समतामूलक चौराहा होकर अपने गतंव्य को जा सकेगा । सामान्य यातायात के लिए प्रदान डायवर्जन मार्ग के अतिरिक्त यदि किसी जन-सामान्य की चिकित्सकीय अपरिहार्यता की स्थिति में वैकल्पिक मार्ग के अभाव में प्रतिबन्धित मार्ग पर भी एम्बुलेन्स, स्कूली वाहन, फायर सर्विस, शव वाहन आदि को ट्रैफिक पुलिस/स्थानीय पुलिस के वीआईपी कार्यक्रम के दौरान अनुमन्य रहेगा। इसके लिए ट्रैफिक कन्ट्रोल नम्बर-9454405155 पर सम्पर्क किया जा सकता है।

सेनेटरी शोरूम और सुपर मार्ट में चोरी,भागने के दौरान नोटों की गड्डी गिरी

लखनऊ। गुडंबा और मड़ियांव थाना क्षेत्र में देर रात चोरों ने दो शोरूमों को निशाना बनाया। गुडंबा इलाके में सेनेटरी की दुकान में छत के रास्ते घुसे चोरों ने करीब 22 लख रुपए का सामान व नगदी पार कर दी। मड़ियांव में सुपरमार्ट का शटर काटकर चोरी की। पीड़ितों की शिकायत पर मुकदमा दर्ज किया गया है। गुडंबा निवासी आदित्य कल्याणपुर रिंग रोड पर अवध सैनिटरी स्टोर नाम से दुकान चलाते हैं। उन्होंने बताया रविवार रात करीब 8.30 बजे दुकान बंद करके घर चले गए थे। सोमवार सुबह जब स्टाफ दुकान खोलने पहुंचा तो अंदर सामान अस्त-व्यस्त मिला। ऑफिस में रखा 8 लाख 54 हजार गायब थे। 50 हजार रुपए की नोटों की एक गड्डी जमीन पर गिरी थी। अंदर सामान बिखरा पड़ा था। स्टोर में रखा सेनेटरी से जुड़ा महंगा आइटम भी गायब था, जिसकी कीमत करीब 13 से 14 लाख रुपए है। चोर सीसीटीवी का डीवीआर और वाईफाई राउटर भी उखाड़ ले गए।

नोएडा श्रमिक हिंसा पर सपा-कांग्रेस का बीजेपी पर तीखा हमला

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) और कांग्रेस ने सोमवार को नोएडा में वेतन वृद्धि को लेकर श्रमिकों द्वारा किये गये हिंसक विरोध प्रदर्शन के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार की नीतियों को जिम्मेदार ठहराते हुए उसकी आलोचना की है। सपा के अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने सोमवार को नोएडा में वेतन वृद्धि को लेकर श्रमिकों द्वारा किये गये हिंसक

विरोध प्रदर्शन के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार की एकतरफा नीति को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार पूंजीपतियों का पक्ष लेती है जबकि वेतनभोगी कर्मचारियों और मजदूरों की उपेक्षा करती है। यादव ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, नोएडा में वेतन बढ़ाने को लेकर उग्र हुए आंदोलन का कारण भाजपा सरकार की वह एकतरफा नीति है जो पूंजीपतियों का पोषण करती है लेकिन सामान्य काम करने वाले कर्मचारियों और वेतनभोगी श्रमिकों-मजदूरों का शोषण करती है। यादव ने इसी संदेश में आगे कहा, भाजपाई चंदा देने वालो पूंजीपतियों के एटीएम में तो पैसे भरते जा रहे हैं, लेकिन श्रमिकों-मजदूरों के वेतन के लिए इनके एटीएम खाली हैं। बेतहाशा महंगाई के इस दौर में कम वेतन में घर चलाना कितना मुश्किल है, यह एक परिवारवाला ही समझ सकता है। वेतनभोगी कहे आज का, नहीं चाहिए भाजपा! नोएडा में हुई हिंसा पर कांग्रेस ने भी अपनी प्रतिक्रिया दी है। उत्तर प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष अजय राय ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, नोएडा में मदरसन कंपनी के बाहर की तस्वीरें विचलित करने वाली हैं। जब महंगाई कमर तोड़ रही हो और वेतन के नाम पर मजदूरों का शोषण हो रहा है,तो युवा सड़क पर उतरने को मजबूर होगा ही। उन्होंने इसी पोस्ट में आगे कहा, योगी जी, भारी भरकम विज्ञापनों से पेट नहीं भरता! पुलिस के आंसू गैस के गोले भूखे पेट का जवाब नहीं हो सकते। मजदूरों की जायज मांगों को अनसुना करना बंद करिए और दमन की जगह समाधान निकालिए। वेतन बढ़ोतरी सहित विभिन्न मांगों को लेकर गौतम बुद्ध नगर के विभिन्न औद्योगिक क्षेत्र में बीते चार दिन से धरना प्रदर्शन कर रहे श्रमिकों का आंदोलन सोमवार को और उग्र हो गया और उन्होंने कई जगहों पर जाम लगाया और तोड़फोड़ की। पुलिस अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पुलिस के एक अधिकारी के मुताबिक नोएडा के सेक्टर 63, सेक्टर 62, सेक्टर 15, फ़ेस-दो औद्योगिक क्षेत्र, सूरजपुर, नॉलेज पार्क क्षेत्र, दादरी क्षेत्र और ईकोटेक- प्रथम के औद्योगिक क्षेत्र में सुबह से ही मजदूरों ने धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया। पुलिस सूत्रों के मुताबिक कई जगह पर श्रमिकों ने रास्ता जाम किया, अनेक स्थानों पर श्रमिकों ने उग्र होकर पुलिस पर पथराव किया और कुछ कारों में आग लगा दी। उन्होंने बताया कि कारखानों में तोड़फोड़ की भी खबर है जिसके बाद पुलिस को उन्हें तितर-बितर करने के लिए बल प्रयोग करना पड़ा और आंसू गैस का इस्तेमाल करना पड़ा।

दारुलशफा से अंबेडकर प्रतिमा तक समता संकल्प मार्च निकाला

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी में डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती से एक दिन पहले अपना दल (कमेरावादी) ने उनकी प्रतिमा पर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर दारुलशफा से अंबेडकर प्रतिमा तक ल्लसमता संकल्प मार्चङ्क निकाला गया। मार्च में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल हुए। कार्यक्रम में सिराथू विधायक डॉ. पल्लवी पटेल मुख्य रूप से मौजूद रहीं। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने ल्लयूजीसी लागू करोङ्क और ल्लआरक्षण का अधिकार दोङ्क जैसे नारे लगाए। कार्यक्रम में सिराथू विधायक डॉ. पल्लवी पटेल ने कहा कि बाबा साहब भीमराव अंबेडकर ने हम सबको संविधान की सुरक्षा कवच दिया। दलितों पिछड़ों भारत के प्रत्येक नागरिक को संविधान का ऐसा अधिकार मिला कि वह हमेशा उसके अधिकारों की रक्षा होती रहेगी। बाबा साहब भीमराव अंबेडकर, बीपी पंडाल और ज्योतिबा फुले प्रत्येक समतावादी व्यक्ति को याद करते रहना चाहिए। मौजूदा समय में भाजपा सरकार बाबा साहब के प्रतीक चिन्हों को तो 100: रूप से पूजती है। लेकिन उतनी ही मजबूती से बाबा साहेब के विचारों और संविधान को मिटाने के लिए कुंठित प्रयास कर रही है। इसके जिम्मेदार वो लोग भी है जिन्होंने बाबा साहब के नाम पर सत्ता पाई। मगर संविधान की सुरक्षा के लिए कुछ नहीं किया।

आज एक बड़ा वर्ग खुद को ठगा हुआ महसूस कर रहा है। संविधान बचाने के लिए एक महान आंदोलन खड़ा किया जाना चाहिए ताकि इस देश में अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को न्याय मिले। पल्लवी पटेल ने कहा यूजीसी पर सर्वोच्च न्यायालय ने बहुत सोच समझकर रोक लगाया। भारतीय जनता पार्टी ने जो षड्यंत्र रचा था उसमें वह कुछ हद तक सफल भी हुए।

स्कूल के बाहर पेरेंट्स का प्रदर्शन, गेट पर टांगा बैनर

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- नारे लगाए- लूट की दुकान बंद करो

लखनऊ। राजधानी के जानकीपुरम इलाके में सोमवार सुबह निजी स्कूल के खिलाफ पेरेंट्स ने जोरदार प्रदर्शन किया। स्कूल पर नए सत्र से मनमानी तरीके से फीस बढ़ाने का आरोप लगाते हुए बड़ी संख्या में मेन गेट के सामने जुटे पेरेंट्स ने बैनर टांगकर जमकर नारेबाजी की। इस दौरान 'बच्चों की शिक्षा को व्यापार बनाना बंद करो, लूट की दुकान बंद करो' जैसे नारे लगाए। इस दौरान काफी देर तक हंगामे जैसा माहौल रहा। अचानक से बड़ी संख्या में पेरेंट्स को देखकर स्कूल प्रशासन भी बैकफुट भी आता दिखा। हालांकि, स्कूल प्रशासन का कहना था कि सिर्फ गिनती के कुछ लोग साजिश के तहत गेट पर पहुंचकर हंगामा करने के मकसद से जुटे थे, जो खुद नियमित तौर पर अपने बच्चों की फीस नहीं जमा करते। प्रदर्शन कर रहे पेरेंट्स का कहना है कि, स्कूल ने बेहिसाब तरीके से फीस बढ़ाई है। यहां खुलेआम तरीके से धन उगाही की जा रही है। बावजूद इसके शिक्षा विभाग ऐसे स्कूलों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं कर रहा। पेरेंट्स ने फीस बढ़ाने के अलावा स्कूल पर कॉपी-किताब और ड्रेस के नाम पर भी जमकर वसूली करने का आरोप लगाया। मामला बढ़ता देख स्कूल की तरफ से कुछ लोगों को प्रिंसिपल से मिलने के लिए बुलाया गया पर सभी पेरेंट्स एक साथ जाने पर अड़े रहे। हालांकि, किसी तरह बातचीत के जरिए पेरेंट्स को शांत कराने की कोशिश की जा रही है। अनएडेड प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन के अध्यक्ष अनिल अग्रवाल ने कहा कि सभी स्कूल उत्तर प्रदेश फीस रेगुलेशन एक्ट का सख्ती से पालन कर रहे हैं और कोई भी स्कूल अपने परिसर में यूनिफॉर्म, किताबें या स्टेशनरी की बिक्री नहीं कर रहा है। यदि किसी स्कूल के खिलाफ इस तरह की शिकायत मिलती है तो उसकी जांच कराई जाएगी। आरोप सही पाए जाने पर एसोसिएशन भी अपने स्तर पर कार्रवाई करेगा। हालांकि, फिलहाल इस पूरे मामले पर उन्होंने कुछ कहने से इनकार कर दिया। दरअसल, राजधानी के कुछ निजी स्कूलों पर नए सत्र से कई गुना फीस बढ़ाने के आरोप लग रहे हैं। सोमवार को जानकीपुरम के ब्राइट वे कॉलेज में भी पेरेंट्स ने स्कूल प्रशासन पर मनमानी तरीके से कई गुना फीस बढ़ाने का आरोप लगाते हुए पहुंचे। इस दौरान पहले पेरेंट्स ने स्कूल प्रिंसिपल से बात करनी चाही, पर स्कूल के अड़ियल रवैये को देखकर मेन गेट के बाहर आकर खड़े हो गए। देखते ही देखते बड़ी संख्या में पेरेंट्स गेट के सामने जुट गए। इनमें महिलाएं भी रही। इस बीच कुछ पेरेंट्स ने फीस के खिलाफ छपा बैनर भी लाकर मेन गेट पर टांग दिया। इसके बाद नारेबाजी शुरू हो गई।

अस्पताल की चौथी मंजिल से गिरी महिला,परिजनों ने किया हंगामा

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी में एक प्राइवेट हॉस्पिटल की चौथी मंजिल से गिरकर महिला मरीज की मौत हो गई। इसके बाद परिजनों ने हॉस्पिटल में जमकर हंगामा किया। उन्होंने अस्पताल प्रशासन पर आरोप लगाया कि महिला की हत्या की गई है। वहीं, अस्पताल की ओर से कहा गया है कि महिला ने कूदकर सुसाइड किया है। पूरा मामला बंथरा थाना क्षेत्र के जुनाबगंज स्थित प्रसाद हॉस्पिटल का सोमवार सुबह का है। मृतक महिला की पहचान बंथरा के किशुनपुर कौड़िया निवासी सीता दीक्षित (32) के रूप में हुई है। पति अभय दीक्षित रोडवेज में संविदा पर बस ड्राइवर हैं। छुट्टी वाले दिन वह इलाके में ऑटो चलाते हैं। बताया जा रहा है कि सीता दीक्षित का पिछले कुछ समय से मानसिक स्वास्थ्य ठीक नहीं था और उनका इलाज प्रसाद हॉस्पिटल में चल रहा था। बीते रविवार को फिर से भर्ती कराया गया था। बताया जा रहा है कि सीता दीक्षित एक दिन पहले रविवार को तबीयत खराब होने पर खुद ही हॉस्पिटल पहुंची। पति अभय को सूचना मिली तो वह भी हॉस्पिटल गए। सीता को जनरल वार्ड में चौथी मंजिल पर भर्ती किया गया। रात में अभय भी वार्ड में ही रुके हुए थे। तड़के करीब 3 बजे अभय को झपकी लग गई। इसके बाद सीता कमरे से निकलकर कहीं चली गई। सुबह करीब 6 बजे सीता जनरल वार्ड के सामने नीचे जमीन पर बेसुध पड़ी मिली। इसके बाद अभय को सूचना दी गई। जैसे ही पता चला कि सीता की मौत हो गई, परिजनों ने मौके पर पहुंचकर हंगामा कर दिया। परिजन ने आरोप लगाया अस्पताल प्रशासन ने चौथी मंदिर से कूदकर उसके आत्महत्या करने की बात कही। इस दौरान सीसीटीवी फुटेज चेक किए गए तो तड़के 4 बजे सीता जनरल वार्ड के कमरे से बाहर निकलते नजर आई। साथ ही उसकी चप्पलें नीचे गिरती दिखीं, लेकिन सीता गिरती नहीं दिखाई दी? परिजन आरोप लगा रहे हैं कि अस्पताल के कर्मचारियों ने ही कुछ किया है। अगर वह चौथी मंजिल से कूदी है तो खून जरूर निकला होगा। अगर खून निकला है तो घटनास्थल पर खून के निशान क्यों नहीं मिले? हंगामे की सूचना पर पुलिस बल भी अस्पताल पहुंच गया। बंथरा प्रभारी निरीक्षक राणा राजेश सिंह ने बताया कि मृतक का मानसिक संतुलन ठीक नहीं था। इस वजह से उसका काफी दिनों से प्रसाद हॉस्पिटल में इलाज चल रहा था। परिजनों से अस्पताल के खिलाफ तहरीर ली गई है। उसी के आधार पर कार्रवाई की जाएगी। परिजनों की मांग पर एसीपी कृष्णानगर रजनीश वर्मा ने तहरीर मांगी थी। कहा कि अस्पताल प्रशासन के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच की जाएगी। डीसीपी दक्षिणी अमित कुमार आनंद ने कहा- मृतका की मौत अस्पताल से गिरकर हुई है। मृतक के पति अभय ने बताया कल दिन में 3.30 से 4 बजे के बीच यहां लेकर आया था। डॉक्टरों ने इंजेक्शन देने के बाद चौथे फ्लोर में इनको शिफ्ट कर दिया। वहां मैं भी साथ गया। हम दोनों ने साथ में खाना खाया। फिर ये सो गईं। रात में 2 बजे उठीं। वाशरूम करने गईं और वापस आईं। मैंने कहा कि आराम करो। सुबह डॉक्टर साहब आएंगे। उनका दिखाकर दवा लेकर घर लौट चलेंगे। तड़के 4 बजे के आसपास वह भी सो गईं और मैं भी सो गया। फिर पता नहीं कब वह उठकर चलीं, मैं नहीं जान पाया। इसके पहले भी यहां भर्ती किया था। सिक्योरिटी गार्ड मुझे जगा देता था कि भैया हम जा रहे हैं, आप जाग जाइए और अपने मरीज की निगरानी करिए। कल मुझे किसी ने मुझे नहीं जगाया। सुबह जब नर्स दौड़ते हुए आई और सीता के साथ कौन है कहते हुए चिल्ला रही थी तो मेरी नींद खुली। मैंने पूछा- बताइए, मैं हूं उनके साथ। इस नर्स ने कहा कि चलिए जल्दी वह नीचे गिर गई हैं। हम लोग पहुंचे। उन्हें स्ट्रेचर से ले जाकर आईसीयू में भर्ती किया। लेकिन, डॉक्टर साहब ने कहा कि अब कंडीशन खराब हो चुकी है। मृतका के भाई धीरज तिवारी ने कहा मैंने यहां के चेयरमैन भगवान प्रसाद यादव से कहा कि आपके यहां मरीज की मौत हो गई, आपने पुलिस को सूचना क्यों नहीं दी? तो उन्होंने बताया कि इनके पति ने पुलिस को सूचना देने से मना किया था, जबकि हमारे बहनोई की उनसे इस संबंध में कोई बात ही नहीं हुई थी। अब बताइए हॉस्पिटल वाले फंस रहे हैं कि नहीं? इन लोगों ने सबूत भी मिटा दिए हैं। मृतक सीता दीक्षित का मायका मोहनलालगंज के जबरौली में है। भाई धीरज तिवारी ने पुलिस को एक शिकायत दी है। उन्होंने प्रसाद हॉस्पिटल के चेयरमैन और प्रिंसिपल के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज करने की मांग की है। शिकायत में लिखा बहन सीता, पति अभय के साथ यहां इलाज कराने आई थी। वह स्वस्थ भी हो गई थी। उससे रात में मेरी फोन पर बात हुई थी।

महिला शक्ति का प्रदर्शनः भाजपा कार्यालय में संपन्न हुआ नारी शक्ति वंदन सम्मेलन

■ सभी ने प्रधानमंत्री नारी शक्ति वंदन सम्मेलन के सजीव प्रसारण को सराहा

कार्यक्रम को संबोधित करते अजीत सिंह बब्बन फोटोः राष्ट्रीय प्रस्तावना

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। भारतीय जनता पार्टी के जिला कार्यालय पर जिलाध्यक्ष अजीत सिंह 'बब्बन' की उपस्थिति में प्रधानमंत्री नारी शक्ति वंदन सम्मेलन का सजीव प्रसारण संपन्न हुआ। जिला पंचायत अध्यक्ष प्रेमावती एवं जिला उपाध्यक्ष अलका गुप्ता के अलावा बड़ी संख्या में महिलाओ ने सजीव कार्यक्रम देखा। कार्यक्रम के उपरांत जिला पंचायत अध्यक्ष प्रेमवती ने महिला आरक्षण पर भविष्य के फैसले को लेकर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि इस अधिनियम से महिलाओं को दीर्घकालिक लाभ मिलेगा। प्रधानमंत्री का यह निर्णय विकसित भारत की एक मजबूत कड़ी साबित होगा।

कार्यक्रम के उपरांत भाजपा जिलाध्यक्ष ने कहा कि वर्ष 2023 में नई संसद में ष्नारी शक्ति वंदन अधिनियमष् के रूप में पहला कदम उठाया गया था और अब प्रधानमंत्री के नेतृत्व में उसे प्रभावी रूप से देश में लागू करने की दिशा में आगे बढ़ा जा रहा है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर चल रहे अभियान का समापन आज वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किया गया। उन्होंने कहा कि **नारी शक्ति वंदन अधिनियम** पास होने से महिलाओं को नेतृत्व करने का अवसर मिलेगा तथा महिलाएं भी राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका का मजबूती से निर्वहन कर सकेंगी। उन्होंने कहा की यह ऐतिहासिक निर्णय भारतीय लोकतंत्र में नारी शक्ति के बढ़ते वर्चस्व का प्रतीक है। **संकल्प से सिद्धि** का यह मंत्र महिलाओं को निर्णायक नीति-निर्माता के रूप में स्थापित करता है। लोकसभा और विधानसभाओं में 33 प्रतिशत आरक्षण सुनिश्चित करना राजनीतिक सशक्तिकरण की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम है। इससे शासन में लैंगिक समानता और ज़मीनी मुद्दों पर महिलाओं की भागीदारी बढ़ेगी। यह कानून नारी के सामर्थ्य पर भरोसे का प्रमाण है। जिलाध्यक्ष ने नारी शक्ति को समर्पित आगामी 15 से 20 अप्रैल तक होने वालेकार्यक्रमों की रूपरेखा को भी साझा किया! कार्यक्रम का संचालन कार्यक्रम संयोजक सौरभ सिंह गौर ने किया!

कार्यक्रम मे जिला मंत्री नीतू चंद्रा, अदिति कुशवाहा, दीपा विश्वास, रामनंदिनी, नगर मंत्री प्रियंका सिंह, निधि सिंह, बाबी ओमर, निरमा देवी शोभना सिंह, सुहाना जैन, परिषा तिवारी, चेतना शुक्ला, पुष्पा देवी, रीना गुप्ता, अनुपमा सिंह सहित जिला महामंत्री सतेंद्र राजपूत, उपाध्यक्ष प्रीतेश दीक्षित, सौरभ गौर, जिला मंत्री निर्देश राजपूत मीडिया प्रभारी अतुल सिंह, सह मीडिया प्रभारी परेश लोहिया सह कोषाध्यक्ष गांगेश पाठक, मुकुल सिंह, सोशल मीडिया प्रभारी प्रदुमन आनंद मिश्रा एवं बड़ी संख्या मे सामजिक महिला कार्यकत्री व पदाधिकारी उपस्थित रही।

रेल महाप्रबंधक का निरीक्षण, दिव्यांगजन और दैनिक यात्रियों ने सुनाई फरियाद

■ निरीक्षण को लेकर सुबह से ही साफ-सफाई व अन्य व्यवस्थाएं रही चाक चौबंद

दिव्यांगजनों की समस्याएं सुनते रेल महाप्रबंधक उत्तर रेलवे फोटोः राष्ट्रीय प्रस्तावना

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों से तकनीकी जानकारी लेते महाप्रबंधक

राष्ट्रीय प्रस्तावना

कछौना (हरदोई)। बालामऊ स्टेशन अमृत भारत स्टेशन तो बन गया साज सज्जा भी हो गई लेकिन यात्री अपनी मूलभूत सुविधाओं के लिए आज भी ज्ञापन देकर अपनी मांगों को पूरा होने की आस लगाए बैठे हैं!

सोमवार को लखनऊ की ओर से बालामऊ जंक्शन रेलवे स्टेशन पहुंचे रेल महाप्रबंधक उत्तर रेलवे राजेश कुमार पांडेय ने व्यवस्थाओं का गहन निरीक्षण किया! इस दौरान उन्होंने प्लेटफार्म, टिकट काउंटर, प्रतीक्षालय, शौचालय, पेयजल व्यवस्था सहित अन्य सुविधाओं का जायजा लिया और मौके पर मौजूद अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए! निरीक्षण यान से प्लेटफॉर्म पर उतरते ही रेल महाप्रबंधक का दैनिक यात्रियों ने स्वागत कर अपनी पीड़ा सुनाई! इस दौरान उपस्थित दैनिक यात्री वीरेंद्र शुक्ला, मजीद अहमद व अन्य यत्रियों ने बालामऊ स्टेशन पर आधा दर्जन से अधिक ट्रेनों के ठहराव की मांग की एवं लखनऊ से बालामऊ होते हुए नैमिषारण्य तीर्थ तक स्पेशल ट्रेन चलाने की भी मांग की! इसके साथ ही पूर्व में चल रही मेमो व एलबीएम पैसेंजर ट्रेनों के पुनः चालू कराने की भी माँग की! यात्रियों ने बताया कि स्टेशन परिसर में साफ-सफाई की स्थिति संतोषजनक नहीं है! दिव्यांग यात्रियों ने विशेष रूप से अपनी समस्या को प्रमुखता से उठाया! उन्होंने बताया कि स्टेशन परिसर में रैम्प या लिफ्ट की कोई व्यवस्था न होने से प्लेटफार्म तक आने जाने में भारी मुसीबतों का सामना करना पड़ता है और रेल यात्रा उन्हें कठिनाइयां भरा सफर प्रतीत होता है! भारतीय किसान संगठन राष्ट्रीयता वादी लखनऊ के मंडल अध्यक्ष रावेन्द्र सिंह चौहान ने अपने प्रतिनिधि मंडल के साथ ज्ञापन देकर बघौली रेलवे स्टेशन पर ट्रेनों के ठहराव की मांग की जिस पर महाप्रबंधक ने कहा के अन्नदाताओं की समस्या हमारे लिए प्राथमिकता पर है जिसे जल्द ही पूरा किया जाएगा! लगभग 45 मिनट के निरीक्षण के दौरान रेल महाप्रबंधक ने स्टेशन की बारीकियां को परखा और सभी समस्याओं को गंभीरता पूर्वक सुना! उन्होंने संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि यात्रियों की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान सुनिश्चित किया जाए! उन्होंने कहा कि दिव्यांगजन की आवश्यक सुविधाओं को बेहतर बनाया जाए तथा स्टेशन पर स्वच्छता व सुरक्षा को और वृहद किया जाए! निरीक्षण के दौरान रेल महाप्रबंधक ने कहा कि यात्री सुविधाओं के लिए सभी आवश्यक कार्य किए जाएंगे जिसमें टिकट घर से जुड़ा प्लेटफार्म और दिव्यांगजनों के लिए लिफ्ट व रैंप की व्यवस्था होगी! रेल यात्रियों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए स्टेशन को सभी सुविधाओं से युक्त करना रेल प्रशासन की जिम्मेदारी है जिसे जल्द ही पूरा किया जाएगा! इसके साथ ही उन्होंने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए की ट्रेनों का संचालन समयबद्ध तरीके से किया जाए और यात्रियों को किसी भी प्रकार की असुविधा न होने दी जाए! निरीक्षण के दौरान उनके साथ डीआरएम मुरादाबाद विनीता श्रीवास्तव प्रमुख मुख्य अभियंता प्रेमसागर गुप्ता सहित रेलवे के कई अधिकारी व कर्मचारियों उपस्थित रहे! इसके अलावा ज्ञापन देने वाले दैनिक यात्रियों में संजय त्रिपाठी मनोज गुप्ता संजीव गुप्ता सूर्य प्रकाश द्विवेदी बाल्हे शुक्ला दीपू शुक्ला छोटे शुक्ला मोनू श्रीवास्तव मनीष गुप्ता जयप्रकाश व अन्य यात्री शामिल रहे!

पाली में नामित सभासदों का शपथ ग्रहण संपन्न

राष्ट्रीय प्रस्तावना

सवायजपुर (हरदोई)। पाली नगर पंचायत में शासन द्वारा नामित सभासदों के शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन सेठ बाबू राम भारतीय इण्टर कालेज में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में सवायजपुर विधानसभा क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक माधवेन्द्र प्रताप सिंह रानू मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने नामित सभासदों को पद एवं गोपनीयता की शपथ के बाद विधायक ने सभी को शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

विधायक रानू सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि नगर पंचायत के विकास, जनसमस्याओं के समाधान और शासन की योजनाओं को आमजन तक पहुंचाने में सभासदों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने अपेक्षा जताई कि सभी नामित सभासद जनहित को सर्वोपरि रखते हुए क्षेत्र के विकास में सक्रिय योगदान देंगे। इस अवसर पर उपजिलाधिकारी मयंक कुंडू नायब तहसीलदार देशराज भारती मंडल अध्यक्ष राकेश रंजन त्रिवेदी गन्ना समिति रुपापुर के अध्यक्ष ओमप्रकाश मिश्रा, प्रमुख संघ के प्रदेश अध्यक्ष धीरेन्द्र प्रताप सिंह, सेनानी आलोक शुक्ला, शिवम तिवारी, प्रधान संघ उपाध्यक्ष रामप्रकाश सिंह कुलदीप मिश्रा रजनीश गुप्ता रामू अग्निहोत्री रजनीश त्रिपाठी अदिति कुशवाहा सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रीय गणमान्य लोग मौजूद रहे। शपथ ग्रहण समारोह में नामित सभासद निर्मला, श्रीपाल कश्यप, संदीप मिश्रा और मनोज गुप्ता समेत अन्य सभासदों ने भी सहभागिता की। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित जनप्रतिनिधियों और नागरिकों ने नव-नामित सभासदों को बधाई देते हुए उनके सफल कार्यकाल की कामना की।

स्वच्छता अभियान व दीप प्रज्वलन कर दी डॉ0 अम्बेडकर को श्रद्धांजलि

■ डॉ० अंबेडकर के आदर्शों को जन जन पहुंचना ही प्राथमिकता: मुकुल

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। भारत रत्न डॉ० भीमराव अम्बेडकर की जयंती की पूर्व संध्या पर जिले में स्वच्छता अभियान एवं दीप प्रज्वलन कार्यक्रम का आयोजन बड़े उत्साह और श्रद्धा के साथ किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में स्वच्छता के प्रति जागरूकता फैलाना तथा डॉ० अम्बेडकर के आदर्शों को जन-जन तक पहुँचाना रहा।

इस अवसर पर डॉ० अंबेडकर सम्मान अभियान के अंतर्गत आज हरदोई ग्रामीण मंडल के सैया पुरवा में स्थित डॉ भीमराव अंबेडकर पार्क पहुंचकर डॉ अंबेडकर जी की प्रतिमा पर जिला सह कार्यालय मंत्री मुकुल सिंह आशा ने स्वच्छ कर स्वच्छता अभियान चलाया गया। और साथ ही दीपोत्सव आयोजित किया गया। मुकुल सिंह आशा ने कहा कि डॉ० अम्बेडकर के विचार आज भी समाज को समानताए शिक्षा और अधिकारों के प्रति प्रेरित करते हैं। उन्होंने सभी लोगों से स्वच्छता को अपनी दिनचर्या में शामिल करऔर सामाजिक जिम्मेदारियों का निर्वहन करने की अपील की।कार्यक्रम के तहत कार्यकर्ताओं एवं स्थानीय लोगों ने मिलकर सफाई अभियान चलाया तथा आसपास के स्थानों को स्वच्छ बनाया। इसके बाद दीप प्रज्वलित कर डॉ० अम्बेडकर को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम में इस कार्यक्रम के संयोजक हरिहर बक्श, ग्रामीण मंडल महामंत्री राजू गौतम, शक्ति केंद्र संयोजक सुभाष चंद्र गुप्ता, बूथ अध्यक्ष राजपाल वर्मा सहित कार्यकर्ता एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे और सभी ने मिलकर डॉ० अम्बेडकर के आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया।

अवैध शस्त्र के साथ आरोपी चढ़ा पुलिस के हत्थे

अवैध असलहे के साथ गिरफ्तार आरोपी फोटोः राष्ट्रीय प्रस्तावना

राष्ट्रीय प्रस्तावना

कछौना (हरदोई)। जनपद में अपराध और अपराधियों पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अवैध शस्त्रों के निर्माण बिक्री व परिवहन करने वाले व्यक्तियों की गिरफ्तारी हेतु चलाए जा रहे अभियान के क्रम में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अवैध शस्त्र प्रदर्शन करने वाले अभियुक्त की तलाश के दौरान कछौना पुलिस ने थाना क्षेत्र के कीरतपुर गांव निवासी अक्षय पुत्र किशनपाल रैदास को अवैध शस्त्र सहित गिरफ्तार किया है! थाना अध्यक्ष अमित सिंह ने बताया कि गिरफ्तार किए गए अभियुक्त के पास से एक अवैध तमंचा बरामद किया गया है! जिसके विरुद्ध सुसंगत धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जा रही है! उन्होंने यह भी बताया कि अपराध और अवैध गतिविधियों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और कानून व्यवस्था के साथ खिलवाड़ करने वालों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा!

ब्लॉक स्तर पर निकली स्कूल चलो अभियान की जागरूकता रैली

राष्ट्रीय प्रस्तावना

यूपीएस भटपुर में सम्बोधित करती विधायिका अलका सिंह अर्कवंशी

भरावन (हरदोई)। विकास खंड भरावन में स्कूल चलो अभियान के अंतर्गत रैली निकाली गई। बीईओ कृष्ण कुमार त्रिपाठी नें बताया मुख्य अतिथि विधायिका अलका सिंह अर्कवंशी के नेतृत्व में कंपोजिट विद्यालय खसरौल से होकर उच्च प्राथमिक विद्यालय भटपुर तक स्कूल चलो अभियान की जागरूकता रैली निकाली गई। मुख्य अतिथि संडीला विधायक अलका सिंह अर्कवंशी नें हरी झंडी दिखाते हुये स्कूल चलो अभियान की जागरूकता रैली में भाग लिया और शिक्षकों को सम्बोधित करते हुये कहा कि शिक्षा समाज और देश को बदलने में सकारात्मक सोच देती है। शिक्षकों का कर्तव्य है नकारात्मकता को सकारात्मक में बदलते हुये बच्चों को नई दिशा देनाए सकारात्मकता से शिक्षा को आगे बढ़ाना यही उद्देश्य होना चाहिए। इसी सोच से ग्रामीण स्तर के छात्र छात्राएं शीतल कुमारी जैसी होनहार बनके देश का गौरव बन सकती है। देश में बदलाव और उन्नति के लिए सकारात्मक होना जरूरी। और विधायिका नें उच्च प्राथमिक विद्यालय भटपुर की जागरूकता रैली देखकर बोला यही अभिभावको को जागरूक करने की पहल सराहनीय है।

कम्पोजिट विद्यालय खसरौल से विधायिका रैली को हरी झंडी दिखाकर स्वयं खण्ड शिक्षा अधिकारी कृष्ण कुमार त्रिपाठी के साथ जिप्सी पर सवार हुई जिसे जिप्सी के मालिक विवेक पांडे भरावन चलाते गए।जो कि भरावन चौराहाए अतरौली चौराहा ब्लॉक कार्यालय से बंजरा और यू पी एस छावन होते हुये यू पी एस भटपुर तक जागरूकता रैली की विभिन्न कार्यक्रम किए गए।

उच्च प्राथमिक विद्यालय भटपुर में प्रोजेक्टर के जरिये प्रधानाध्यापक सत्य पाल सिंह ने शिक्षा एवं पर्यावरण पर प्रकाश डाला। जिसमे शिक्षा के साथ नैतिक गुणो को बढ़ावा देने के जोर दिया। कार्यक्रम मे सीएचसी अधीक्षक अरविन्द मिश्रा शिक्षक गंगा राम, रमेश चन्द्र, सत्यपाल सिंह, प्रकाश चंद्र दुबे, शैलेन्द्र पटेल, अतुल श्रीवास्तव, श्याम किशोर तिवारी, मेवा लाल, एकता श्रीवास्तव, शैलजा, अरुण सिंह, जीतेंद्र सिंह, शेरा सिंहए अमिता सिंह, नीलिमा, अनीता, एआरपी तथा सभी नोडल शिक्षक सहित सभी न्याय पंचायतों से शिक्षक मौजूद रहे।

सैय्यद वाड़ा में अपात्रों को पीएम आवास आवंटित, मुख्यमंत्री से शिकायत

शाहाबाद (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। प्रधानमंत्री आवास योजना में कमीशन बाजी और धांधली की शिकायत कम होने के बजाय लगातार बढ़ती जा रही हैं। सभासदए डूडा कर्मचारी और लेखपालों की तिकड़ी सरकार की इस महत्वाकांक्षी योजना का बंटाधार करने पर तुली हुई है। मुख्यमंत्री को भेजी गई शिकायत में भारतीय जनता पार्टी शिक्षक प्रकोष्ठ के शाहाबाद विधानसभा अध्यक्ष राजीव नयन दीक्षित ने कहा है बड़ी संख्या में शाहाबाद नगर क्षेत्र में मिली भगत के चलते अपात्रों को पात्र दर्शाकर प्रधानमंत्री आवास आवंटित किए गए हैं। उन्होंने बताया जिनके दो मंजिल मकान बने हैं और 10 से 20 बीघा खेत का मालिकाना हक रखते हैं और अच्छा खासा व्यापार भी हैए ऐसे लोगों को कमीशन बाजी के चलते पात्र दर्शाकर प्रधानमंत्री आवास आवंटित कर दिया गया। जबकि इसके ठीक विपरीत आवास विहीन गरीब दर दर की ठोकरें खा रहे हैं। उन्होंने नगर पालिका के वार्ड सैय्यद वाड़ा का जिक्र करते हुए कहा इस वार्ड में मानक को दरकिनार करके बड़ी संख्या में अपात्रों को आवास आवंटित किए गए हैं। जिनको आवास आवंटित किए गए उनके पास पर्याप्त कृषि योग्य भूमि हैए दो मंजिल मकान हैं और एक एक लाख रूपए की दरवाजे पर भैंस बंधी है। लेकिन कमीशन बाजी के चक्कर में सभासदए डूडा कर्मचारी और लेखपालों ने उन्हें पात्र दर्शा दिया और प्रधानमंत्री आवास स्वीकृत कराकर उन्हें पहले किस्त भी दे दी गई। पहली किस्त से नीव आदि भरकर दूसरी किस्त के भी फोटो खिंचवाकर उसका सत्यापन करा दिया गया है जो पूरी तरह से नाजायज है। इसके ठीक विपरीत तमाम ऐसे भी पात्र दर.दर भटक रहे हैं जिनके पास रहने के लिए मकान नहीं है। भाजपा नेता ने मुख्यमंत्री से किसी आधिकारिक स्तर से जांच करा कार्रवाई करने और दंडित करने की मांग की है।

हरदोई की सड़कों पर उतरे हजारों शिक्षकय TET की अनिवार्यता के विरोध में पैदल मार्च और प्रदर्शन

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। अखिल भारतीय संयुक्त शिक्षक महासंघ के बैनर तले आज हरदोई में शिक्षकों का विशाल जनसैलाब उमड़ पड़ा। पूर्व प्रस्तावित कार्यक्रम के अनुसार, उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष एवं राष्ट्रीय सचिव (अखिल भारतीय प्राथमिक शिक्षक संघ) आलोक मिश्र तथा विभिन्न सहयोगी संगठनों के नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा थोपी गई। टीईटी अनिवार्यता के विरुद्ध एक विशाल पैदल मार्च का आयोजन किया गया।

गांधी भवन में एकत्रित हजारों शिक्षकों को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता आलोक मिश्र ने केंद्र सरकार की नीतियों पर कड़ा प्रहार किया। उन्होंने कहा केंद्र द्वारा पुराने शिक्षकों पर जबरन थोपी गई टेट की अनिवार्यता का पुरजोर विरोध किया जाएगा। आज हमने हरदोई की सड़कें जाम की हैं, और यदि सरकार ने इस नियम में समुचित संशोधन नहीं कियाए तो हम संसद का घेराव करने से भी पीछे नहीं हटेंगे। आज टेट लगाया गया है, कल संभव है कि हर वर्ष शिक्षकों की स्क्रीनिंग कराई जाने लगे। हमें इस काले कानून को आज ही समाप्त कराना होगा। अटेवा के जैनुल खान ने संबोधित करते हुए कहा कि आरटीई एक्ट लागू होने से पूर्व के शिक्षकों पर टेट की अनिवार्यता थोपना पूरी तरह से तर्कहीन और गलत है। वहीं टीएससीटी के शरीफुद्दीन, सुनील कुमार यादव, अरूणेंश प्रताप सिंह, दीपांकर गौतम और सुधीर गंगवार ने भी अपने संबोधन में सरकार की नीतियों की आलोचना की और एकजुटता का आह्वान किया। पैदल मार्च के समापन पर, प्रदर्शनकारी शिक्षकों ने प्रधानमंत्री एवं शिक्षा मंत्री, भारत सरकार को संबोधित एक मांग पत्र नगर मजिस्ट्रेट सुनील कुमार त्रिवेदी को सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से शिक्षकों ने टेट की अनिवार्यता को तत्काल वापस लेने और सेवा संबंधी नियमों में सुधार की मांग की। इस ऐतिहासिक पैदल मार्च में जिलावरिष्ठ उपाध्यक्ष गिरीश दीक्षित, जिला मंत्री एम०पी० सिंह, जिला उपाध्यक्ष अनुराग पांडे, अनूप दीक्षित, बीना वर्मा, नीलिमा देशवाल, जिला कोषाध्यक्ष, जिला संयुक्त मंत्री आशीष दीक्षित, प्रांतीय संगठन मंत्री प्रभा शंकर, अजय सिंह, संगठन मंत्री राघवेन्द्र शर्मा, नरेन्द्र शर्मा, मनीष राठौर, रविन्द्र यादव, पुष्पेन्द्र शुक्ला, रीना राणा, सिद्धार्थ पाण्डे, विनोद कुमार, विकाश शर्मा, श्रुति यादव, अभिषेक गुप्ता, अनवारूल हक, बृजमोहन सिंह, आशीष तिवारी, दुर्विजय सिंह, अखिलेंद्र सिंह, कमलेश कुमार, संतोष कुमार, अवधेश यादव, सुनीत तिवारी एवं कुलदीप द्विवेदी सहित हजारों की संख्या में शिक्षक एवं शिक्षिकाएं सम्मिलित रहे।

गैंगस्टर एक्ट के तहत बड़ी कार्रवाई, करोडो की अवैध संपत्ति कुर्क

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस प्रशासन को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर कोतवाली शहर पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट के एक अभियुक्त की करोड़ों रुपये की अवैध संपत्ति कुर्क की है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, थाना सुरसा में पंजीकृत मुकदमा संख्या 179/25 धारा 3(1) गैंगस्टर अधिनियम से संबंधित अभियुक्त धीरज गुप्ता पुत्र संतोष कुमार गुप्ता निवासी ग्राम काईमऊ थाना बघौली जनपद हरदोई के खिलाफ यह कार्रवाई की गई। जिलाधिकारी हरदोई के आदेश के अनुपालन में गैंगस्टर एक्ट के तहत अभियुक्त के दो मंजिला भवन को कुर्क किया गया। इस संपत्ति की अनुमानित कीमत रूपये 2,25,14,000 आंकी गई है। बताया गया कि अभियुक्त ने चोरी जैसे अपराधों से अर्जित धन से यह संपत्ति बनाई थी। कार्रवाई में शामिल टीम राजस्व टीम- नायब तहसीलदार संतोष कुमार, राजस्व निरीक्षक अतुल कुमार शुक्ल, लेखपाल समिष्ठा गुप्ता, संग्रह अमीन नवीन शुक्ल पुलिस टीम (कोतवाली शहर): प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार त्यागी उप निरीक्षक रामशंकर पाण्डेय कांस्टेबल सुधीर गंगवार आदि प्रशानिक अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे।

हरदोई येलो के खिलाड़ियों ने दिखाया अपना जौहर

हरदोई (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। यूपीसीए ट्रायल मैच के अंतर्गत हरदोई डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा कराए गए अंडर 23 की तीन व सीनियर वर्ग की एक टीम बनाई गई जिनके आपस में मैच कराए जा रहे हैं जिसमें आखरी मैच एचडीसीए येलो व एचडीसीए सीनियर वर्ग के बीच खेला गया जिसमें हरदोई सीनियर वर्ग व हरदोई येलो के खिलाड़ियों ने अपना जौहर दिखाया हरदोई सीनियर वर्ग की टीम

ने पहले बल्लेबाजी की जिसमें उन्होंने निर्धारित 40 ओवरों में 255 रनों का स्कोर खड़ा किया लक्ष्य का पीछा करने उतरी हरदोई येलो टीम 168 रनों पर ढेर हो गई। हरदोई सीनियर वर्ग की टीम ने मैच 87 रनों से जीत लिया । मैच के दौरान हरदोई डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रभात कुमार वर्मा व कोषाध्यक्ष अतुल कुमार मिश्रा, महामंत्री ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन लखनऊ मंडल मुकेश सिंह मौके पर मौजूद रहे मैच में निर्णायक की भूमिका कुलदीप यादव व अक्षय द्विवेदी ने निभाई स्कोरिंग की भूमिका सोनेन्द्र त्रिपाठी ने निभाई।

किशोरी को बहला-फुसलाकर भगाया, आरोपियों पर दर्ज रिपोर्ट दर्ज

शाहाबाद (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। मझिला थाना क्षेत्र के एक गांव से किशोरी को बहला-फुसलाकर भगा ले जाने के मामले में पीड़ित पिता की तहरीर पर आरोपियों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस ने किशोरी की तलाश शुरू कर दी है। पीड़ित पिता के अनुसार उसकी 15 वर्षीय पुत्री को 15 मार्च की रात थाना क्षेत्र के ग्राम बसभेरवा निवासी संतन पुत्र मिश्री सक्सेना अपने भाई ढोला, विकास पुत्र कल्लू और अंटा मचान निवासी अमिन्नू पुत्र सुल्ला के सहयोग से कहीं भगा ले गया। प्रभारी निरीक्षक मंझिला ने बताया तहरीर के आधार पर आरोपियों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर किशोरी की तलाश की जा रही है।

समता की आस्था

यह विडंबना ही है कि 21वीं सदी, जिसे ज्ञान की सदी भी कहा जाता है, में किसी व्यक्ति के धार्मिक स्थल विशेष जाने पर वर्ग या लिंगभेद के आधार पर रोक लगे। इस बाबत सुप्रीम कोर्ट की उस टिप्पणी से सहमत हुआ जा सकता है जिसमें कहा गया कि मंदिरों व मठों में प्रवेश में भेदभाव धर्म के लिये अच्छा नहीं है। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ ने धार्मिक स्थलों में महिलाओं से भेदभाव के मामले में सुनवाई के दौरान यह टिप्पणी की थी। देश की शीर्ष अदालत का मानना था कि मंदिरों और मठों में जाने का अधिकार हर व्यक्ति को मिलना चाहिए। अदालत ने चिंता जतायी कि यदि ऐसा नहीं होता है तो समाज में विभाजन को बढ़ावा मिलेगा। जिसका धर्म विशेष की सर्वस्वीकार्यता पर भी प्रतिकूल असर पड़ेगा। दरअसल, मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली नौ सदस्यीय संविधान पीठ धार्मिक स्थलों में महिलाओं से भेदभाव के मामले में सात कानूनी सवालों पर विचार कर रही है। जिसमें केरल के बहुचर्चित सबरीमाला मंदिर में दस से पचास साल की महिलाओं के प्रवेश पर प्रतिबंध का मुद्दा भी शामिल है। दरअसल, केरल के कई संगठनों की ओर से शीर्ष अदालत में उपस्थित अधिवक्ता ने दलील दी थी कि संप्रदाय विशेष का मंदिर, इस मामले में प्रवेश की अनुमति और पूजापाठ की इजाजत एक संप्रदाय विशेष तक सीमित रख सकता है। इस प्रसंग में पीठ की न्यायाधीश बीवी नागरत्ना ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को मंदिर और मठ में प्रवेश का अधिकार मिलना चाहिए। किसी को रोका जाना हिंदू धर्म के लिए अच्छी परंपरा नहीं है। दूसरे शब्दों में इसका धर्म पर बुरा असर नहीं पड़ना चाहिए। निश्चित रूप से देशकाल व परिस्थितियों के अनुसार देश के कानून व संविधान में भी परिवर्तन किए गए हैं। ऐसा में आस्था स्थलों से जुड़ी मान्यताओं व परंपराओं पर भी तर्कशील ढंग से विचार किया जाना जरूरी है। यह किसी भी समाज में समतामूलक सोच के विस्तार के लिये अपरिहार्य शर्त होनी चाहिए। इस दिशा में उदार सोच समय की जरूरत है। इसमें दो राय नहीं कि हमारे धार्मिक स्थल हमारी आध्यात्मिक दृष्टि को समृद्ध करने में अहम भूमिका निभाते हैं। धार्मिक होने का मतलब है ममता-समता और लोककल्याण से जुड़ी व्यापक दृष्टि का होना। श्रद्धालु किसी भी धार्मिक स्थल में मन की शांति और सुकून के लिये जाते हैं।

सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ ने धार्मिक स्थलों में महिलाओं से भेदभाव के मामले में सुनवाई के दौरान यह टिप्पणी की थी। देश की शीर्ष अदालत का मानना था कि मंदिरों और मठों में जाने का अधिकार हर व्यक्ति को मिलना चाहिए। अदालत ने चिंता जतायी कि यदि ऐसा नहीं होता है तो समाज में विभाजन को बढ़ावा मिलेगा। जिसका धर्म विशेष की सर्वस्वीकार्यता पर भी प्रतिकूल असर पड़ेगा। दरअसल, मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली नौ सदस्यीय संविधान पीठ धार्मिक स्थलों में महिलाओं से भेदभाव के मामले में सात कानूनी सवालों पर विचार कर रही है।

इस बात से सहमत नहीं हुआ जा सकता है कि पूजा पद्धति व धार्मिक स्थल में प्रवेश रोकने पर हमारे आराध्य प्रसन्न होंगे। पौराणिक प्रसंगों में ऐसे उदाहरण नहीं मिलते हैं जब धरती पर अवतार लेने वाले देवताओं ने किसी वंचित समाज के व्यक्ति और महिलाओं को लेकर किसी तरह के भेदभाव को प्रश्रय दिया हो। छोटा-बड़ा, अमीर-गरीब व महिला व पुरुष का भेद कभी उनके कालखंड में सामने नहीं आया। इसके बावजूद देशकाल परिस्थितियों में तथा तार्किकता के अभाव में यदि किसी तरह भेदभाव कतिपय कारणों से सामने आया भी हो, तो वक्त का तकाजा यही है कि उन्हें समय के अनुकूल ढाला जाए। आस्था के नजरिये से बात करें तो भी ईश्वर ने अपनी किसी भी रचना को लेकर कभी किसी तरह का भेदभाव नहीं किया। तो फिर उसके रचे इंसानों को किसी तरह के भेदभाव की अनुमति कैसे दी जा सकती थी। बहुत संभव है कि किसी समय में शुचिता को लेकर परंपरागत सोच रही हो। लेकिन आज विज्ञान ने कई प्राचीन धारणाओं व रूढ़ियों को बदलकर नई दृष्टि दी है। चंद्रमा हजारों साल से मानवीय आस्था का प्रतीक रहा है। हिंदू, मुस्लिम व अन्य धर्म किसी न किसी रूप में चंद्रमा को गहन आस्था के केंद्र के रूप में देखते रहे हैं। 19वीं सदी में कौन सोच सकता है कि तमाम धर्मों में पूज्य चांद पर कभी इंसान भी कदम रख सकता है। लेकिन आज यह हकीकत है कि भारत समेत कई विकसित देशों के मिशन चंद्रमा की सतह पर उतरे हैं। बहरहाल, ऐसे में उस धर्म विशेष की सर्वस्वीकार्यता को लेकर सवाल खड़े हो सकते हैं, जो व्यक्ति, वर्ग, संप्रदाय व लिंग के आधार पर किसी भी तरह का भेद करता हो। जैसा कि सुप्रीम कोर्ट ने भी कहा है कि ऐसे निर्णयों का धर्म पर नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ना चाहिए।

समता और सामाजिक न्याय के पक्षधर डॉ अम्बेडकर

अरुण कुमार दीक्षित

भारतीय राजनीति में प्रमुख कारक जाति है। प्रायः जाति वर्ग देखकर ही लोग वोट देते हैं। जाति वर्ग आधारित दल भी बने हैं। दलों के हाई कमान पदाधिकारी भी जाति वर्ग का विश्लेषण करके ही सुनिश्चित होते हैं। चुनाव में प्रत्याशियों पर मुख्य मंथन जाति , वर्ग पर होता है। ईमानदारी , परिश्रम, योग्यता को जाति पीछे धकेलती है। दूसरे धन बल का प्रभाव भी समूची राजनीतिक व्यवस्था को ललकार रहा है। वर्तमान के संदर्भ में डॉ अम्बेडकर के विचार प्रासंगिक हैं ही आगे भी रहेंगे। जातियां बनाने का आरोप ब्राह्मणों पर है। इसकी निंदा भी होती है।

डॉ. भीमराव अंबेडकर भारतीय राजनीति को प्रतिफल प्रभावित करते हैं। डॉ अम्बेडकर समता और सामाजिक न्याय के पक्षधर रहे हैं। उन्होंने जाति के आधार पर सम्मान और अपमान को निकट से देखा था। वह मानते थे कि हिन्दू समाज का जातीय विभाजन कुछ समय में नहीं हुआ है। अतीत का लंबा कालखंड रहा है। इस अस्पृश्यता को विदा होने में भी लंबा समय लगेगा। अस्पृश्यता को मिटाने के लगातार प्रयास करने होंगे। अंबेडकर चाहते थे कि जाति विदा होनी चाहिए। गांधी, लोहिया,विवेकानंद, महात्मा फुले भी जाति की विदाई चाहते थे। भारत में जाति आधारित समाज है। यहां जाति के भीतर भी जातियाँ हैं। जातियों में उप जातियां हैं। जाति यथार्थ है। जातियां संघर्षरत हैं। उन्होंने अपने जीवन काल में अस्पृश्य वर्ग के लिए काम किया। संविधान में उन्हें ही अनुसूचित कहा गया है। भारतीय राजनीति में प्रमुख कारक जाति है। प्रायः जाति वर्ग देखकर ही लोग वोट देते हैं। जाति वर्ग आधारित दल भी बने हैं। दलों के हाई कमान पदाधिकारी भी जाति वर्ग का विश्लेषण करके ही सुनिश्चित होते हैं। चुनाव में प्रत्याशियों पर मुख्य मंथन जाति , वर्ग पर होता है। ईमानदारी , परिश्रम, योग्यता को जाति पीछे धकेलती है। दूसरे धन बल का प्रभाव भी समूची राजनीतिक व्यवस्था को ललकार रहा है। वर्तमान के संदर्भ में डॉ अम्बेडकर के विचार प्रासंगिक हैं ही आगे भी रहेंगे। जातियां बनाने का आरोप ब्राह्मणों पर है। इसकी निंदा भी होती है। बगैर यह जाने कि क्या जातियों को ब्राह्मणों ने ही बनाया अथवा मनु ने बनाया ? क्या वास्तव में मनु ने जाति थोपी थी। अमेरिका के कोलंबिया में डॉ ए ए गोल्ड विजर द्वारा आयोजित एक गोष्ठी में डॉ अंबेडकर ने भारत में जाति उद्भव विकास और स्वरूप पर 9 मई 1916 को कहा था, व्यक्ति ही समाज को बनाते हैं। सतही कथन है। वर्गों के मिलने से समाज बनता है, लेकिन यह सत्य है कि समाज में भीतर वर्ग होते हैं। वर्गों के आधार अलग-अलग हो सकते हैं। आधार आर्थिक या सामाजिक हो सकता है। व्यक्ति हमेशा समूह का सदस्य होता है। अंबेडकर इस बात को नहीं मानते थे की विधि व्यवस्था के प्रणेता मनु ने जाति प्रणाली बनाई होगी। उनका कहना था कि कोई व्यक्ति चाहे वह कितना शक्तिशाली होता जाति व्यवस्था का निर्माण नहीं कर सकता था। यह बात कल्पना से परे है कि मनु ने जाति का कानून बनाया। जाति मनु से पहले अस्तित्व में थी। वे सनातनी हिंदुओं की इस मान्यता का खंडन करते हैं, कि जाति, श्रेणियों का निर्माण शास्त्रों, स्मृतियां में सोच समझकर किया। उन्होंने इस मान्यता को भी अस्वीकार किया कि ब्राह्मणों ने जाति संस्था का निर्माण किया। जाति संस्था का निर्माण करके उसे गैर ब्राह्मणों पर लादना उनके बस में नहीं था। अंबेडकर का कहना था कि मनु ने जाति के विद्यमान नियमों को सिर्फ संहिता बद्ध किया और उन्हें धार्मिक एवं दार्शनिक आधार प्रदान किया। (पृष्ठ संख्या 20, 21 बाबा साहब अंबेडकर एक चिंतन मधु लिमये की पुस्तक)। जाति प्रथा कैसे जन्मीं? रामधारी सिंह दिनकर के विचार हैं। जातियों का आज जो स्वरूप हम देखते हैं वह आरंभ में नहीं था। फिर आज जो कुछ देखते हैं उससे भी अंदाजा लगाना कठिन नहीं है, कि जातियां सिर्फ पेशों या व्यवसायों पर ही बनी हैं। उनके अंदर भी सभ्यता संस्कृति के अनेक स्तर भी छिपे हुए हैं। ऊंची जाति की संस्कृति ऊंची और नीची जाति की संस्कृति नीची होती है, क्योंकि ऊंची जाति वालों के पुरखे कुछ अधिक धनी थे। उन्हें पढ़े पढ़ने लिखने और कुछ महीन काम करने का मौका कुछ अधिक मिला था। इसलिए उनके खानदान में ऊंची संस्कृति परंपरा चल पड़ी। इस प्रकार एक ही जाति में कुछ गोत्रों के लोग अपने को औरों से अधिक ऊंचा समझते हैं। अछूत जातियों में भी कुछ लोग कम अछूत और कुछ ज्यादा अछूत समझे जाते हैं। समाज के भीतर संस्कृतियों के ऊंचे नीचे धरातल हैं उन धरातलों पर भी विभाजन देखा जा सकता है। अंबेडकर का विचार था कि इस देश में लोकतंत्र को कायम रखने के लिए तीन बातों का ध्यान रखना जरूरी है। पहले है कि हमें अपने सामाजिक और आर्थिक उद्देश्यों के पूर्ति को लेकर संवैधानिक विधि का सहारा लेना चाहिए। इसमें कोई ढील नहीं होनी चाहिए। इसका अर्थ यह था कि गांधी जी ने सविनय अवज्ञा आंदोलन और सत्याग्रह का जो रास्ता दिखाया था वह सही रास्ता नहीं था। अंबेडकर के अनुसार इन विधियों को तभी अपनाना चाहिए जब सामाजिक और आर्थिक उद्देश्यों की पूर्ति के अन्य रास्ते बंद हो चुके हैं। अन्यथा यह विधियां समाज को अराजकता के गर्त में धकेल देगी। दूसरे हमें अपनी स्वतंत्रता को महापुरुषों के चरणों में अर्पित नहीं करना चाहिए। कोई मनुष्य किसी के प्रति कृतज्ञता प्रकट करने के लिए आत्मसम्मान को दांव पर नहीं लग सकता। कोई स्त्री किसी के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने के लिए अपने सतीत्व को दांव पर नहीं लगा सकती। कोई राष्ट्र किसी के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करने के लिए अपनी स्वाधीनता को दांव पर नहीं लगा सकता। अंतत हमें अपने लोकतंत्र को राजनीतिक लोकतंत्र(पॉलिटिकल डेमोक्रेसी) तक सीमित नहीं रखना चाहिए। लोकतंत्र को सामाजिक लोकतंत्र का रूप देना चाहिए। सामाजिक लोकतंत्र ऐसी व्यवस्था है जिसमें स्वतंत्रता समानता और बंधुत्व को महत्व दिया जाता है। यह भी स्पष्ट है कि गांधी और अम्बेडकर के बीच प्रायः असहमति रही थी। अंबेडकर इस बात से बहुत खिन्न थे, कि इस देश में समानता का नितांत का अभाव है। संविधान समिति का गठन और उसका स्वरूप कैसा हो इस पर डॉ अंबेडकर के विचार स्पष्ट थे। डॉ अंबेडकर कहते हैं संविधान समिति बनने के समय किसी प्रकार का पक्षपाती उद्देश्य नहीं था। संसद में अपने दल के हित संबंधों का समर्थन किया जाता है। संविधान समिति में ऐसा नहीं होता है। संविधान समिति व भावी संसद में यही अंतर है। 29 अगस्त 19 47 को संविधान निर्माण की प्रारूप समिति के अध्यक्ष डॉ बाबा साहब अम्बेडकर बने । अल्लादी कृष्णास्वामी अय्यर,एन गोपाल स्वामी, के एम मुंशी, एन माधव, टी टी कृष्णाचारी सैय्यद मोहम्मद सादुल्लाह सहित सात सदस्य थे। 9 दिसंबर 1946 को संविधान सभा की पहली बैठक नई दिल्ली में हुई। 1948 में प्रस्तावित संविधान का प्रारूप प्रकाशित किया गया। 26 नवंबर 1949 को संविधान अंगीकृत किया गया। संविधान पर 3 वर्ष में 11 सत्रों में चर्चा हुई। 2 वर्ष 11 माह 18 दिन में संविधान तैयार हुआ। 26 जनवरी 1950 को 8 अनुसूची और 395 अनुच्छेदो वाला संविधान लागू किया गया। डॉ अम्बेडकर राजनीति से पहले पत्रकार बने। 19 20 में ''मूकनायक'' समाचार पत्र में वैचारिक रूप देने के लिए 14 लेख लिखे। अस्पृश्यता आंदोलन का मुख पत्र ''बहिष्कृत भारत '' समाचार पत्र था। उल्लेखनीय है कि महात्मा गांधी , तिलक अरविंद सही महापुरुषों ने राजनीति के साथ समाचार पत्र निकाले। समाचार पत्रों के माध्यम से इन महापुरुषों के ज्वलंत विचारों की चेतना जनता तक पहुंचती रही। जनांदोलन होते रहे। बाबा साहब के जन्मोत्सव पर उन्हें नमन।

लालजी टंडनः एक राजनीतिक जीवन की कहानी

विकास टम्टा

लालजी टंडन का जन्म 12 अप्रैल 1935 को लखनऊ में हुआ था। उन्होंने अपनी शिक्षा लखनऊ विश्वविद्यालय से प्राप्त की और 1958 में कृष्णा टंडन से विवाह किया। टंडन जी का राजनीतिक सफर 1960 के दशक में शुरू हुआ, जब वे दो बार पार्षद और दो बार विधान परिषद के सदस्य बने। वे तीन बार विधायक भी रहे और कल्याण सिंह सरकार में मंत्री भी रहे। टंडन जी का अटल बिहारी वाजपेयी से गहरा संबंध था और वे उनकी राजनीतिक विरासत को आगे बढ़ाने वाले नेताओं में से एक थे। 2009 में, वे लखनऊ से लोकसभा चुनाव जीते और सांसद बने। बाद में, वे मध्य प्रदेश और बिहार के राज्यपाल भी बने।

लालजी टंडन का मुख्य उद्देश्य था समाज सेवा और राजनीति में सक्रिय रहना

लालजी टंडन, एक अनुभवी राजनेता और समाजसेवक, ने अपने जीवन का मुख्य उद्देश्य समाज सेवा और राजनीति में सक्रिय रहना रखा। उनका मानना था कि राजनीति एक ऐसा माध्यम है जिससे वे समाज के वंचित वर्गों की सेवा कर सकते हैं और देश के विकास में योगदान कर सकते हैं।

टंडन जी ने अपने राजनीतिक जीवन में कई महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया, जिनमें से कुछ प्रमुख हैं:

- लखनऊ से लोकसभा सांसद
- मध्य प्रदेश के राज्यपाल
- बिहार के राज्यपाल
- उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री

उन्होंने अपने कार्यकाल में कई महत्वपूर्ण योजनाओं और परियोजनाओं को शुरू किया, जिनमें से कुछ प्रमुख हैं:

- लखनऊ में मेट्रो परियोजना
- मध्य प्रदेश में शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार
- बिहार में सड़क और परिवहन सेवाओं का विकास

टंडन जी का मानना था कि शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाएं समाज के विकास के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने अपने कार्यकाल में इन क्षेत्रों में कई महत्वपूर्ण कदम उठाए।

लालजी टंडन की जयंती मनाई जाती है क्योंकि वे एक महान राजनेता, समाजसेवक और भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के वरिष्ठ नेता थे। उनका जन्म 12 अप्रैल 1935 को लखनऊ में हुआ था और उन्होंने अपने जीवन में कई महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया, जिनमें मध्य प्रदेश के राज्यपाल और बिहार के राज्यपाल शामिल हैं ।

लालजी टंडन की जयंती मनाने का उद्देश्य उनके जीवन और कार्यों को याद करना और समाज में उनके योगदान को सम्मानित करना है। उनके जीवन से हमें समाज सेवा, राजनीति में सादगी और सुचिता के महत्व के बारे में सीखने को मिलता है।

2023 में, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लालजी टंडन की जयंती के अवसर पर लखनऊ में उनकी प्रतिमा का अनावरण किया था। इसके अलावा, लालजी टंडन फाउंडेशन की स्थापना की गई है, जो समाज सेवा के कार्यों में लगी हुई है ।

लालजी टंडन का निधन 21 जुलाई 2020 को लखनऊ में हुआ था। उनकी विरासत आज भी भारतीय राजनीति में महसूस की जाती है ।

मुद्रा महाठगनी, इसके रूप अनेक!

प्रयाग पाण्डे

प्राचीनकाल में चांदी और तांबा,सोने से कहीं अधिक मूल्यवान माने जाते थे। चूंकि सोना पृथ्वी के गर्भ में अन्य किसी धातु से अमिश्रित शुद्ध अवस्था में मिलता था। इसलिए सोना सुलभ था। माना जाता है कि संसार में सबसे पहले सिक्कों के लिए सोने को ही प्रयोग में लाया गया था। चूंकि उस दौर में चांदी दुर्लभ थी। चांदी अन्य धातुओं से मिश्रित अवस्था में मिलती थी। चांदी को खानों से निकालना मुश्किल और बेहद श्रमसाध्य था। चांदी को पहले खानों से निकाला जाता था, फिर उसे गलाकर चांदी के पात बनाए जाते थे। इसके बाद टकसालों में चांदी के रुपये ढाले जाते थे।

जितना पुराना मानव सभ्यता का इतिहास है, मुद्रा का भी इतिहास उतना ही पुराना है। मुद्रा का इतिहास मानव जीवन में क्रमशः आए उत्तरोत्तर परिवर्तनों की दिलचस्प कहानी है। आदिम युग से वर्तमान कम्प्यूटर युग तक मनुष्य के जीवन में हुए परिवर्तनों के साथ मुद्रा के रूपों में भी रोचक बदलाव आए हैं। अपनी विकास यात्रा में मुद्रा ने 'पशुधन' एवं 'वस्तु विनिमय प्रणाली' से डिजिटल इकोनॉमिक तक की एक लंबी यात्रा तय की है। रुपये की जितनी अजब करामात है। उतना ही गजब इतिहास भी। प्राचीनकाल में वस्तुओं का मूल्य अनाज और गाय, बैल आदि पशुओं से आंका जाता था। यह व्यवस्था भारत के अलावा ग्रीस में भी प्रचलित थी। उस काल में धनिकों के धन की माप पशुओं से की जाती थी। आज जो स्थान सोने-चांदी या रुपयों के नोट का है, प्राचीनकाल में यही स्थान पशुओं का था।

वस्तु - विनिमय (अदला-बदली) की व्यवस्था अराजक थी। इसमें आए रोज लड़ाई-झगड़े होते थे। अदला-बदली की व्यवस्था की खामियों से निपटने के लिए हजारों साल पहले सिक्कों का प्रचलन शुरू हुआ। प्राचीनकाल में भारत में सोना, चांदी, तांबा, पत्थर, कौड़ी आदि के सिक्के चलन में आए। वैदिक काल में सोने के सिक्के चलते थे,जिन्हें निष्क, शतनाम, सुवर्ण, पाद आदि नामों से जाना जाता था। कालांतर में चांदी के सिक्के प्रचलन में आए। चांदी के सिक्कों को पण, कार्षापण, विंशतिकी त्रिंशतिकी आदि नामों से जाना जाता था। प्राचीनकाल में जब सिक्के का आविर्भाव हुआ तब सिक्के के धातु का वजन, मूल्य और शुद्धता उसमें निहित थी। राजा इस बात का वचन देता था। सोने के सिक्के स्वयंसिद्ध मुद्रा थे। स्वयंसिद्ध मुद्रा का मूल्य उसके गर्भ में था। जबकि चांदी के सिक्के अर्ध स्वयंसिद्ध मुद्रा थे। पूर्व मध्यकाल में सोने के सिक्के को 'काशु' कहा जाता था। प्रारंभिक सिक्कों की तौल और बनावट, दोनों निराली थी। ठीक नाप-तौल के प्रमाण स्वरूप चांदी -सोने पर कोई चिह्न बने सिक्कों को मुद्रा कहा जाता था। सिंधु घाटी सभ्यता में भी सिक्कों का प्रचलन था। ईशा पूर्व सातवीं शताब्दी के अंत तक सिक्कों का प्रचलन काफी बढ़ चुका था। भारत में गौतम बुद्ध के कार्यकाल में चांदी के सिक्कों का तौल 40 और 25 रत्ती थी। उस दौर में चांदी के सिक्कों को 'पण' और 'कर्षापण' कहा जाता था। सिक्कों में हाथी, कुत्ते या वृक्षों के ठप्पे अंकित होते थे। प्राचीनकाल में चांदी और तांबा,सोने से कहीं अधिक मूल्यवान माने जाते थे। चूंकि सोना पृथ्वी के गर्भ में अन्य किसी धातु से अमिश्रित शुद्ध अवस्था में मिलता था। इसलिए सोना सुलभ था। माना जाता है कि संसार में सबसे पहले सिक्कों के लिए सोने को ही प्रयोग में लाया गया था। चूंकि उस दौर में चांदी दुर्लभ थी। चांदी अन्य धातुओं से मिश्रित अवस्था में मिलती थी। चांदी को खानों से निकालना मुश्किल और बेहद श्रमसाध्य था। चांदी को पहले खानों से निकाला जाता था, फिर उसे गलाकर चांदी के पात बनाए जाते थे। इसके बाद टकसालों में चांदी के रुपये ढाले जाते थे। कालांतर में ज्ञान-विज्ञान के क्षेत्र में हुई प्रगति से चांदी को खानों से निकालना सरल हो गया तो चांदी सर्वसुलभ हो गई और सोना दुर्लभ हो गया। तब दक्षिण भारत में सोने के सिक्कों की प्रधानता थी। उत्तर भारत में चांदी के सिक्कों का प्रचलन अधिक था। दिल्ली सल्तनत के दौरान 1329 ई. में चांदी के सिक्कों के स्थान पर कांसे और तांबे के सिक्के चलाए गए। इन्हें सांकेतिक मुद्रा कहा गया। उस दौर में घर-घर टकसाल बन गए। लोग अपने घरों में खुद ही कांसे और तांबे के सिक्के ढालने लगे थे। सल्तनत को आखिरकार इन सिक्कों को बंद करना पड़ा। इनके स्थान पर सोने और चांदी के 'तंके' जारी करने पड़े। इसके बाद फिरोजशाह तुगलक (1351-1388) ने 'शशगानी' नाम का सिक्का चलाया। ब्रिटिश मुद्रा प्रणाली से प्रेरित होकर शेरशाह सूरी (1540- 1545) ने पुराने घिसे-पिटे सिक्कों के स्थान पर 180 ग्रेन शुद्ध चांदी का रुपया और 380 ग्रेन शुद्ध तांबे का रुपया चलाया। रुपया संस्कृत के शब्द 'रुप्य' या 'रौप्य' का अपभ्रंश है। संस्कृत में चांदी को 'रुप्य' या 'रौप्य' कहते हैं। शेरशाह सूरी के सिक्कों में कूफी के साथ हिंदी में भी लिखा हुआ था। शेरशाह के पुत्र इस्लामशाह के कार्यकाल में सिक्के का पुराना रूप कायम रहा। इस दौर के सिक्कों में भी कूफी के साथ हिंदी में लिखा जाता था लेकिन मुगल बादशाह बाबर, हुमायूं और अकबर के शासनकाल में चले सिक्कों में बादशाहों ने सिक्कों में सिर्फ कूफी में अपने नाम खुदवाए। भारत में हुमायूं ने सबसे पहले फारसी शब्दों का प्रसार किया। इसके बाद अकबर, जहांगीर, औरंगजेब आदि मुगल बादशाहों ने फारसी को खूब बढ़ावा दिया। इस कालखंड में सभी राजकार्य फारसी में ही होते थे। सिक्कों में भी फारसी अक्षरों का उपयोग किया जाता था। सिक्कों से हिंदी शब्द हटा दिए गए थे। मुगलकाल में बाबर ने 'बाबरी' नाम से चांदी का सिक्का चलाया। अकबर ने 1577 में दिल्ली में एक शाही टकसाल बनवाई और 'मुहर' एवं 'इलाही' नाम से सोने के सिक्के चलाए। अकबर ने 'जलाली' नाम का 175 ग्रेन का चौकोर चांदी का सिक्का और 'दाम' नाम से तांबे का एक सिक्का भी चलाया, जो शेरशाह सूरी द्वारा चलाए गए चांदी के रुपये का 40 वां भाग माना जाता था। अकबर ने अपने कुछ सिक्कों में सीता और राम की मूर्ति अंकित करवाई थी और सिक्कों में देवनागरी में 'राम-सिया' लिखवाया था। जहांगीर ने 'निसार' नाम का एक सिक्का चलाया,जो रुपये के चौथाई मूल्य के बराबर था। टीपू सुल्तान ने 1787 में अपने नाम के सिक्के जारी किए। सिख साम्राज्य के राजा रणजीत सिंह (1792- 1839) ने नानक और गुरु गोविंद सिंह के नाम से सिक्के चलाए। इन सिक्कों में 'नानक सहाय' और 'गोविंद सहाय' उत्कीर्ण कराया था। दिल्ली में ईस्ट इंडिया कंपनी का आधिपत्य कायम हो जाने के बाद मुगलकालीन सिक्कों का प्रचलन बंद कर दिया गया । मुर्शिदाबाद के जगत सेठ को नवाब ने टकसाल चलाने के लिए अधिकृत किया था। तब भारत के अधिकांश हिस्से में जगत सेठ का रुपया चलता था। भारत में ईस्ट इंडिया कंपनी का शासन स्थापित हो जाने के बाद कंपनी ने जगत सेठ के मुद्रा चलाने के अधिकार को बदस्तूर कायम रखा। जिस दौर में ईस्ट इंडिया कंपनी भारत में आई तब यहां चांदी और सोने के सिक्कों के मान में विविधताएं थीं। बंगाल प्रांत में एक जिले का रुपया दूसरे जिले में नहीं चलता था। अनेक जिलों में विभिन्न मान के रुपये प्रचलन में थे। सोने और चांदी में परस्पर प्रतिस्पर्धा चलती रहती थी। कभी सोना महंगा हो जाता था तो कभी चांदी। फर्रूखाबादी रुपये फर्रुखाबाद, बनारस, सागर और कलकत्ता के टकसालों में ढाले जाते थे। मद्रासी रुपये अलग ढलते थे। ईस्ट इंडिया कंपनी की टकसाल कलकत्ता में थी। यहां रुपयों की ढलाई मशीनों (कल) से होती थी। इसलिए ईस्ट इंडिया कंपनी की टकसाल में ढले रुपयों को 'कलदार' कहा जाता था। मुद्रा की इस विभिन्नता से लेन-देन और व्यापार में कठिनाइयां आती थीं। ईस्ट इंडिया कंपनी द्वारा करों की वसूली के लिए नियुक्त कलक्टरों को कर और भूमि की लगान के रूप में जनता से चांदी के साठ और सोने के बहत्तर सिक्के लेने पड़ते थे। अलग- अलग वस्तुओं के लिए अलग- अलग प्रकार के सिक्के थे। अट्ठारहवीं सदी के प्रारंभ तक भारत वर्ष का अधिकांश भाग ईस्ट इंडिया कंपनी के आधिपत्य में आ चुका था। इसके तुरंत बाद कंपनी के डायरेक्टरों ने भारत में रुपयों में एकरूपता लाने की कोशिशें शुरू कर दी थी। 1806 में ईस्ट इंडिया कंपनी के डायरेक्टरों ने मद्रास सरकार को पत्र लिखा कि भारत का प्रधान सिक्का चांदी का होना चाहिए, जिसका वजन एक तोला हो, जिसमें 165 ग्रेन विशुद्ध चांदी हो। डायरेक्टर सोने के सिक्कों का चलन बंद करने के पक्षधर नहीं थे। 1835 में बंगाल के गवर्नर जनरल को ब्रिटिश शासित संपूर्ण भारत का गवर्नर जनरल बना दिया गया । 27 मई, 1835 को गवर्नर जनरल ने ईस्ट इंडिया कंपनी के आधिपत्य वाले संपूर्ण भारत में एक ही प्रकार के सिक्कों के प्रचलन की घोषणा कर दी। इस संबंध में बाकायदा मुद्रा विधान बना। ईस्ट इंडिया कंपनी द्वारा 1835 में बनाए गए मुद्रा संबंधी विधान भारत की मुद्रा व्यवस्था के इतिहास का एक महत्वपूर्ण पड़ाव था। इस विधान में यह व्यवस्था दी गई कि 1 सितंबर, 1835 से कंपनी के टकसालों में एक ही आकार-प्रकार के सिक्कों की ढलाई होगी। ईस्ट इंडिया कंपनी के टकसालों में ढाले जाने वाले चांदी के सिक्के को फर्रुखाबादी रुपये के बराबर माने जाने का निर्णय लिया गया। कहा गया कि चांदी के रुपये का वजन 180 ग्रेन होगा, जिसमें 165 ग्रेन विशुद्ध चांदी होगी।

डिप्थीरिया व एचपीवी टीकाकरण अभियान को लेकर डीएम सख्त

- 20 से 30 अप्रैल तक चलेगा विशेष अभियान, निजी स्कूलों को चेतावनी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

उन्नाव। विकास भवन सभागार में जिलाधिकारी गौरांग राठी की अध्यक्षता में सोमवार को डिप्थीरिया एवं एचपीवी टीकाकरण के सफल क्रियान्वयन को लेकर जिला टास्क फोर्स की बैठक आयोजित की गई। बैठक में डीएम ने अभियान की तैयारियों की बिंदुवार समीक्षा करते हुए शत-प्रतिशत टीकाकरण सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए।

बैठक में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि 20 अप्रैल से 30 अप्रैल 2026 तक विशेष टीकाकरण अभियान चलाया जाएगा। इसके तहत टीमें माइक्रोप्लान के अनुसार क्षेत्रों में भ्रमण करेंगी।

अभियान में 5 से 6 वर्ष के बच्चों को डीपीटी सेकेंड बूस्टर, 10 वर्ष के बच्चों को टीडी-10 और 16 वर्ष के बच्चों को टीडी-16 टीका लगाया जाएगा। इस पर डीएम ने सभी संबंधित विभागों को पूर्ण सहयोग देने के निर्देश दिए।

निजी विद्यालयों पर जताई नाराजगी-विगत अभियान में कुछ निजी विद्यालयों द्वारा टीकाकरण में सहयोग न करने पर जिलाधिकारी ने गहरी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि जो विद्यालय अभियान में सहयोग नहीं करेंगे, उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

साथ ही मुख्य चिकित्सा अधिकारी को निर्देशित किया गया कि टीकाकरण न कराने वाले विद्यालयों की बैठक 30 अप्रैल के बाद बुलाई जाए।

एचपीवी वैक्सीन से सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम- बैठक में एचपीवी वैक्सीन के संबंध में जानकारी देते हुए बताया गया कि यह टीका सर्वाइकल कैंसर से बचाव में प्रभावी है, जो भारत में महिलाओं में कैंसर का एक प्रमुख कारण है।

बताया गया कि हर वर्ष लगभग 80 हजार महिलाएं इस बीमारी से प्रभावित होती हैं और करीब 40 हजार की मृत्यु हो जाती है। वर्तमान में सभी ब्लॉक सीएचसी व पीएचसी पर एचपीवी वैक्सीन उपलब्ध है, जिसे 14 से 15 वर्ष की बच्चियां लगवा सकती हैं।

डीएम ने निर्देश दिए कि विद्यालयों में इसका व्यापक प्रचार-प्रसार कराया जाए ताकि अधिक से अधिक बच्चियां इसका लाभ उठा सकें।

अधिकारी व कर्मचारी रहे मौजूद- बैठक में मुख्य विकास अधिकारी कृतिराज, जिला विकास अधिकारी देव चतुर्वेदी, प्रभारी मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. एचएन सिंह, जिला कार्यक्रम अधिकारी सहित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

भारत विकास परिषद कार्यक्रम में शुक्लागंज शाखा का दबदबा

शुक्लागंज। साकेत नगर, कानपुर स्थित ओसियन ग्रैंड होटल में भारत विकास परिषद ब्रह्मावर्त प्रांत के तत्वावधान में आयोजित प्रांतीय कार्यक्रम में शुक्लागंज शाखा ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए कई सम्मान अपने नाम किए। परिषद द्वारा किए गए सेवा कार्यों और सक्रियता के लिए शाखा को विभिन्न श्रेणियों में पुरस्कृत किया गया। शाखा को सर्वाधिक सदस्यता अभियान में शीर्ष स्थान प्राप्त करने और कंबल वितरण कार्यक्रम के सफल संचालन के लिए विशेष रूप से सम्मानित किया गया। शाखाध्यक्ष ओमप्रकाश मिश्र को उनके नेतृत्व कौशल के लिए ऊर्ज़ावान अध्यक्ष के सम्मान से नवाजा गया। यह सम्मान राष्ट्रीय और प्रांतीय पदाधिकारियों मुकेश जैन, क्षेत्रीय सेवा प्रमुख विमलेश अवस्थी, प्रांतीय महासचिव आदित्य कुमार शुक्ला, प्रांतीय वित्त सचिव आत्मप्रकाश दीक्षित और गिरीश दीक्षित द्वारा प्रदान किया गया। इसके अलावा, शाखा के उत्कृष्ट योगदान के लिए कीर्ति स्तम्भ सम्मान आशुतोष शुक्ल, अध्यक्ष ओमप्रकाश मिश्र, सचिव राजीव मिश्र और कोषाध्यक्ष अमित पांडेय को संयुक्त रूप से प्रदान किया गया।

फसल में आगजनी की घटनाओं पर अलर्ट

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- विभाग ने जारी की चेतावनी खेतों के आसपास धूम्रपान से बचने और विद्युत लाइनें दुरुस्त रखने की अपील

पुरवा। क्षेत्र में पकी गेहूं की फसल में आग लगने की बढ़ती घटनाओं को देखते हुए अग्निशमन विभाग ने आमजन से विशेष सतर्कता बरतने की अपील की है। गर्मी के मौसम में आगजनी की घटनाओं में लगातार वृद्धि हो रही है, जिससे किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। अग्निशमन विभाग के उच्चाधिकारियों द्वारा प्रदेश के सभी जिलाधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि अग्नि दुर्घटनाओं को कम करने और उनसे निपटने के लिए प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। इसके तहत विद्युत विभाग को भी निर्देशित किया गया है कि खंभों पर लगे ढीले तारों को तत्काल ठीक कराया जाए और तेज हवा या आंधी के दौरान बिजली आपूर्ति बंद रखी जाए। साथ ही गेहूं के खेतों के ऊपर से गुजर रही विद्युत लाइनों को दुरुस्त करने के निर्देश भी दिए गए हैं, ताकि किसी भी प्रकार की चिंगारी से आग लगने की संभावना कम हो सके। स्थानीय फायर स्टेशन अधिकारी सरदार खान ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि खेतों के आसपास धूम्रपान बिल्कुल न करें।

बाराबंकी के कैलाश आश्रम में संस्कारशाला का आयोजन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बाराबंकी। राष्ट्रीय जागरण मंच के तत्वावधान में व अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के सहयोग से तथा अभयाश्रम ओंकारेश्वर पीठाधीश्वर गुरु श्री प्रणवानंद जी महाराज की अध्यक्षता में बाराबंकी के कैलाश आश्रम में संस्कारशाला का आयोजन किया गया। संचालन करते हुए मंच अध्यक्ष मनोज श्रीवास्तव ने उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आज के परिवेश में जिस प्रकार परिवारों का विखंडन हो रहा है,जिस प्रकार किशोरावस्था में बच्चे दिग्भ्रमित हो रहे हैं तथा हमारे बुजुर्ग वृद्धाश्रम में पहुंच रहे हैं, ऐसे चिंताजनक वातावरण में समाज में कुछ सकारात्मक संदेश दिया जा सके ,इसी प्रयास की कड़ी है संस्कारशाला। स्वामी प्रणवानंद, स्वामी राघवानन्द, स्वामी बृह्मचारी मोहन चैतन्य, स्वामी राम चरित शास्त्री ने उद्बोधन देते हुए कहा कि सर्व प्रथम हमें अपने धर्म व संस्कारों के प्रति जागरूक होना पड़ेगा इसका आरंभ किसी भी बच्चे के जन्म के समय से ही आरंभ कर देना चाहिए तभी हम सार्थक उद्देश्यों को प्राप्त कर सकेंगे। आगे बताया कि यदि प्रातः काल सूर्योदय से पहले उठ जाते हैं और थोड़ी देर ध्यान लगाते हैं तो एक अद्‍भुत आध्यात्मिक उर्जा का संचार होता है तथा हमारे जीवन को सफलता की ओर ले जाता है। कृत्रिम सामाजिक कुरीतियों के बहिष्कार का भी आवाहन किया जिसके कारण तलाक जैसी विशम परिस्थितियां पैदा हो रही हैं। कार्यक्रम में अखिल भारतीय कायस्थ महासभा जिलाध्यक्ष सुबोध श्रीवास्तव , महामंत्री अजय श्रीवास्तव, उपाध्यक्ष अरविंद श्रीवास्तव, युवा महामंत्री अभिषेक श्रीवास्तव, तथा स्वमी दयाल श्रीवास्तव जी सहित अनेकों कार्यकर्ताओं व भक्तों की परिमय उपस्थिति रही।

चलती ऑडी कार में लगी आग, अधिवक्ता ने शीशा तोड़कर बचाई जान

शुक्लागंज। गंगा बैराज मार्ग पर रविवार देर रात एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया, जब लखनऊ से कानपुर लौट रहे एक अधिवक्ता की लग्जरी ऑडी कार में अचानक आग लग गई। कार का सेंट्रल लॉकिंग सिस्टम जाम हो जाने से अधिवक्ता अंदर ही फंस गए थे, लेकिन साहस दिखाते हुए उन्होंने कार का शीशा तोड़कर अपनी जान बचा ली। जानकारी के अनुसार, कानपुर नगर के चकेरी थाना क्षेत्र स्थित कृष्णा नगर निवासी रविकांत उत्तम पुत्र उरेश चंद उत्तम, जो हाईकोर्ट में अधिवक्ता हैं, रविवार रात करीब 12 बजे अपनी ऑडी कार से लखनऊ से घर लौट रहे थे। जैसे ही वह गंगा बैराज रोड पर ट्रांस गंगा सिटी के गेट नंबर 3 के पास पहुंचे, कार के इंजन से अचानक तेज धुआं उठने लगा। अधिवक्ता कुछ समझ पाते उससे पहले ही डैशबोर्ड से चिंगारियां निकलने लगीं और देखते ही देखते पूरी कार आग की चपेट में आ गई। शॉर्ट सर्किट के कारण कार के दरवाजे लॉक हो गए और वह भीतर ही फंस गए।

उन्नाव में टीईटी अनिवार्यता के विरोध में शिक्षकों का मशाल जुलूस

- पीडब्ल्यूडी परिसर से कलेक्ट्रेट तक निकाला जुलूस, मांगें न माने जाने पर आंदोलन तेज करने की घोषणा

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

उन्नाव। आरटीई से पूर्व नियुक्त शिक्षकों पर लागू टीईटी अनिवार्यता के विरोध में बुधवार को अखिल भारतीय संयुक्त शिक्षक महासंघ के प्रांतीय आह्वान के क्रम में शिक्षकों ने विशाल मशाल जुलूस निकाला। जुलूस में विभिन्न शिक्षक संगठनों के पदाधिकारियों और शिक्षकों ने बड़ी संख्या में भाग लेकर विरोध दर्ज कराया। जिससे संपूर्ण यातायात दो घंटे बाधित रहा और स्थिति सामान्य करवाने में प्रशासन के पसीने छूट गए।

मशाल जुलूस पीडब्ल्यूडी परिसर से शुरू होकर आंबेडकर प्रतिमा होते हुए कलेक्ट्रेट पहुंचा, जहां नारेबाजी के साथ प्रदर्शन किया गया। इस दौरान शिक्षकों ने टीईटी अनिवार्यता को समाप्त करने की मांग उठाई।

जुलूस में अटेवा, प्राथमिक शिक्षक संघ, उत्तर प्रदेशीय जूनियर हाईस्कूल शिक्षक संघ, प्राथमिक शिक्षक प्रशिक्षित स्नातक एसोसिएशन, विशिष्ट बीटीसी, टीएससीटी, एससी-एसटी, शिक्षामित्र एवं अनुदेशक संगठनों के पदाधिकारी शामिल रहे। सभी संगठनों ने एकजुट होकर आंदोलन को तेज करने का संकेत दिया।

अटेवा के जिला संयोजक अर्पित मिश्रा ने कहा कि यह कानून शिक्षकों के साथ अन्यायपूर्ण है और इसे तत्काल वापस लिया जाना चाहिए। प्राथमिक शिक्षक प्रशिक्षित स्नातक संगठन के जिलाध्यक्ष संजीव संखवार और मांडलिक मंत्री प्रदीप वर्मा ने कहा कि सभी शिक्षक, शिक्षामित्र और अनुदेशक एकजुट होकर इस मुद्दे पर संघर्ष कर रहे हैं और मांग पूरी होने तक आंदोलन जारी रहेगा। उत्तर प्रदेश जूनियर हाईस्कूल पूर्व माध्यमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष कृष्ण शंकर मिश्रा और संजय कनौजिया ने चेतावनी दी कि यदि मांगों पर ध्यान नहीं दिया गया तो आंदोलन को विधानसभा और संसद तक ले जाया जाएगा।

प्रदर्शन के दौरान वक्ताओं ने कहा कि सेवा सुरक्षा के साथ किसी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। जरूरत पड़ने पर आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

इस दौरान पीएसपीएसए के अमित तिवारी, नरेंद्र, नितिन, मनोज, शशांक, अतुल साहू,विद्या सागर मिश्र, रीता, कंचन, अंजू, मंजू एवं राजेश जूनियर शिक्षक संघ से अक्षय कटियार , विनीत बाजपई, दिलीप अवस्थी, धर्मेंद्र, प्राथमिक से मयंक चित्रांशी सहित अन्य संगठनों के पदाधिकारियों से अरुण, राम बहादुर, राजकरन, अनिल , विमल आजाद, सुरेंद्र, राजेश कुमार, सुरेंद्र, सूर्यंम शुक्ल,शुभम त्रिवेदी, सुरेंद्र प्रकाश, सौरभ राज, आशुतोष, इम्तियाज, नितिन, उमेश मौर्य, शशांक, राकेश पटेल, सहित लगभग 1200 की संख्या में शिक्षक मौजूद रहे।

पात्र होने के बावजूद विधवा को नहीं मिला आवास, छप्पर के नीचे गुजर-बसर को मजबूर

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- अतहा गांव में सरकारी योजनाओं की जमीनी हकीकत पर उठे सवाल

सफीपुर। विकासखंड क्षेत्र के अतहा गांव में सरकारी योजनाओं की जमीनी हकीकत एक बार फिर सवालों के घेरे में है। गांव निवासी प्रेमा, पत्नी स्वर्गीय श्रीपाल, आज भी फूस के छप्पर के नीचे जीवन यापन करने को मजबूर हैं। गरीबों को पक्का मकान उपलब्ध कराने के लिए संचालित प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ उन्हें अब तक नहीं मिल सका है, जबकि वह पात्र बताई जा रही हैं।

प्रेमा ने बताया कि बारिश के दिनों में उनका छप्पर टपकने लगता है, जिससे घर के भीतर रहना मुश्किल हो जाता है। ऐसे में उन्हें मजबूरी में पड़ोसियों के यहां शरण लेनी पड़ती है। इससे उन्हें काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।

गर्मी के मौसम में तेज धूप और सर्दी में ठंड से बचाव का भी कोई समुचित साधन नहीं है, जिससे उनका जीवन बेहद कष्टमय बना हुआ है।

ग्रामीणों का कहना है कि पति की मृत्यु के बाद से ही प्रेमा की स्थिति ऐसी बनी हुई है। कई बार संबंधित अधिकारियों को इसकी जानकारी भी दी गई, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। इससे यह सवाल खड़ा हो रहा है कि आखिर सरकारी योजनाओं का लाभ वास्तविक पात्रों तक क्यों नहीं पहुंच पा रहा है।

इस संबंध में खंड विकास अधिकारी श्वेता त्रिपाठी ने बताया कि मामले की जांच कर पात्रता के आधार पर आवास उपलब्ध कराया जाएगा।

दिव्यांगों के लिए योगी सरकार का बड़ा तोहफा

बांदा। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने बांदा के दिव्यांगजनों के लिए मदद का पिटारा खोल दिया है। जिले के दिव्यांगों को सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा संचालित कृतिम अंग एवं सहायक उपकरण योजना के तहत जल्द ही अब आधुनिक सहायक उपकरण और ट्राईसाइकिल का मुफ्त वितरण किया जाएगा। योगी सरकार के इस कदम से न केवल दिव्यांगों की राह आसान होगी बल्कि उनके जीवन में एक नई ऊर्ज़ा का संचार भी होगा। बांदा जिला प्रशासन ने सरकार की मंशानुरूप दिव्यांगों के लिए दिए जाने वाले सहायक उपकरणों की प्रक्रिया की तेज कर दी है। योजना के अंतर्गत पात्र दिव्यांगों को उनकी आवश्यकता के अनुसार ट्राईसाइकिल, व्हीलचेयर, कान की मशीन, स्मार्ट केन और कृत्रिम अंग प्रदान किए जाएंगे। सरकार का लक्ष्य है कि जिले का कोई भी दिव्यांग अपनी शारीरिक अक्षमता के कारण पीछे न छूटे।

कोरियो गांव में प्रशासन का एक्शन, बंजर भूमि से हटाया गया अवैध कब्जा, 5 विवादों का मौके पर निस्तारण

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कौशाम्बी, जनपद के सिराथू तहसील अंतर्गत ग्राम कोरियो में उप जिलाधिकारी योगेश कुमार गौड़ के नेतृत्व में ल्लटॉप 10 भूमि विवादों का मौके पर समाधानङ्क अभियान के तहत विशेष कैम्प आयोजित किया गया। कैम्प में राजस्व एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम ने भूमि विवाद से जुड़ी शिकायतों का गांव स्तर पर ही त्वरित निस्तारण किया।

उप जिलाधिकारी की मौजूदगी में कुल 5 मामलों का मौके पर समाधान कराया गया। इनमें गाटा संख्या 551 और 1391, जो बंजर भूमि के अंतर्गत आते हैं, पर हुए अवैध अतिक्रमण को हटवाया गया। प्रशासन की इस कार्रवाई से शिकायतकर्ताओं ने संतोष जताया।

कैम्प के दौरान ग्रामीणों को भूमि विवाद से बचाव और न्यायालय के माध्यम से विवाद निपटाने की प्रक्रिया की भी जानकारी दी गई। उप जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि भविष्य में भी इसी तरह संवेदनशीलता और तत्परता के साथ जनता की समस्याओं का समाधान सुनिश्चित किया जाय।

संक्षिप्त समाचार

भैंस लड़ी गाड़ियों से अवैध वसूली पर कार्यवायी, लाइन हाजिर हुए दो सिपाही

कौशाम्बी। सैनी कोतवाली क्षेत्र के सयारा ओवरब्रिज पर भैंस लदे वाहनों से अवैध वसूली का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। मामले का संज्ञान लेते हुए सत्यनारायण ने तत्काल जांच के आदेश दिए। जांच में ठ्ध-112 (पीआरवी) पर तैनात सिपाही जयसिंह और चालक सिपाही सहादत हुसैन की भूमिका संदिग्ध पाई गई। एसपी ने दोनों पुलिसकर्मियों को तत्काल प्रभाव से लाइन हाजिर कर दिया है तथा उनके खिलाफ विभागीय जांच शुरू कर दी गई है। इस कार्रवाई के बाद पुलिस विभाग में अवैध वसूली में लिप्त कर्मियों के बीच खलबली मची हुई है।

अपर पुलिस उपायुक्त, डॉ. ईशान सोनी के स्थानांतरण पर दी गई विदाई, सीपी ने सराहा

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी में तैनात अपर पुलिस उपायुक्त डॉ. ईशान सोनी के स्थानांतरण पर सोमवार को पुलिस कमिश्नर मोहित अग्रवाल के नेतृत्व में पुलिस अधिकारियों ने उन्हें भावभीनी विदाई दी। इस अवसर पर उनके कार्यकाल की सराहना करते हुए सभी अधिकारियों ने उनके योगदान को स्मरण किया। पुलिस कमिश्नर ने डॉ. सोनी की प्रशंसा करते हुए कहा कि उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान प्रशासनिक दक्षता, अनुशासन, बेहतर समन्वय तथा जनसेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया। उनके नेतृत्व में पुलिस विभाग ने कई महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल कीं। अन्य अधिकारियों ने भी उनके कार्यों की सराहना करते हुए उन्हें उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। इस दौरान नवागत अपर पुलिस उपायुक्त लिपि नागयाच का पुष्पगुच्छ भेंट कर गर्मजोशी से स्वागत किया गया। पुलिस कमिश्नर ने विश्वास व्यक्त किया कि उनके अनुभव, नेतृत्व क्षमता और कार्यकुशलता से वाराणसी कमिश्नरेट की कार्यप्रणाली को नई दिशा और गति मिलेगी। कार्यक्रम में अपर पुलिस आयुक्त (कानून-व्यवस्था एवं मुख्यालय) शिवहरी मीणा सहित अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारी भी उपस्थित रहे।

जालियांवाला बाग बरसी पर चंबल के क्रांतिवीरों के स्मारक निर्माण की मांग

इटावा। जालियांवाला बाग नरसंहार की बरसी पर चंबल संग्रहालय पंचनद परिवार ने चंबल अंचल के क्रांतिवीरों की स्मृतियों को संरक्षित करने और उनके सम्मान में स्मारक निर्माण की मांग को लेकर इटावा स्थित कचहरी परिसर में सोमवार को श्रद्धांजलि सभा आयोजित की। इसके बाद मुख्यमंत्री और राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी के माध्यम से सौंपा गया। सभा के दौरान ल्लक्रांति नायकों को न्याय दोङ्क, ल्लस्मृतियों को जीवंत करोङ्क और ल्लजीता चमार, मारून सिंह लोधी, जंगली-मंगली भंगी का स्मारक बनाओङ्क जैसे नारों से परिसर गूंज उठा। शहीद वंशज देवेंद्र सिंह चौहान एडवोकेट ने कहा कि इटावा से कई बार मुख्यमंत्री बनने के बावजूद क्षेत्र के क्रांतिवीरों के सम्मान की दिशा में अपेक्षित कार्य नहीं हुआ।

इटावा- बरेली हाइवे पर हादसे में साले की मौत, जीजा घायल

फर्रुखाबाद। उत्तर प्रदेश के जनपद फर्रुखाबाद के थाना मोहम्मदाबाद क्षेत्र में इटावा-बरेली हाईवे पर पासिंगपुर के पास सड़क हादसे में जीजा-साले समेत तीन लोग घायल हो गए। साले ने अस्पताल में दम तोड़ दिया जबकि अन्य का अस्पताल में उपचार चल रहा है। हादसे के बाद मौके पर अफरातफरी मच गई। एक पिकअप और बाइक की टक्कर के बाद बाइक अनियंत्रित हो गई और सामने से आ रही दूसरी बाइक से जा टकराई। इस टक्कर में दोनों बाइक सवार घायल हो गए। घायलों की पहचान मुरास कनिहया गांव निवासी छोटे लाल के 14 वर्षीय पुत्र आदित्य राजपूत साले और उनके जीजा हरिओम पुत्र रामदास के रूप में हुई है। दोनों फीरोजाबाद जनपद के एका थाना क्षेत्र के नगला तुला गांव जा रहे थे।

मतदाता सूची में गड़बड़ी बर्दाश्त नहीं, हर पात्र का नाम जुड़वाएंगे : पवन गुप्ता

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कानपुर। मतदाता सूची में किसी भी पात्र नागरिक का नाम कटने नहीं दिया जाएगा और छूटे हुए लोगों का नाम तेजी से जुड़वाया जाएगा। इसके लिए संगठन पूरी ताकत के साथ मैदान में उतरेगा और घर-घर जाकर जांच अभियान चलाएगा। लोकतांत्रिक अधिकारों से खिलवाड़ किसी भी सूरत में स्वीकार नहीं किया जाएगा। हर विधानसभा क्षेत्र में विशेष टीमों का गठन कर जिम्मेदारी तय की गई है। यह बातें सोमवार को कंाग्रेस महानगर अध्यक्ष पवन गुप्ता ने कही।

चुनाव आयोग द्वारा जारी एसआईआर के तहत अंतिम मतदाता सूची के प्रकाशन को देखते हुए कानपुर महानगर कंाग्रेस ने व्यापक तैयारी शुरू कर दी है। महानगर अध्यक्ष पवन गुप्ता की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में शहर की पांचों विधानसभा क्षेत्रों में मतदाता सूची की गहन जांच और सुधार के लिए विशेष अभियान चलाने का निर्णय लिया गया। बैठक में संगठन के पदाधिकारियों, वार्ड अध्यक्षों, एसआईआर कोऑर्डिनेटरों और बीएलए को सक्रिय भूमिका निभाने के निर्देश दिए गए।

महानगर अध्यक्ष ने बताया कि प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में अलग-अलग टीमों का गठन किया जाएगा, जो घर-घर जाकर मतदाता सूची का सत्यापन करेंगी। फॉर्म-6 के माध्यम से नए मतदाताओं का नाम जोड़ने और गलत तरीके से हटाए गए नामों को पुनः सूची में शामिल कराने के लिए लगातार अभियान चलाया जाएगा। कार्यकर्ता आम जनता से सीधे संपर्क कर उन्हें जागरूक भी करेंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि मतदाता सूची में गड़बड़ी कर लोकतांत्रिक प्रक्रिया को प्रभावित करने की कोशिश की जा रही है, जिसे किसी भी हाल में स्वीकार नहीं किया जाएगा। पार्टी का लक्ष्य है कि हर पात्र नागरिक अपने मताधिकार का प्रयोग कर सके।

महानगर कंाग्रेस ने शहरवासियों से अपील की है कि वे अपने नाम की जांच अवश्य करें और किसी भी समस्या की स्थिति में कंाग्रेस कार्यकर्ताओं से सम्पर्क करें, ताकि समय रहते आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। बैठक में पवन गुप्ता, हरप्रकाश अग्निहोत्री, निजामुद्दीन खान, शंकर दत्त मिश्रा, पदम मोहन मिश्रा, राकेश साहू, रितेश यादव, अजय श्रीवास्तव, राम शंकर राय, प्रमोद गुप्ता, धर्मेंद्र सिंह, मुकेश कन्नौजिया, विनय जायसवाल, मो. अकील, देव राय सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

डॉ. भीमराव अंबेडकर के विचारों को आत्मसात करने की जरूरत : पंकज चौधरी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

रायबरेली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने कहा कि बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर के विचारों को आत्मसात करने की जरूरत है, जिससे एक बेहतर समाज की स्थापना हो सके। मानवता,समानता और राष्ट्र निर्माण के लिए उन्होंने अपना पूरा जीवन दे दिया। उनके विचार आज भी प्रासंगिक हैं। प्रदेश अध्यक्ष सोमवार को रायबरेली के कन्नवा में आयोजित एक कार्यक्रम को सम्बोधित कर रहे थे।उन्होंने समाज में समानता, न्याय एवं शिक्षा के बाबा साहेब के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। इसके पूर्व उन्होंने संविधान निर्माता एवं भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर स्मारक व प्रेरणा स्थल का भी लोकार्पण किया।

इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष ने बाबा साहेब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किया।कार्यक्रम स्थल पर ही पौधरोपण कर उन्होंने पर्यावरण संरक्षण का भी संदेश दिया। इस दौरान उत्तर प्रदेश सरकार में राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिनेश प्रताप सिंह , रायबरेली सदर से विधायक अदिति सिंह , ऊंचाहार से विधायक मनोज पांडे , बछरावां से पूर्व विधायक श्रामलाल अकेला , पार्टी के पदाधिकारी व भारी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

गोला चीनी मिल के केन विभाग में फूटा आक्रोश

15 साल बाद भी नहीं खोला गया 'सिजरा'

- 2008-09 से कार्यरत कर्मियों की अनदेखी का आरोप, मिल गेट पर धरना देकर दी आंदोलन की चेतावनी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। गोला स्थित बजाज हिंदुस्तान शुगर मिल के केन (गन्ना) विभाग में कार्यरत कर्मचारियों का आक्रोश अब खुलकर सामने आ गया है। वर्षों से सेवा दे रहे कर्मियों ने आरोप लगाया है कि वर्ष 2008-09 से लगातार काम करने के बावजूद आज तक उन्हें न तो नियमित किया गया और न ही उनके नाम का सिजरा (सेवा अभिलेख) खोला गया है।

कर्मचारियों का कहना है कि उन्होंने कई बार मिल प्रबंधन और संबंधित अधिकारियों को लिखित रूप से अपनी समस्याओं से अवगत कराया, लेकिन हर बार केवल आश्वासन ही मिला। आवेदन में सभी कर्मचारियों के नाम शामिल होने के बावजूद उनके सेवा रिकॉर्ड को आधिकारिक रूप से दर्ज नहीं किया गया, जिससे वे सरकारी लाभों और अन्य सुविधाओं से वंचित हैं। पीड़ित कर्मियों ने यह भी आरोप लगाया कि उनके बाद जुड़े कर्मचारियों को प्राथमिकता दी जा रही है, जबकि पुराने कर्मियों की लगातार उपेक्षा हो रही है। इससे कर्मचारियों में भारी नाराजगी व्याप्त है। कर्मचारियों ने स्पष्ट शब्दों में कहा, हम वर्षों से ईमानदारी से सेवा दे रहे हैं, लेकिन आज तक हमारे नाम का सिजरा तक नहीं खोला गया, जो हमारे साथ सीधा अन्याय है। अपनी मांगों को लेकर दर्जनों कर्मचारी चीनी मिल गेट पर एकत्र हुए और धरना प्रदर्शन किया। इस दौरान सुपरवाइजर देवेंद्र कुमार, पवन कुमार, टोल लिपिक अजय कुमार, महेंद्र दीक्षित, नवनीत कुमार, अशफाक मोहम्मद, आदेश कुमार, इश्तियाक हुसैन, दीपक कुमार, सर्वेश कुमार सहित कई कर्मचारी मौजूद रहे धरने में शामिल प्रमुख कर्मचारियों में महेश कुमार, अजय कुमार, संजीव कुमार, अशोक गौतम, ओमेश कुमार, दीपक कुमार, संदीप कुमार, मनोज कुमार, शैलेन्द्र कुमार, राकेश कुमार, विनोद कुमार, पवन कुमार, राजेश कुमार, धर्मेंद्र कुमार, जितेंद्र कुमार, अनिल कुमार, सुनील कुमार, मुकेश कुमार, संतोष कुमार, रवि कुमार, प्रमोद कुमार, अरविंद कुमार, गोपाल कुमार, नीरज कुमार, विकास कुमार, चंद्रभान कुमार, राजीव कुमार, सुरेश कुमार, अमर कुमार, बृजेश कुमार आदि शामिल हैं।

कर्मचारियों ने मांग की है कि सभी पात्र कर्मचारियों का सिजरा तत्काल खोला जाए, उनकी सेवा अवधि को मान्यता दी जाए तथा लंबित भुगतान और अन्य सुविधाएं शीघ्र प्रदान की जाएं साथ ही चेतावनी दी गई है कि यदि उनकी मांगों पर जल्द कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई, तो वे आंदोलन को और तेज करने के लिए बाध्य होंगे।

मरम्मत के नाम पर बना 'मौत का कुआं': विकास चौराहे पर 10 दिन से बह रहा लाखों लीटर पानी

- पालिका की लापरवाही से रिसाव बढ़ा, खुटार रोड पर खुले गड्ढे से हादसे का खतरा

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। सरकार जहां 'जल है तो कल है' का संदेश देकर जल संरक्षण पर करोड़ों रुपये खर्च कर रही है, वहीं गोला नगर पालिका की लापरवाही इन दावों की पोल खोलती नजर आ रही है। नगर के व्यस्ततम विकास चौराहा स्थित पलिया बस अड्डा, खुटार रोड पर पिछले 10 दिनों से मुख्य पेयजल पाइपलाइन फटी पड़ी है, जिससे लाखों लीटर पानी सड़कों पर बहकर बर्बाद हो रहा है। मामला मीडिया में आने के बाद रविवार को पालिका कर्मचारी मौके पर पहुंचे और मरम्मत के नाम पर सड़क खोद डाली। लेकिन पाइपलाइन दुरुस्त करने के बजाय रिसाव और तेज हो गया। अब पानी पहले से अधिक तेज धार में बह रहा है, जिससे जल बर्बादी और बढ़ गई है। मरम्मत के नाम पर खोदा गया गड्ढा अब राहगीरों और वाहन चालकों के लिए 'मौत का कुआं' बन गया है। खुटार रोड अत्यधिक व्यस्त मार्ग होने के कारण यहां हर समय दुर्घटना की आशंका बनी हुई है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि पालिका की लापरवाही से समस्या सुलझने के बजाय और गंभीर हो गई है। सड़क पर बहते पानी और बीच सड़क पर खुले असुरक्षित गड्ढे को लेकर लोगों में भारी आक्रोश है। नागरिक सवाल उठा रहे हैं कि क्या नगर पालिका के पास सक्षम तकनीकी टीम का अभाव है या फिर अधिकारी किसी बड़े हादसे का इंतजार कर रहे हैं।

एक राहगीर ने नाराजगी जताते हुए कहा, पहले सिर्फ पानी बह रहा था, अब सड़क पर मौत का गड्ढा भी बना दिया गया है। फिलहाल जिम्मेदार अधिकारियों की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है, जिससे जल संरक्षण के दावे और जन सुरक्षा दोनों पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं।

पत्रकारों के सम्मान से समझौता नहीं: अभद्रता पर कड़ा जवाब देगा ऐप्जा : अनुराग सारथी

- फूलबेहड़ में हुई बैठक में एकजुटता पर जोर, पत्रकारों के अधिकारों की रक्षा का लिया संकल्प

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

फूलबेहड़ खीरी। ऑल इंडियन प्रेस जर्नलिस्ट एसोसिएशन (एआईपीजेए) की एक सशक्त एवं ऊर्जा से भरपूर बैठक सोमवार को फूलबेहड़ ब्लॉक सभागार में आयोजित की गई। बैठक में पत्रकारों की एकता, सम्मान और अधिकारों को लेकर अहम रणनीति तैयार की गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में संगठन के चीफ कोऑर्डिनेटर अनुराग सारथी मौजूद रहे, जबकि बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष संदीप शुक्ला ने की। बैठक को संबोधित करते हुए अनुराग सारथी ने स्पष्ट और सख्त लहजे में कहा कि संगठन से जुड़े किसी भी पत्रकार के साथ अभद्रता, उत्पीड़न या अन्याय किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यदि किसी पत्रकार के सम्मान पर आंच आती है, तो पूरा संगठन एकजुट होकर मजबूती से जवाब देगा। उन्होंने संगठन की ताकत पर जोर देते हुए कहा कि ऐप्जा की असली शक्ति उसकी एकता और सक्रियता में निहित है। यदि सभी पत्रकार संगठित रहें, तो कोई भी ताकत उनके अधिकारों का हनन नहीं कर सकती।

बैठक में संगठन को और अधिक मजबूत, सक्रिय और प्रभावी बनाने पर विशेष चर्चा की गई। इस दौरान उपस्थित सभी पत्रकारों ने एकजुट होकर संकल्प लिया कि किसी एक पत्रकार की समस्या, पूरे ऐप्जा परिवार की समस्या मानी जाएगी और उसका समाधान सामूहिक रूप से किया जाएगा। बैठक में फूलबेहड़ ब्लॉक अध्यक्ष सिरताज अली, उपाध्यक्ष अमित तिवारी, महासचिव मो. रिजवान, महामंत्री सलमान खान, संगठन मंत्री पंकज शर्मा सहित अमित शुक्ला, जसवंत कुमार, मोहम्मद आलम, अनिल कुमार, नंदेश कुमार, संतोष तिवारी, मुशीर अहमद, तलहा, विमलेश कुमार, प्रमोद कुमार व रहमत अली समेत दर्जनों पत्रकार मौजूद रहे।

स्नातक एमएलसी चुनाव को लेकर सपा कार्यकर्ताओं की बैठक, एकजुट होकर प्रत्याशी को जिताने का आह्वान

पलियाकला खीरी। नगर स्थित नई मछली मंडी कार्यालय में समाजवादी पार्टी के जिला अध्यक्ष रामपाल यादव की अध्यक्षता में स्नातक एमएलसी चुनाव को लेकर कार्यकर्ताओं की बैठक आयोजित की गई। बैठक को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष ने कहा कि आगामी स्नातक एमएलसी चुनाव में पार्टी प्रत्याशी की जीत सुनिश्चित करने के लिए सभी कार्यकर्ता एकजुट होकर पूरी ताकत से कार्य करें। उन्होंने विश्वास जताया कि इस चुनाव में पार्टी प्रत्याशी की जीत तय है और यहीं से आगामी विधानसभा चुनाव का मार्ग प्रशस्त होगा। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे एक लक्ष्य के साथ कार्य करें और पार्टी के राष्ट्रीय नेतृत्व को मजबूत बनाएं।बैठक में सपा नेता रिसाल अहमद ने कहा कि विधानसभा स्तर पर क्षेत्रीय समस्याओं को प्रमुखता से उठाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों की अपेक्षा के कारण पलिया क्षेत्र विकास में पिछड़ गया है और जब तक समाजवादी पार्टी की सरकार नहीं बनती, तब तक क्षेत्र का समुचित विकास संभव नहीं है।

बहुआयामी संस्था के तत्वावधान में निःशुल्क मोतियाबिंद जांच शिविर संपन्न

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बेहजम खीरी। ब्लॉक बेहजम के अंतर्गत ग्राम पंचायत टेड़वा स्थित पंचायत भवन में बहुआयामी संस्था की अध्यक्षता में डॉ. श्रॉफ चैरिटी आई हॉस्पिटल द्वारा निःशुल्क नेत्र शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में विशेष रूप से मोतियाबिंद जांच के साथ-साथ आंखों से संबंधित विभिन्न रोगों की जांच की गई। शिविर के दौरान मरीजों की आंखों का लाल होना, मोतियाबिंद, सूजन, जलन सहित अन्य समस्याओं की जांच कर विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा उचित परामर्श दिया गया। साथ ही लोगों को आंखों की देखभाल और बीमारियों से बचाव के लिए आवश्यक सावधानियों की जानकारी भी दी गई। जांच के दौरान राजश्री, अर्जुन लाल, लॉन्गश्री, संदीप कुमार, सावित्री देवी सहित कई मरीजों का परीक्षण किया गया। जिन मरीजों में ऑपरेशन की आवश्यकता पाई गई, उन्हें अस्पताल भेजने की व्यवस्था भी निःशुल्क उपलब्ध कराई गई। अस्पताल की ओर से मरीजों के आने-जाने, सर्जरी, लेंस, दवाइयां एवं चश्मा आदि सभी सुविधाएं निःशुल्क प्रदान की जाएंगी

इस अवसर पर डॉ. एकांश मिश्र, कोऑर्डिनेटर समीर अली, शोभित दीक्षित, विमल कुमार, मुस्कान शर्मा, अंशिका, खुशनूर, रीता सहित चिकित्सा टीम द्वारा सेवाएं दी गईं। शिविर में परवेज आलम, युवराज मिश्रा, मो. अनस सहित क्षेत्र के कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

वरिष्ठ कांग्रेस नेता मोहसिना किदवई के निधन पर शोक सभा आयोजित

लखीमपुर खीरी। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की जिला कांग्रेस कमेटी लखीमपुर के अध्यक्ष प्रहलाद पटेल के नेतृत्व में भारत भूषण कॉलोनी, गोला में शोक सभा का आयोजन किया गया। इस दौरान वरिष्ठ कांग्रेस नेता मोहसिना किदवई के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए पुष्प अर्पित किए तथा दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर रामकुमार वर्मा (महासचिव, पिछड़ा वर्ग विभाग), जिला प्रवक्ता अमित गुप्ता, प्रेम कुमार वर्मा, राकेश विश्वकर्मा, सतीश चंद्र मिश्रा, करनजीत सिंह, दौलत राम लोधी, पंकज पटेल, हिमांशु, करण सिंह, सगीर अहमद, नन्हें श्रीवास्तव, योगेंद्र विक्रम सिंह सहित दो दर्जन से अधिक कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

नेशनल योगासन प्रतियोगिता में खुशी ने दो पदक जीतकर जनपद का बढ़ाया मान

गोला गोकर्णनाथ खीरी। अयोध्या में आयोजित दो दिवसीय नेशनल योगासन प्रतियोगिता में जनपद की प्रतिभाशाली छात्रा खुशी मित्तल ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए दो पदक अपने नाम किए। देशभर से आए 700 से अधिक प्रतिभागियों के बीच अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए खुशी ने क्षेत्र का नाम रोशन किया। योगासन स्पोर्ट्स फ़ेडरेशन द्वारा आयोजित इस प्रतियोगिता में खुशी ने 'पारंपरिक योगासन' श्रेणी में रजत पदक तथा 'कलात्मक एकल' (आर्टिस्टिक सोलो) वर्ग में कांस्य पदक प्राप्त किया। लोटस वैली इंटरनेशनल स्कूल की छात्रा खुशी ने अपनी सफलता का श्रेय अपनी कड़ी मेहनत और कोच सुश्री राखी सरकार के कुशल मार्गदर्शन को दिया। उनके पिता नोएडा स्थित बजाज एनर्जी में कार्यरत हैं खुशी की इस उपलब्धि पर क्षेत्र में हर्ष का माहौल है और लोगों ने उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

चैती मेले के पंडाल में प्रतिदिन दिए जा रहे नए-नए ईश्वरीय संदेश : ब्रह्माकुमारी सुनीता देवी

गोला गोकर्णनाथ खीरी। ऐतिहासिक चैती मेले में विगत कई वर्षों से अपनी सेवाएं जन-जन तक पहुंचा रही ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय द्वारा इस वर्ष भी आध्यात्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। मेले के उद्घाटन के साथ 16 मार्च को संस्था के शिविर का शुभारंभ जिला अधिकारी लखीमपुर खीरी, पुलिस अधीक्षक खीरी एवं नगर पालिका अध्यक्ष विजय शुक्ला 'रिंकू' की उपस्थिति में ब्रह्माकुमारी सुनीता देवी के करकमलों द्वारा किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य लोगों में ईश्वर के प्रति प्रेम, भक्ति और जीवन को सरल एवं सकारात्मक बनाने की प्रेरणा देना है। शिविर के माध्यम से आगंतुकों को प्रेरणादायक साहित्य भी निःशुल्क वितरित किया जा रहा है। ब्रह्माकुमारी सुनीता देवी ने बताया कि मेले में आने वाले सभी श्रद्धालुओं को प्रतिदिन नए-नए आध्यात्मिक संदेश दिए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि ब्रह्म के माध्यम से परमात्मा को जान लेना ही सच्ची भक्ति का मार्ग है इस अवसर पर माउंट आबू से पधारे विजय, राजेश, अमित व प्रीति (बीके लाला) ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए आध्यात्मिक जीवन की महत्ता पर प्रकाश डाला।

शिक्षा के नाम पर लूट बंद हो! नहीं तो होगा आंदोलन : भाकियू

बाराबंकी। भारतीय किसान यूनियन जिला ईकाई द्वारा निजी बिद्यालयों के द्वारा शिक्षण शुल्क के नाम पर मनमानी वसूली,किताबें स्टेशनरी स्कूल यूनिफार्म अपने चहेते दुकानदारों के यहां खरीदवाने के लिए अविभावकों को मजबूर करना,स्कूल वाहनों का मनमाना किराया वसूला जाना,मानकों को दरकिनार कर एक ही परिसर में प्राथमिक,हाईस्कूल,इंटरमीडिएट तक कक्षाएं संचालित करना,शिक्षा का अधिकार अधिनियम के तहत 25%निर्धन छात्रों की वर्तमान शिक्षा सत्र की सूची दिलाए जाने सहित 9मांगों का ज्ञापन बेसिक शिक्षा अधिकारी बाराबंकी को दिया गया। इस ज्ञापन के माध्यम से निजी विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों कर्मचारियों का वेतन का भुगतान आन लाइन उनके बैंक खातों में कराए जाने व छात्रों की फीस सीधे विद्यालय के खाते में जमा कराए जाने की प्रमुख मांग को भी रखा गया है।

स्मार्ट मीटर हटाने की मांग को लेकर व्यापार मंडल ने सौंपा ज्ञापन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल गोला इकाई द्वारा कार्यपालक अभियंता विद्युत वितरण खंड को जिला महासचिव दुर्गेश सोनी व जिला उपाध्यक्ष अमित त्रिपाठी के नेतृत्व में सैकड़ों व्यापारियों और उपभोक्ताओं ने चार सूत्रीय ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में प्रमुख रूप से क्षेत्र में लगाए जा रहे स्मार्ट पोस्टपेड मीटरों का विरोध किया गया। व्यापार मंडल का कहना है कि पोलराइज्ड कंपनी द्वारा लगाए जा रहे इन मीटरों को लेकर उपभोक्ताओं में असंतोष है। साथ ही उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि कुछ राज्यों में ऐसे मीटरों पर प्रतिबंध लगाए जाने के उदाहरण सामने आए हैं।

इसके अलावा संगठन ने बिजली बिल संशोधन हेतु प्रस्तावित शिविर को स्थानीय स्तर पर आयोजित कराने की मांग की, ताकि उपभोक्ताओं को राहत मिल सके। व्यापारियों ने सदर चौराहे पर झूल रहे नंगे बिजली के तारों को भी गंभीर खतरा बताते हुए तत्काल सुधार की मांग उठाई। संगठन ने पुराने मीटर पुनः लगाए जाने की मांग करते हुए चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई तो वे आंदोलन और धरना-प्रदर्शन के लिए बाध्य होंगे।

इस दौरान अफरोज खान, गौरव वर्मा, रोमी गुप्ता, शिव गोपाल मिश्रा, शांति देवी, अनुराधा बंसल, कुंती मिश्रा, अतुल राजपूत, अनुज श्रीवास्तव, शिव शर्मा, विपिन गुप्ता, विक्रम गिरी, प्रधान जैसलमेर, लाल वर्मा, नवनीत शुक्ला, कृष्ण कुमार वर्मा, सौरभ पुरवार, कमाल अहमद, रिजवान खान सहित बड़ी संख्या में व्यापारी एवं उपभोक्ता मौजूद रहे।

युवराज दत्त महाविद्यालय में आंबेडकर जयंती की पूर्व संध्या पर संगोष्ठी

अज़ान खीरी। डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती की पूर्व संध्या पर युवराज दत्त स्नातकोत्तर महाविद्यालय में सोमवार को एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के संस्थापक राजा युवराज दत्त सिंह एवं बाबा साहेब के चित्र पर माल्यार्पण के साथ हुआ। दर्शनशास्त्र विभागाध्यक्ष प्रो. सुभाष चन्द्रा ने विषय प्रवर्तन करते हुए कहा कि डॉ. आंबेडकर केवल दलितों और पिछड़ों के ही नहीं, बल्कि संपूर्ण समाज के उत्थान के लिए आजीवन प्रयासरत रहे। उन्होंने ह्लशिक्षित बनो, संगठित रहो, संघर्ष करोङ्क का संदेश देकर समाज को नई दिशा प्रदान की। मुख्य अतिथि लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रो. सौरभ कुमार सिंह ने डॉ. आंबेडकर को बहुआयामी व्यक्तित्व बताते हुए कहा कि वे एक उत्कृष्ट विधिवेत्ता, अर्थशास्त्री और सक्रिय राजनेता थे, जिन्होंने अपना जीवन समाज सेवा को समर्पित किया।

माँ की सेवा में ही जन्नत है : ठाकुर राजा रईस

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। अंसार इंटर कॉलेज में आयोजित होली-ईद मिलन समारोह उस समय भावुक और प्रेरणादायी बन गया, जब मुख्य वक्ता ठाकुर राजा रईस ने मानवता, पारिवारिक मूल्यों और रिश्तों की अहमियत पर अपने विचार व्यक्त किए। अपने ओजस्वी संबोधन में उन्होंने कहा कि इंसान चाहे कितनी भी इबादत कर ले, लेकिन सच्ची कामयाबी और जन्नत माँ की निस्वार्थ सेवा से ही मिलती है। उनके इस भावुक संदेश पर पूरा प्रांगण तालियों की गड़गड़ाहट से गूँज उठा। उन्होंने युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि त्योहारों की असली खुशी अपनों के साथ रहने और बड़ों के सम्मान में निहित है। कार्यक्रम में सांप्रदायिक सौहार्द की अनूठी मिसाल भी देखने को मिली। दिल्ली से आए हिंदुस्तान फर्स्ट, हिंदुस्तान बेस्ट के राष्ट्रीय संयोजक प्रो. इमरान चौधरी, राष्ट्रीय संयोजक सिराज कुरैशी, मदरसा व उलेमा प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय संयोजक मजाहिर खान, सुन्नी सोशल फोरम के प्रदेश अध्यक्ष व मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के प्रांत संयोजक शेर अली खान, सरदार गुरविंदर सिंह एवं धवन दीक्षित ने भी अपने विचार रखे। सभी वक्ताओं ने एक स्वर में कहा कि यह धरती हमेशा से अमन और भाईचारे का संदेश देती रही है आयोजक शाहनवाज़ खान ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम की सफलता में दर्जनों कार्यकर्ताओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

वीज़ा और एचडीएफसी बैंक भारतीय फ़ैन्स को 'फीफा वर्ल्ड कप 2026' के ला रहे हैं और करीब

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- 'फीफा वर्ल्ड कप 2026' का लिमिटेड-एडिशन पिक्सल क्रेडिट कार्ड और पूरे देश में 'स्पेंड एंड विन' कैंपेन, फ़ैन्स के लिए खास अनुभव पाने का मौका

मुंबई। वीज़ा (एनवाईएसई :वी), जो डिजिटल पेमेंट्स में दुनिया की जानी-मानी कंपनी है और फीफा की ऑफ़िशियल पार्टनर भी है, ने आज भारत के सबसे बड़े प्राइवेट बैंक, एचडीएफसी बैंक के साथ 'फीफा वर्ल्ड कप 2026' के लिए अपनी पार्टनरशिप का ऐलान किया। इस पार्टनरशिप के तहत वीज़ा और एचडीएफसी बैंक ने 'फीफा वर्ल्ड कप 2026' का एक लिमिटेड-एडिशन 'वीज़ा पिक्सल क्रेडिट कार्ड' लॉन्च किया है। इसके साथ ही, पूरे देश में एक खास 'स्पेंड एंड विन' कैंपेन भी शुरू किया गया है, जिससे भारतीय कस्टमर्स दुनिया के सबसे ज़्यादा इंतज़ार किए जाने वाले ग्लोबल स्पोर्ट्स इवेंट के और करीब आ सकेंगे। मुंबई में एक शानदार लॉन्च इवेंट में इस ऐलान का जश्न मनाया गया। इस इवेंट में दुनिया भर में मशहूर फ़ुटबॉल स्टार माइकल ओवेन भी मौजूद थे, जिन्होंने 'फीफा वर्ल्ड कप 2026' के रोमांच, बड़े पैमाने और ग्लोबल रुतबे को और भी खास बना दिया।

'फीफा वर्ल्ड कप 2026' का यह इकलौता लिमिटेड-एडिशन वीज़ा - पिक्सल क्रेडिट कार्ड, जो एचडीएफसी बैंक का डिजिटल-फ़र्स्ट और ऐप-बेस्ड क्रेडिट कार्ड है, आज के डिजिटल ज़माने के कस्टमर्स के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह कार्ड तुरंत जारी हो जाता है, इसमें अपनी पसंद के हिसाब से बदलाव किए जा सकते हैं और डिजिटल पेमेंट्स भी बिना किसी रुकावट के हो जाते हैं। फीफा की थीम वाला यह कार्ड 11 अप्रैल से एचडीएफसी बैंक के मौजूदा पिक्सल प्ले कस्टमर्स के साथ-साथ पिक्सल प्ले के नए आवेदकों के लिए भी उपलब्ध होगा।

एचडीएफसी बैंक के पेमेंट पोर्टफोलियो में फीफा की साझेदारी - यह ऐतिहासिक साझेदारी अब एचडीएफसी बैंक के ग्राहकों को, उनके सभी कार्ड पोर्टफोलियो, जिनमें क्रेडिट कार्ड, डेबिट कार्ड और बिज़नेस कार्ड शामिल हैं, के ज़रिए 'फीफा वर्ल्ड कप 2026' का मैच लाइव देखने का मौका देती है।

फीफा के साथ वीज़ा की लंबे समय से चली आ रही वैश्विक साझेदारी और वीज़ा के सुरक्षित, हर जगह स्वीकार किए जाने वाले पेमेंट नेटवर्क द्वारा समर्थित, यह पहल रोज़मर्रा के पेमेंट्स को फुटबॉल के यादगार अनुभवों में बदल देती है।

'खर्च करें और जीतें' (स्पेंड एंड विन) कैंपेन फीफा के ऐसे इनाम जो जीवन में एक बार ही मिलते हैं -इस साझेदारी का मुख्य आकर्षण एक खास 'खर्च करें और जीतें' (स्पेंड एंड विन) कैंपेन है। यह कैंपेन एचडीएफसी बैंक के कार्ड पोर्टफोलियो,जिसमें क्रेडिट कार्ड, डेबिट कार्ड, बिज़नेस कार्ड और फॉरेक्स प्रीपेड कार्ड शामिल हैं, के लिए चलाया जा रहा है। इस कैंपेन के तहत, तय शर्तों के अनुसार खर्च करने पर ग्राहकों को कई शानदार इनाम जीतने का मौका मिलता है; इन इनामों में 'फीफा वर्ल्ड कप 2026' के मैच पैकेज, फीफा-थीम वाले स्टेकेशन, फीफा का आधिकारिक मर्चेंडाइज़, और शॉपिंग व लाइफस्टाइल वाउचर शामिल हैं। यह कैंपेन फुटबॉल प्रशंसकों को सिर्फ़ मैच के दिनों तक ही सीमित न रखते हुए, टूर्नामेंट के साथ और भी गहरे स्तर पर जुड़ने का अवसर देता है, जिसके ज़रिए फुटबॉल के प्रति उनके जुनून को रोज़मर्रा के खर्चों और डिजिटल पेमेंट्स के साथ जोड़ा जाता है।

एचडीएफसी बैंक के ग्रुप हेड, ब्रांच बैंकिंग, पेमेंट्स, ट्रेजरी, लायबिलिटी प्रोडक्ट्स, मार्केटिंग, वर्चुअल चैनल्स और इंफ्रास्ट्रक्चर- आशीष पार्थसारथी ने कहा, ह्लभारत के सबसे बड़े क्रेडिट कार्ड जारीकर्ता के तौर पर, हमें वीज़ा के साथ साझेदारी करके लाखों ग्राहकों के लिए फीफा वर्ल्ड कप का रोमांच और डिजिटल पेमेंट्स की आसान सुविधा एक साथ लाने में खुशी हो रही है। इस सहयोग के ज़रिए, हम खास सुविधाओं और अपने खास तौर पर बनाए गए लिमिटेड-एडिशन एचडीएफसी बैंक पिक्सल प्ले क्रेडिट कार्ड के साथ प्रशंसकों के अनुभव को और बेहतर बना रहे हैं। हम अपने कार्डधारकों को टूर्नामेंट से जुड़ने, फुटबॉल के प्रति अपने जुनून का जश्न मनाने और 'फीफा वर्ल्ड कप- 2026' के दौरान बेहतरीन फ़ायदों का आनंद लेने के बेजोड़ अवसर देने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

इस लॉन्च पर टिप्पणी करते हुए, वीज़ा इंडिया के कंट्री मैनेजर, ऋषि छाबड़ा ने कहा, ह्ल फीफा के साथ वीज़ा की लंबे समय से चली आ रही वैश्विक साझेदारी के साथ, हमें 'फीफा वर्ल्ड कप 2026'' का रोमांच पूरे भारत में प्रशंसकों तक एक सच्चे समावेशी तरीके से पहुँचाने पर गर्व है। एचडीएफसी बैंक के साथ हमारा राष्ट्रव्यापी सहयोग रोज़मर्रा के भुगतानों को सभी कार्ड पोर्टफोलियो में असाधारण वैश्विक अनुभवों के लिए पहुँच के बिंदुओं में बदल देता है। इसका उद्देश्य दुनिया के सबसे बड़े खेल आयोजनों को भारतीय उपभोक्ताओं के लिए अधिक सुलभ, सुरक्षित और फायदेमंद बनाना है।ङ्क

फीफा वर्ल्ड कप को स्टेडियम से बाहर लाना - इस टूर्नामेंट का सबसे बड़ा और सबसे समावेशी संस्करण बनने जा रहा, 'फीफा वर्ल्ड कप 2026' दुनिया भर में सबसे ज़्यादा देखे जाने वाले खेल आयोजनों में से एक होने की उम्मीद है। इस पहल के माध्यम से, वीज़ा और एचडीएफसी बैंक नवाचार, उपभोक्ता जुड़ाव और खेल-आधारित अनुभवों के प्रति अपनी साझा प्रतिबद्धता को मज़बूत करते हैं, जिससे वैश्विक खेल, डिजिटल भुगतान और जीवनशैली पुरस्कारों के संगम पर उनका नेतृत्व और सुदृढ़ होता है। साथ मिलकर, वीज़ा और एचडीएफसी बैंक यह फिर से परिभाषित कर रहे हैं कि भारतीय प्रशंसक 'फीफा वर्ल्ड कप 2026' का अनुभव कैसे करते हैं, उन्हें खेल, उसकी शान और उन पलों के और करीब ला रहे हैं जो सबसे ज़्यादा मायने रखते हैं। कहाँ अप्लाई करें -मौजूदा पिक्सल प्ले ग्राहक - पिक्सल ऐप 'पेजैप' के ज़रिए। नए आवेदक - पेजैप डाउनलोड करके या एचडीएफसी बैंक की वेबसाइट के ज़रिए।

जीत के लिए बेताब केकेआर पर दबदबा बनाने की कोशिश करेगा सीएसके

एजेंसी

चेन्नई। पिछले मैच में जीत से उत्साहित चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की टीम मंगलवार को यहां होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मैच में अब तक एक भी मैच नहीं जीतने वाली कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की टीम के खिलाफ दबदबा बनाने की कोशिश करेगी। सीएसके ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ खेल के हर विभाग में अच्छा प्रदर्शन करके सत्र की अपनी पहली जीत दर्ज की। उसकी इस जीत के नायक संजू सैमसन रहे जिन्होंने 56 गेंद पर नाबाद 115 रन की पारी खेली। इसके बाद उसके गेंदबाजों ने भी अच्छा प्रदर्शन किया। डेवाल्ड ब्रेविस के फिट होकर वापसी करने से सीएसके को अपने गेंदबाजी संयोजन में बदलाव करने की छूट मिली जिससे वह दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 212 रन का बचाव करने में सफल रही। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज गुरजपनीत सिंह ने अपने आईपीएल पदार्पण पर प्रभावित किया। उन्होंने अपनी अतिरिक्त उछाल से बल्लेबाजों को चौंकाया। जेमी ओवरटन ने भी शानदार प्रदर्शन किया और लगातार अच्छी गेंदबाजी करते हुए चार विकेट लिए। सत्र का अपना पहला मैच खेल रहे बाएं हाथ के स्पिनर अकील हुसैन ने पावरप्ले में सीएसके के गेंदबाजी आक्रमण को एक और आयाम प्रदान किया। बल्लेबाजी की बात करें तो सैमसन सीएसके के लिए अपने पदार्पण सत्र में आखिर रन बनाने में सफल रहे। उन्होंने पहले छह ओवर में ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करके अपना असली रंग दिखाया। सीएसके के लिए हालांकि कप्तान रुतुराज गायकवाड़ की फॉर्म चिंता का विषय बनी हुई है। वह संघर्ष कर रही केकेआर के खिलाफ एक बड़ी पारी खेलकर लय हासिल करने की कोशिश करेंगे। टूर्नामेंट की शुरुआत में यह घोषणा की गई थी कि महेंद्र सिंह धोनी पिंडली में खिंचाव के कारण कुछ हफ्तों के लिए बाहर रहेंगे। पिछले मैच में गायकवाड़ ने संकेत दिया था कि यह स्टार विकेटकीपर बल्लेबाज जल्द वापसी करेगा। दूसरी ओर केकेआर जीत के लिए बेताब है। लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के खिलाफ वह लगभग जीत के करीब पहुंच गया था, लेकिन मुकुल चौधरी की शानदार पारी ने अजिंक्य रहाणे और उनकी टीम को पहली जीत से वंचित कर दिया। कैमरन ग्रीन ने पिछले मैच में केकेआर के लिए गेंदबाजी की। यह ऑलराउंडर चेपॉक में शानदार प्रदर्शन करके अपनी मोटी कीमत को सही साबित करने की कोशिश करेगा। इसी तरह रिंकू सिंह मध्य क्रम में रन बनाने के लिए बेताब हैं और मंगलवार का दिन उनके लिए खास हो सकता है।

मास्टर्स 2026: रॉरी मैकइलरॉय की ऐतिहासिक जीत, लगातार दूसरी बार बने चैंपियन

एजेंसी

ऑगस्टा। रॉरी मैकइलरॉय ने शानदार जुझारूपन का प्रदर्शन करते हुए मास्टर्स 2026 का खिताब अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ उन्होंने लगातार दूसरी बार यह प्रतिष्ठित टूर्नामेंट जीता और टाइगर वुड्स के बाद ऐसा करने वाले चुनिंदा खिलाड़ियों में शामिल हो गए। यह उनके करियर का छठा मेजर खिताब है। विश्व नंबर-2 मैकइलरॉय की शुरुआत चुनौतीपूर्ण रही। उन्होंने चौथे होल पर डबल बोगी और छठे होल पर बोगी कर दी, लेकिन इसके बाद जबरदस्त वापसी करते हुए अगले सात होल में चार बर्डी लगाईं। अंतिम दौर में एक अंडर पार 71 का स्कोर बनाकर उन्होंने कुल 12 अंडर पार 276 के साथ खिताब जीता। उन्होंने विश्व नंबर-1 स्कॉटी शेफलर को एक स्ट्रोक से हराया। शेफलर ने 68 का शानदार राउंड खेला और कुल 277 के स्कोर के साथ दूसरे स्थान पर रहे। पिछले वर्ष प्लेऑफ में जीत दर्ज करने वाले मैकइलरॉय ने इस बार शुरू से अंत तक बढ़त बनाए रखी। उन्होंने कहा कि एक ग्रीन जैकेट के लिए 17 साल का इंतजार करना पड़ा, लेकिन अब लगातार दो जीत मिलना उनके लिए बेहद खास है। टूर्नामेंट के चेयरमैन फ्रेड रिडले ने उन्हें ग्रीन जैकेट पहनाई। मैकइलरॉय ने पहले दो दिन में ही मजबूत बढ़त बना ली थी और सप्ताहांत में संयमित खेल दिखाते हुए जीत सुनिश्चित की। अंतिम होल पर उनका शॉट पेड़ों के पार चला गया, लेकिन दबाव में शानदार वापसी करते हुए उन्होंने बंकर से गेंद निकालकर दो पुट में बोगी के साथ जीत हासिल की। तीसरे स्थान पर टाइरेल हैटन, जस्टिन रोज, रसेल हेनले और कैमरन यंग संयुक्त रूप से 278 के स्कोर के साथ रहे। जीत के बाद मैकइलरॉय ने अपनी बेटी और पत्नी को गले लगाकर खुशी जाहिर की। यह उनके करियर के सबसे भावुक पलों में से एक रहा।

संक्षिप्त समाचार

बुमराह के चार ओवरों से आगे के बारे में भी सोचे मुंबई इंडियंस: डुप्लेसी

मुंबई। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान फाफ डुप्लेसी ने कहा कि अगर मुंबई इंडियंस को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में निरंतरता हासिल करनी है तो उसे गेंदबाजी विभाग में जसप्रीत बुमराह पर अपनी अत्यधिक निर्भरता कम करनी होगी। मुंबई इंडियंस हमेशा धीमी शुरुआत करता है। इस बार उसने टूर्नामेंट का पहला मैच जीता लेकिन इसके बाद वह लगातार तीन मैच हार चुका है। रविवार को यहां खेले गए मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने उसके खिलाफ चार विकेट पर 240 रन बनाए। इसके जवाब में मुंबई इंडियंस की टीम पांच विकेट पर 222 रन ही बना पाई। तेज गेंदबाज बुमराह उसके लिए तुरुप का इक्का हैं, लेकिन चार मैचों में उन्हें अभी तक एक भी विकेट नहीं मिला है। डुप्लेसी का मानना ??है कि मुंबई इंडियंस को बुमराह के चार ओवरों से आगे के बारे में सोचना होगा और साथ ही अपने इस तेज गेंदबाज का विवेकपूर्ण उपयोग करना होगा। डुप्लेसी ने स्टार स्पोर्ट्स से कहा, ''विशेषकर बड़े स्कोर वाले मैच में आपको यह आकलन करना होगा कि बुमराह के चार ओवरों को छोड़कर बाकी गेंदबाज कितना रन दे रहे हैं। बुमराह आमतौर पर बहुत किफायती होते हैं। मुंबई इंडियंस को इस समस्या का समाधान करना होगा। उन्होंने कहा, 'मुंबई इंडियंस को बुमराह का महत्वपूर्ण मौकों पर उपयोग करके उनकी क्षमता का पूरा फायदा उठाना होगा, लेकिन मजबूत बल्लेबाजी लाइनअप के दबदबे को देखते हुए यह आसान नहीं होगा। उन्हें अपनी रणनीति पर फिर से विचार करना होगा। भारत के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर का मानना ??है कि मुंबई इंडियंस को बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों विभाग में पावरप्ले में सुधार करने की जरूरत है। गावस्कर ने कहा, ''जीत के लिए जरूरी रन रेट के साथ बने रहने के लिए उन्हें पावरप्ले में कम से कम 12 रन और बनाने थे, लेकिन वे ऐसा नहीं कर पाए। स्ट्राइक रोटेट करने के बावजूद जीत के लिए जरूरी रन रेट बढ़ता ही रहा। यह एक ऐसा क्षेत्र है जिस पर उन्हें ध्यान देने की जरूरत है।

आईजीपीएल की टीम प्रतियोगिता में फीनिक्स हैदराबाद ने जीत हासिल की

पोर्ट लुई (मॉरीशस)। सचिन बैसोया की अगुवाई वाली फीनिक्स हैदराबाद ने यहां लिएंडर पेस की मेजबानी में आयोजित आईजीपीएल इनविटेशनल 2026 मॉरीशस गोल्फ टूर्नामेंट में टीम प्रतियोगिता में जीत हासिल की। बैसोया ने तीन दिनों में 67-71-67 का स्कोर बनाया। इस 30 वर्षीय खिलाड़ी के शानदार प्रदर्शन से फीनिक्स ने मुंबई अत्री और आरवीआर दिल्ली को पीछे छोड़कर शीर्ष स्थान हासिल किया। व्यक्तिगत स्ट्रोक प्ले का खिताब फीनिक्स के बैसोया को मिला, जबकि गोल्फकनेक्ट बैंगलोर की तरफ से खेल रहे युवा खिलाड़ी वीर गणपति दूसरे स्थान पर रहे। फीनिक्स ने तीन दिनों में 14 अंडर का स्कोर बनाकर अत्री को पीछे छोड़ा, जिसका स्कोर 13 अंडर रहा। आरवीआर दिल्ली का कुल स्कोर 12 अंडर रहा। फीनिक्स ने इस तरह से 100 अंक, अत्री ने 90 और आरवीआर ने 80 अंक हासिल किए। आईजीपीएल इनविटेशनल के सभी अंकों को सत्र के आखिर में जोड़कर टीम चैंपियन का खिताब दिया जाएगा। फीनिक्स की टीम में बैसोया, राघव चुघ, रणजीत सिंह और अर्जुन भाटी, अत्री की टीम में ओलंपियन उदयन माने, विपुल अमन राज, आदिल बेदी और तुषार पन्नू तथा आरवीआर दिल्ली की टीम में शिव कपूर, चिराग कुमार, आर्यन रूपा आनंद और गौरव घई शामिल थे।

स्टॉक मार्केट में एमियाक टेक्नोलॉजीज की प्रीमियम एंट्री, मुनाफ़े में आईपीओ निवेशक

नई दिल्ली। डिजिटल मार्केट सॉल्यूशन का काम करने वाली कंपनी एमियाक टेक्नोलॉजीज लिमिटेड के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में प्रीमियम एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 98 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 10 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 107.80 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद लिवाली का जोर बन जाने के कारण ये शेयर उछल कर 11 रुपये के स्तर तक पहुंच गया। हालांकि बाद में मुनाफा वसूली शुरू हो जाने के कारण इसकी चाल में थोड़ी गिरावट भी आई। सुबह 10.23 बजे तक का कारोबार होने के बाद ये शेयर 109 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे थे। इस तरह अभी तक के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशक 11.22 प्रतिशत के फायदे में थे। एमियाक टेक्नोलॉजीज लिमिटेड का 31.75 करोड़ रुपये का आईपीओ 27 मार्च से 8 अप्रैल के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से एवरेज रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 3.22 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 1.02 गुना (एक्स एंकर) सब्सक्राइब हुआ था। वहीं नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 4.96 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 3.74 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फ़ेस वैल्यू वाले 32.40 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी कंप्यूटर और लैपटॉप की खरीदारी करने, ब्रांडिंग और मार्केटिंग करने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 39 लाख रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 84 लाख रुपये और वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 4.22 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। मौजूदा वित्त वर्ष की पहली छमाही यानी अप्रैल से 30 सितंबर 2025 तक कंपनी को 4.55 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हो चुका है।

2036 तक 5000 खिलाड़ियों को टॉप्स में लाने की योजना, पदक वाले खेलों पर फोकस : मांडविया

नयी दिल्ली। खेल मंत्रालय ने टारगेट ओलंपिक पोडियम (टॉप्स) में पदक जीतने वाले खेलों पर फोकस रखते हुए दस साल की पदक रणनीति तैयार करके 2036 ओलंपिक तक पांच हजार खिलाड़ियों को इस योजना में शामिल करने का लक्ष्य रखा है। खेलमंत्री मनसुख मांडविया सोमवार को यहां अनौपचारिक बातचीत में कहा ,'' टॉप्स पूल को मजबूत बनाने की जरूरत है और जिन खेलों में अधिक ओलंपिक पदक दाव पर हैं , उन पर फोकस किया जाना चाहिये । उन्होंने आगे कहा ,'' यह अध्ययन जरूरी है कि पदक जीतने के प्रयासों में कहां कमी रह जाती है और इसी के तहत पदक रणनीति तैयार की गई है । ऐसा नहीं होना चाहिये कि जिन खेलों में अधिक पदक नहीं है, उनके खिलाड़ी टॉप्स में ज्यादा संख्या में हैं और जहां पदक ज्यादा मिलने हैं, उनके खिलाड़ी नहीं हैं । मांडविया ने कहा ,'' मसलन ओलंपिक में एक्वाटिक्स में 165 पदक, साइकिलिंग में 66 और जिम्नास्टिक में 57 पदक दाव पर होते हैं जिनके खिलाड़ी टॉप्स में नहीं हैं।

मैं पहले से बाउंसर करने की योजना नहीं बनाता, लेकिन बल्लेबाजों से एक कदम आगे रहना चाहता हूं: क्रुणाल

एजेंसी

मुंबई। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के स्पिन गेंदबाजी ऑलराउंडर क्रुणाल पंड्या ने कहा कि वह बाउंसर करने के लिए पहले से योजना नहीं बनाते हैं, बल्कि बल्लेबाजों से एक कदम आगे रहने और उन पर हावी होने के लिए अपनी सहज भावना से इस गेंद का इस्तेमाल करते हैं। क्रुणाल ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ रविवार को यहां चार ओवर में 26 रन देकर एक विकेट लिया। आरसीबी ने इंडियन प्रीमियर लीग के इस मैच में मुंबई इंडियंस को 18 रन से हराया। आरसीबी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए चार विकेट पर 240 रन बनाए जिससे जवाब में मुंबई की टीम पांच विकेट पर 222 रन ही बना पाई। क्रुणाल ने मैच के बाद पत्रकारों से कहा ''मैंने कभी अलग-अलग और नई चीजें आजमाने से परहेज नहीं किया है क्योंकि इम्पैक्ट प्लेयर नियम के लागू होने से पहले नंबर छह या सात पर ऑलराउंडर होते थे और बल्लेबाजी का तरीका काफी अलग था। लेकिन अब नंबर आठ पर भी विशुद्ध बल्लेबाज आ रहे हैं। उन्होंने कहा, ''अगर कौशल की बात करें तो मुकुल (चौधरी) और वैभव (सूर्यवंशी) जैसे युवा खिलाड़ी पहली ही गेंद से लगातार अच्छे शॉट लगा रहे हैं। एक गेंदबाज के तौर पर मैं कौशल और मानसिक रूप से भी उनसे एक कदम आगे रहना चाहता हूं। क्रुणाल ने कहा, ''मुझे खुशी है कि मैं अच्छी तरह से इसे अंजाम दे रहा हूं। मुझे उम्मीद है कि इस प्रारूप में उंगलियों के स्पिनरों का महत्व बना रहेगा और वे इससे कुछ सीख लेकर अच्छा प्रदर्शन कर पाएंगे। क्योंकि सपाट पिचों और आठ बल्लेबाजों की मौजूदगी में उंगलियों स्पिनरों के लिए टीम में जगह बनाना बहुत मुश्किल हो गया है। क्रुणाल ने कहा कि वह अपनी शॉर्ट पिच गेंद को लेकर बहुत ज्यादा तैयारी नहीं करते हैं और इसके लिए खास योजना भी नहीं बनाते हैं। उन्होंने कहा, ''मैं अपने मन की बात सुनता हूं। मैं पहले से यह योजना नहीं बनाता कि मुझे चौथी, पांचवीं या छठी गेंद बाउंसर करनी है। कई बार ऐसा होता है कि मैं लगातार दो बाउंसर फेंकता हूं और अचानक पहली और छठी गेंद भी बाउंसर कर देता हूं। क्रुणाल ने कहा, ''लोग अक्सर मेरी बाउंसर और उन गेंदों के बारे में बहुत बातें करते हैं जो देखने में काफी अलग लगती हैं। लेकिन मैंने हमेशा अपनी गेंदबाजी की बुनियादी बातों पर काम किया है। विराट कोहली टखने में दर्द के कारण मुंबई इंडियंस के खिलाफ फील्डिंग करने के लिए नहीं उतरे लेकिन क्रुणाल ने कहा कि वह ठीक हो जाएंगे।

भारत ने यूएस ओपन पिकलबॉल चैंपियनशिप में दो और स्वर्ण पदक जीते

एजेंसी

नयी दिल्ली। अर्जुन सिंह और धीरेन पटेल ने फ्लोरिडा के नेपल्स में यूएस ओपन पिकलबॉल चैंपियनशिप में अपनी-अपनी एकल स्पर्धाओं में स्वर्ण पदक जीते। अर्जुन ने एश्टन पैटरसन को सीधे सेटों में 13-11, 11-6 हराकर पुरुष एकल 5.0 का खिताब जीता। धीरेन ने 40 प्लस प्रो पुरुष एकल वर्ग में जुआन अरेया की कड़ी चुनौती से पार पाकर 11-9, 3-11, 11-9 से जीत हासिल की। धीरेन इस श्रेणी में पहले भी यूएस ओपन जीत चुके हैं और उनका अनुभव फाइनल में काफी काम आया। उन्होंने कहा, ''यह सबसे कड़े मुकाबलों में से एक था लेकिन मैं अपनी रणनीति पर कायम रहा और स्वर्ण पदक जीतने में सफल रहा। इस श्रेणी में एक से अधिक बार खिताब जीतना खास है। भारत इस तरह से इस टूर्नामेंट में अब तक तीन स्वर्ण पदक जीत चुका है।

भारत में सात साल बाद ईरानी कच्चे तेल की वापसी, प्रमुख बंदरगाहों पर पहुंचे तेल टैंकर

एजेंसी

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया संकट एवं ईरानी बंदरगाहों की नाकेबंदी की घोषणा के बीच ईरानी कच्चा तेल लेकर आए दो बड़े टैंकर भारत के पूर्वी एवं पश्चिमी तट के बंदरगाहों पर पहुंच गए हैं, जो लगभग 7 वर्षों में ऐसी पहली आपूर्ति है। शिप ट्रैकिंग डेटा से यह जानकारी मिली है। शिप ट्रैकिंग की ओर से सोमवार को जारी डेटा के अनुसार ईरानी कच्चे तेल से भरा एक क्रूड ऑयल टैंकर ओडिशा के पारादीप बंदरगाह के पास पहुंचने के बाद एक और ईरानी तेल टैंकर गुजरात के सिक्का बंदरगाह के एंकरेज पर पहुंच गया है। इस जहाज में करीब 20 लाख बैरल कच्चा तेल लदा है, जिसे मार्च के मध्य में खार्ग द्वीप से लादा गया था। शिप ट्रैकिंग के मुताबिक यह तेल टैंकर लगभग सात वर्षों में भारतीय बंदरगाहों पर पहुंचने वाले ईरानी क्रूड के पहले कार्गो हैं। नेशनल ईरानियन टैंकर कंपनी द्वारा संचालित 'फ़ेलिसिटी' नामक एक बड़ा कच्चा तेल वाहक जहाज ने रविवार देर रात गुजरात तट के सिक्का के पास लंगर डाला। इस जहाज में करीब 20 लाख बैरल कच्चा तेल है, जिसे मार्च के मध्य में खार्ग द्वीप से लादा गया था। इसी समय के आसपास एक दूसरा तेल टैंकर, 'जया', ओडिशा के तट पर पारादीप के पास आकर रुका है। यह जहात भी लगभग उतनी ही मात्रा में कच्चा तेल ले जा रहा है, जिसे फरवरी के अंत में खर्ग द्वीप से लिया गया था। ये खेप पिछले महीने अमेरिका द्वारा दी गई सीमित प्रतिबंध छूट के बाद आई हैं, जिसके तहत पहले से ही रास्ते में मौजूद ईरानी तेल की बिक्री की अनुमति दी गई थी। कच्चे तेल का ये खेप लगभग सात साल में भारतीय तटों पर पहुंचने वाली ईरानी कच्चे तेल की पहली खेप हैं। यह अमेरिका द्वारा पिछले महीने जारी की गई प्रतिबंधों में छूट (सैंक्शन्स वेवर) के बाद संभव हुआ है। इस एक महीने की छूट ने उस ईरानी तेल की बिक्री की अनुमति दी जो पहले से ही रास्ते में था। इसका उद्देश्य ग्लोबल सप्लाई चेन में आई बाधाओं को कम करना और कीमतों को नियंत्रित करना था। हालांकि, पाकिस्तान में सप्ताह के अंत में शांति वार्ता विफल होने के बाद वाशिंगटन ने ईरानी बंदरगाहों की नाकेबंदी की घोषणा कर दी, जिसका उद्देश्य तेहरान के तेल निर्यात से होने वाली आय पर अंकुश लगाना है।

जेएएल के लिए वेदांता की याचिका पर एनसीएलएटी में सुनवाई टली

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) ने सोमवार को खनन क्षेत्र की दिग्गज कंपनी वेदांता समूह की उन याचिकाओं पर सुनवाई टाल दी है, जिनमें कर्ज में डूबी जयप्रकाश एसोसिएट्स लिमिटेड (जेएएल) के लिए अडाणी समूह की कंपनी अडाणी एंटरप्राइजेज की बोली के चयन को चुनौती दी गई थी।

दिवाला अपीलीय न्यायाधिकरण ने वेदांता लिमिटेड की दो अपीलों पर सुनवाई कर रही बेंच की बनावट में बदलाव की वजह से यह सुनवाई टाल दी है। यह बदलाव बेंच के किसी सदस्य के मौजूद न होने की वजह से किया गया है। एनसीएलएटी अगली सुनवाई की तारीख जल्द ही तय करेगा। दरअसल ये पूरा विवाद जेपी एसोसिएट्स की दिवाला प्रक्रिया से जुड़ा है। इलाहाबाद स्थित राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) ने 17 मार्च को एक आदेश पारित करते हुए जेएएल के अधिग्रहण के लिए अडाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड की 14,535 करोड़ रुपये की समाधान योजना को मंजूरी दी गई थी। अनिल अग्रवाल के नेतृत्व वाले वेदांता समूह ने एनसीएलटी के इस फैसले का विरोध करते हुए एनसीएलएटी के समक्ष दो अलग-अलग याचिकाएं दायर की हैं। वेदांता समूह ने अपनी अपीलों के माध्यम से अधिग्रहण के लिए अदाणी समूह की बोली के चयन पर सवाल उठाए हैं। इस दिवाला प्रक्रिया का अंतिम निर्णय अभी कानूनी कसौटी पर है। एनसीएलएटी जल्द ही इस मामले की अगली सुनवाई की तारीख निर्धारित करेगा। हालांकि, अडाणी एंटरप्राइजेज को अधिग्रहण की मंजूरी मिल चुकी है, लेकिन न्यायाधिकरण ने स्पष्ट किया है कि जेपी एसोसिएट्स की यह समाधान योजना वेदांता समूह की ओर से दायर अपीलों के अंतिम परिणाम के अधीन रहेगी। बाजार और निवेशकों की नजर अब अपीलीय न्यायाधिकरण के अंतिम फैसले पर टिकी हुई है।

होर्मुज की नाकेबंदी से पहले कच्चा तेल 104 डॉलर प्रति बैरल पार

एजेंसी

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी संकट व अमेरिका और ईरान के बीच शांति वार्ता बिना किसी समझौते के खत्म होने का असर कच्चे तेल की कीमतों पर दिखने लगा है। सोमवार को कच्चे तेल का दाम 104 डॉलर प्रति बैरल के पार चला गया, जब अमेरिकी राष्ट्रपति ने होर्मुज तक जहाजों की पहुंच रोकने के लिए कदम उठाने की बात कही। अंतरराष्ट्रीय बाजार में शुरुआती कारोबार में ब्रेंट क्रूड करीब 8 फीसदी की तेजी के साथ 104 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गया, जबकि यूएस बेंचमार्क वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड में 8.61 फीसदी की तेजी आई है। फिलहाल ब्रेंट क्रूड का भाव 7.07 डॉलर यानी 7.43 फीसदी की तेजी के साथ 102.3 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर ट्रेड कर रहा है। इसी तरह डब्ल्यूटीआई क्रूड 8.32 डॉलर यानी 8.62 फीसदी की उछाल के साथ 104.2 डॉलर पर पहुंच गया है। जानकारों का कहना है कि ऑयल मार्केट सीजफायर से पहले वाली स्थिति में पहुंच चुका है। बस इतना अंतर है कि अब अमेरिका, ईरान के तेल एक्सपोर्ट को बंद करने जा रहा है, होर्मुज स्ट्रेट से जहाजों की आवाजाही बंद होने के कारण खाड़ी के देश अपना तेल एक्सपोर्ट नहीं कर पा रहे हैं। इसे दुनिया का सबसे बड़ा तेल संकट माना जा रहा है। ईरान रोजाना दो मिलियन बैरल तेल एक्सपोर्ट कर रहा था।

सर्राफा बाजार में मामूली गिरावट, सोना और चांदी की फीकी पड़ी चमक

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान सोने और चांदी के भाव में मामूली कमजोरी नजर आ रही है। कीमत में आई गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,52,830 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,53,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं 22 कैरेट सोना आज 1,40,090 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,40,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। इसी तरह चांदी के भाव में आई मामूली कमजोरी के कारण ये चमकीली धातु आज दिल्ली सर्राफा बाजार में 2,59,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,52,980 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,40,240 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,52,830 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,40,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,52,880 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,40,140 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,53,810 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,40,990 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,52,830 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,40,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,52,880 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,40,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,52,980 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,40,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,52,880 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,40,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,52,980 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,40,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने के भाव में कमजोरी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,52,830 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 1,40,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

स्वामी मुद्रक प्रकाशक एवं सम्पादक हरिनाथ सिंह * द्वारा टिनटिन प्रिन्टेक प्राइवेट लिमिटेड डी-33 अमौसी इण्डस्ट्रीयल एरिया, नादरगंज, लखनऊ से मुद्रित एवं 1/39 प्रथम तल करामत मार्केट निशातगंज, लखनऊ से प्रकाशित, सम्पर्क-522-4064242
Email: noidarp@gmail.com, therptimes@yahoo.com, 9918735329 * इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.पी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

सूचना

पाठकों को सुझाव दिया जाता है, कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित होने वाले सभी विज्ञापनों पर कार्यवाही करने से पहले स्वयं उचित जाँच-पड़ताल कर लें। समाचार पत्र या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद या सेवा हेतु किये गये किसी दावें की सच्चाई का आश्वासन नहीं देता तथा ऐसे विज्ञापनों पर विश्वास करके किसी भी व्यक्ति को हुई क्षति, हानि, परिणाम के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम महिला सशक्तिकरण की नई दिशा में भाजपा का ऐतिहासिक कदम: सीमा

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

जौनपुर। यूपी में भारतीय जनता पार्टी द्वारा 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' के प्रभावी क्रियान्वयन और आगामी रणनीतियों को लेकर सोमवार को डाक बगले में पत्रकारों से बातचीत करते हुए राज्यसभा सांसद सीमा द्विवेदी ने इसे महिला सशक्तिकरण की दिशा में ऐतिहासिक पहल बताया। उन्होंने कहा कि यह अधिनियम देश की आधी आबादी को राजनीतिक मुख्यधारा में सशक्त भागीदारी सुनिश्चित करने का मजबूत माध्यम बनेगा। सीमा द्विवेदी ने बताया कि संसद के 16 से 18 अप्रैल तक प्रस्तावित विशेष सत्र में अधिनियम से जुड़ी तकनीकी बाधाओं को दूर करने पर विचार किया जाएगा। साथ ही नए प्रस्ताव के तहत लोकसभा सीटों की संख्या बढ़ाकर 816 करने की योजना है, जिससे महिलाओं के लिए 273 सीटें आरक्षित हो सकेंगी। उन्होंने यह भी बताया कि 2027 की जनगणना की प्रतीक्षा किए बिना, 2011 की जनगणना के आधार पर परिसीमन प्रक्रिया शुरू करने पर मंथन चल रहा है, ताकि वर्ष 2029 के चुनावों में महिलाओं को उनका अधिकार मिल सके। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश 'महिला विकास' से आगे बढ़कर 'महिला नेतृत्व वाले विकास' की दिशा में अग्रसर हैं। यह अधिनियम केवल कानून नहीं, बल्कि महिलाओं के आत्मविश्वास और भागीदारी का प्रतीक है। कार्यक्रम की रूपरेखा साझा करते हुए बताया गया कि 14 अप्रैल को बूथ स्तर पर महिला संवाद कार्यक्रम, 15-16 अप्रैल को 'शक्ति वंदन' पदयात्रा और 18 अप्रैल को विशेष सत्र के उपलक्ष्य में विजय उत्सव मनाया जाएगा। इसके तहत जिले में 'नारी शक्ति पदयात्रा' और स्कूटी रैलियों का भी आयोजन होगा।

डॉ. सौरभ कौशल ने बढ़ाया अलीगढ़ का मान, शोध पत्र वाचन एवं श्रेष्ठ आलेख में मिला सम्मान

अलीगढ़। भारतीय ऐतिहासिक अनुसंधान परिषद (आईसीएचआर), शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार के तत्वाधान में कानपुर के छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग की ओर से दो दिवसीय ह्लउद्दंड मार्तण्ड से ए.आई. युग तकः दो शताब्दियों का महासंवादह्ल विषयक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी रविवार को संपन्न हुई। कार्यक्रम में अलीगढ़ जनपद के डॉ. सौरभ कौशल ने अपना शोध पत्र वाचन किया एवं श्रेष्ठ आलेख के रूप में सम्मान प्राप्त किया। उनका यह शोध पत्र ह्लहिन्दी पत्रकारिता और भारतीय सिनेमाःअंतर्विषयक सांस्कृतिक और सामाजिक विश्लेषणह्ल विषय पर केंद्रित रहा। उन्होंने 19वीं शताब्दी के उत्तरार्ध में हिंदी पत्रकारिता के उदय एवं 20वीं शताब्दी के प्रारंभ में सिनेमा के आगमन से लेकर आज वर्तमान परिदृश्य तक दोनों बीच परस्पर समांतर संबंधों पर प्रकाश डालते हुए सामयिक परिवर्तनों को आलेखित किया। डॉ. कौशल शिक्षाविद स्व. एन.डी. कौशल (पूर्व प्रधानाचार्य डीएवी इंटर कॉलेज, अलीगढ़) के सुपुत्र हैं और वर्तमान में मेडिकल कॉलेज प्रयागराज में कार्यरत हैं। उनकी धर्मपत्नी डॉ इंदु शर्मा इलाहाबाद विश्वविद्यालय में संगीत विभाग में प्रोफ़ेसर हैं। डॉ. कौशल ने श्रेष्ठ आलेख सम्मान मिलने पर सोमवार को बताया कि वे एएमयू में मेडिकल साइंस के विद्यार्थी रहे। इसके बावजूद भी पिता से विरासत में मिली लेखन कला ने उनके व्यक्तित्व में साहित्यिक सृजन के माध्यम से हिंदी भाषा एवं साहित्य की सेवा करने के लिए प्रेरित किया। वर्तमान में उनके लगभग 12 राष्ट्रीय एवं चार अंतरराष्ट्रीय शोध प्रकाशित हो चुके हैं। गत वर्ष 22 नवंबर को भी उन्होंने विश्व हिंदी परिषद (अंतरराष्ट्रीय हिंदी सम्मेलन, विज्ञान भवन नई दिल्ली) की ओर से श्रेष्ठ आलेख का सम्मान प्राप्त कर उन्होंने अलीगढ़ का मान बढ़ाया है।

महापौर ने नामित पार्षदों को अयोध्या नगर निगम की दिलाई शपथ

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

अयोध्या। उत्तर प्रदेश के अयोध्या नगर निगम के नामित 10 पार्षदों को सोमवार को महापौर महंत गिरीश पति त्रिपाठी ने सर्किट हाउस में आयोजित समारोह में शपथ दिलाई। नामित पार्षदों को मिलाकर अब नगर निगम में पार्षदों की संख्या बढ़कर 70 हो गई है। शपथ ग्रहण समारोह में विधायक वेदप्रकाश गुप्ता की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ।

महापौर ने पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाने के साथ ही उम्मीद जताई कि नगर निगम को बेहतर ढंग से संचालन में नामित पार्षद अब निर्वाचित पार्षदों के साथ मिलकर अहम भूमिका निभाएंगे। विकास की डगर पर अयोध्या को और तेजी से आगे ले जाने में अपना योगदान देंगे। नामित पार्षदों में सुशील मिश्र बबलू, संजय निषाद, लक्ष्मण वर्मा, संजय कोरी, सुशील कुमार सिंह, रंजना सागर, आशुतोष पांडेय, ज्ञान केसरवानी, सुनीता गुप्ता एवं अर्चना द्विवेदी ने पद एवं गोपनीयता की शपथ ली। कार्यक्रम का संचालन सहायक नगर आयुक्त गुरुप्रसाद पांडे ने किया। इस मौके पर भाजपा जिलाध्यक्ष राधेश्याम त्यागी, बीजेपी महानगर अध्यक्ष कमलेश श्रीवास्तव, नगर निगम के उपसभापति संतोष सिंह, निवृतमान उपसभापति राजेश गौड़, प्रकाश गुप्ता भाजपा जिला उपाध्यक्ष कृष्ण कुमार पांडे कुन्नू मनोज जायसवाल रंजीत शर्मा एवं शहर के संभ्रांतजन व नगर निगम के अधिकारी मौजूद रहे।

अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि समेत परिसर के सभी मन्दिरों में दर्शन प्रारम्भ, जारी हो रहे आनलाइन पास

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

अयोध्या। उत्तर प्रदेश की राम नगरी अयोध्या में स्थित श्रीराम जन्मभूमि मन्दिर समेत परिसर के सभी मन्दिरों, मण्डपों में सोमवार से दर्शन प्रारम्भ हो गए हैं। इन मंदिरों में दर्शन के लिए पास के माध्यम से निर्धारित संख्या में श्रद्धालुओं को प्रवेश दिया जा रहा है। पास प्राप्त करने के लिए कुछ शर्तें भी लगायी गयी हैं ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न होने पाये। इसके लिये सभी जरूरी तैयारियां पूरी कर ली गयी हैं। श्री राम जन्मभूमि मंदिर परिसर में निर्मित सभी 18 मंदिरों के दर्शन आम श्रद्धालुओं के लिए शुरुआती तीन माह के परीक्षण के तौर पर कराये जाएंगे। मंदिर की व्यवस्था से जुड़े गोपाल ने बताया कि आज 13 अप्रैल से प्रतिदिन 1500 श्रद्धालुओं को ऑनलाइन पास के जरिए दर्शन कराया जा रहा है। इसमें सुगम, विशिष्ट और सामान्य दर्शन के लिए 500-500 पास निर्धारित किए गए हैं। बुकिंग 'पहले आओ, पहले पाओ' के आधार पर हो रहा है। श्रद्धालु सामान्य लेन से प्रवेश कर रामलला के दर्शन कर रहे हैं। इसके बाद दक्षिणी सीढ़ियों से राम परिवार के दर्शन कराए जा रहे हैं।

मीरजापुर में कछुआ सैंक्चुअरी में अवैध खनन पर सख्ती, 9 नामजद व 10 अज्ञात पर मुकदमा दर्ज

मीरजापुर। उत्तर प्रदेश के जनपद मीरजापुर के जिगना क्षेत्र कछुआ सेंचुरी गोगांव में अवैध खनन और परिवहन के खिलाफ वन विभाग व पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए सोमवार को 9 नामजद और 10 अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। इस कार्रवाई के बाद खनन व परिवहन माफियाओं में हड़कंप मचा हुआ है। मेजा परिक्षेत्र के उरुवा सेक्टर प्रभारी वन दरोगा रामचंद्र यादव ने बताया कि कछुआ सेंचुरी क्षेत्र में ट्रैक्टर-ट्रॉली के माध्यम से बालू के अवैध खनन और परिवहन में संलिप्तता पाए जाने पर कार्रवाई की गई है। जिगना थाना क्षेत्र के गोगांव निवासी जटाशंकर पुत्र शिवनाथ, संतलाल पुत्र रमई, रतनलाल दुबे पुत्र ज्ञानचंद दुबे, शिवराज पांडेय पुत्र केदारनाथ, हरिशंकर मांझी पुत्र स्व. बाबूराम मांझी तथा भंवरूपुर साटनपट्टी गांव निवासी राजेश चौबे, परमेश्वर चौबे पुत्र राम सजीवन चौबे, पवन दुबे पुत्र राजमणि दुबे और जगन्नाथ (पिता अज्ञात) सहित 10 अन्य अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया है। वन क्षेत्राधिकारी अजय सिंह ने स्पष्ट किया कि कछुआ सेंचुरी में किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि बर्दाश्त नहीं की जाएगी और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। वहीं, जिगना थाना प्रभारी संजय सिंह ने बताया कि नामजद आरोपितों के खिलाफ विधिक कार्रवाई की जा रही है और अन्य अज्ञात लोगों की पहचान कर उन्हें भी जल्द ही गिरफ्तार किया जाएगा।

संपादक मण्डल

संस्थापक/संरक्षक
संजीव श्रीवास्तव

प्रधान संपादक
हरिनाथ सिंह

समूह सम्पादक
डा. सुशील चन्द्र त्रिवेदी 'मधुपेश'

सलाहकार संपादक
डॉ एमएए खान आईएएस (रि)
डॉ ओम प्रकाश आईएएस (रि)
आर पी शुक्ल आईएएस (रि)
राधेश्याम मिश्रा आईएएस (रि)
विवेक वार्ष्णेय आईएएस (रि)
आशुतोष रंजन
अनिल तिवारी

स्थानीय संपादक
दिनेश कुमार गर्ग

कार्यकारी संपादक
अभयानंद शुक्ल

आध्यात्मिक संपादक
राम महेश मिश्र

ब्यूरो चीफ
मनोज कुमार शुक्ला

स्टेट कोआर्डिनेटर
विपिन सोनी

संपर्क मुख्यालय
कार्यालय फोन नं.: 0522-4643988
www.rashtriyaprastavana.com
ई-मेलः noidarp@gmail.com

संपर्क कार्यालय
प्रधान कार्यालयः 1/39, प्रथम तल करामत मार्केट, निशातगंज, लखनऊ
प्रशासनिक कार्यालयः 61 ए, मानस नगर, जियामऊ, हज़रतगंज, लखनऊ

शराब ठेके के विरोध में डीएम कार्यालय पर ग्रामीणों का प्रदर्शन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बागपत। उत्तर प्रदेश में बागपत जनपद के चमरावल गांव के ग्रामीणों ने अपने गांव में प्रस्तावित देसी शराब के ठेके का कड़ा विरोध किया है। सोमवार को सैकड़ों की संख्या में कलेक्ट्रेट पहुंचे लोगों ने प्रशासन से इसे तत्काल प्रभाव से निरस्त करने की मांग की है।

समाजसेवी एडवोकेट सोमेंद्र ढाका और वह केटी विंग के संस्थापक केटी भैया के साथ चमरावल गांव के लोगों ने सोमवार को बागपत कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन किया है। ग्रामवासियों का कहना है कि वर्ष 1997 में भी गांव में देसी शराब का ठेका खोला गया था, जिसका नकारात्मक प्रभाव सामाजिक माहौल पर पड़ा था। उस समय ग्रामीणों ने एकजुट होकर विरोध किया था। प्रशासन से यह आश्वासन लिया गया था कि भविष्य में गांव में शराब का ठेका नहीं खोला जाएगा। ग्रामीणों ने यह भी बताया कि लगभग 4-5 वर्ष पूर्व देसी शराब के सेवन के कारण गाँव में करीब 8 लोगों की मृत्यु हो चुकी है। इसके अलावा पूर्व में भी कई युवाओं की जान इस कारण जा चुकी है, जिससे पूरे गांव का पारिवारिक और सामाजिक ढांचा प्रभावित हुआ है। पूर्व में हुई घटनाओं को लेकर सामाजिक लोगों में आक्रोश है। गांव वालों ने एकजुट होकर शराब ठेके का विरोध किया है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है यदि शराब ठेके को नहीं हटाया गया तो कानून-व्यवस्था की स्थिति उत्पन्न हो सकती है, जिसकी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। समाजसेवी अधिवक्ता सोमेंद्र ढाका ने कहा कि उत्तर प्रदेश आबकारी नियम के तहत, यदि किसी स्थान पर जनहित, सामाजिक वातावरण या कानून-व्यवस्था पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है तो संबंधित शराब के ठेके को निरस्त किया जा सकता है।

कानून का हवाला देते हुए सोमेंद्र ढाका ने तत्काल प्रभाव से शराब ठेका निरस्त करने की मांग उठाई। समाजसेवी केटी भैया ने युवाओं पर शराब के सेवन से पढ़ रहे दुष्प्रभाव को लेकर जिला अधिकारी से बात की और नशाखोरी के खिलाफ अभियान में उनका साथ मांगते हुए ऐसे शराब के ठेकों को निरस्त किए जाने की मांग उठाई है। जिनका ग्रामीण विरोध कर रहे हो। प्रदर्शन करने वालों में सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण और महिलाओं मौजूद थी।

बीएचयू में कर्मियों का धरना- प्रदर्शन जारी कांग्रेस के नेताओं ने पहुंच कर किया समर्थन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी स्थित काशी हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) में तृतीय और चतुर्थ श्रेणी के संविदा एवं दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों का धरना - प्रदर्शन सोमवार को भी परिसर स्थित मधुबन पार्क में जारी रहा। कर्मचारियों के इस आंदोलन को कांग्रेस के नेताओं ने समर्थन दिया और उनकी मांगों को जायज ठहराया।

सोमवार को धरनास्थल पर पहुंचे महानगर अध्यक्ष राघवेंद्र चौबे और जिला अध्यक्ष राजेश्वर पटेल के नेतृत्व में कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने कर्मचारियों से मुलाकात की। इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने वीडियो कॉल के जरिए कर्मचारियों से संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और आंदोलन को पूर्ण समर्थन देने का आश्वासन दिया। कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि बीएचयू प्रशासन की कार्यप्रणाली पूरी तरह असंवेदनशील है और कर्मचारियों के हितों की लगातार अनदेखी की जा रही है। उनका कहना है कि वर्षों से कार्यरत कर्मचारियों के नियमितीकरण का मामला लंबित है,लेकिन समाधान के बजाय प्रशासन नई भर्ती प्रक्रिया शुरू कर उनके भविष्य के साथ अन्याय कर रहा है। इससे पहले समाजवादी पार्टी के एमएलसी आशुतोष सिन्हा और पार्षद वरुण सिंह ने भी धरनास्थल पहुंचकर कर्मचारियों का समर्थन किया था। दोनों नेताओं ने बीएचयू के कुलपति प्रोफ़ेसर अजित कुमार चतुर्वेदी से मुलाकात कर कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान की मांग की थी। उधर,धरने में शामिल कर्मचारियों में प्रशासन के रवैये को लेकर गहरा आक्रोश है। धरने पर बैठे कर्मचारियों ने आरोप लगाया कि वर्षों से सेवाएं देने के बावजूद उनके नियमितीकरण को टाला जा रहा है, जबकि अब नई भर्ती के माध्यम से बाहरी नियुक्तियां करने की तैयारी की जा रही है। कर्मचारियों का कहना है कि उन्होंने विश्वविद्यालय में 10 से 40 वर्षों तक अपनी सेवाएं दी हैं, ऐसे में उन्हें प्राथमिकता दिए बिना नई भर्ती करना अन्यायपूर्ण है।

निबंध साहित्य के पुरोधा बाबू गुलाब राय की साहित्यिक सृजन यात्रा का भागीदार रहा है आगरा, पुण्यतिथि पर विभिन्न आयोजन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

आगरा। उत्तर प्रदेश के जनपद आगरा को हिंदी जगत के साहित्यिक पटल पर विशेष पहचान दिलाने वाले निबंध साहित्य के अजेय पुरोधा बाबू गुलाब राय की आज 13 अप्रैल को 63 वीं पुण्यतिथि है। आज ही के दिन 13 अप्रैल 1963 को आगरा में चिर निद्रा में लीन हुए थे।

बाबू गुलाब राय स्मृति संस्थान आगरा की अध्यक्ष डा0 शशि तिवारी ने बताया कि आगरा में थाना हरी पर्वत क्षेत्र अंतर्गत दिल्ली गेट बाबू गुलाब राय की यादें और विरासत को संजोए हुए हैं। दिल्ली गेट पर दीप केमिस्ट के सामने गली में अंदर बाबू गुलाब राय जी का मकान आज भी मौजूद है जिसमें उनके प्रपोत्र गौरव(63) और संजय राय (55) रह रहे हैं; यह मार्ग उन्हीं के नाम से बाबू गुलाब राय मार्ग के रूप में जाना जाता है। इस मकान की दोनों गेटों पर लगी उनके नाम की पट्टीकायें जिन पर बाबू 'गुलाब राय एम. ए' अंकित है उनके मकान को साहित्यिक धरोहर के रूप में प्रस्तुत कर रही हैं। बाबू गुलाब राय के प्रपोत्र संजय राय की पत्नी प्रेरणा राय बताती हैं कि बाबू जी का जन्म जन्म 17 जनवरी 1888 को इटावा में हुआ था, प्रारंभिक शिक्षा भी वही हुई लेकिन आगे की शिक्षा के लिए वे आगरा आ गए।उन्होंने आगरा कॉलेज से बी ए करने के बाद दर्शनशास्त्र में एमए किया और एल एल बी भी किया। उसके बाद छतरपुर रियासत के महाराजा द्वारा अपनी रियासती जिम्मेदारी के लिए छतरपुर बुला लिया गया। वहां कई वर्षों तक सेवाएं देने के बाद वह पुनःआगरा लौट आए और सेंट जोस कॉलेज में हिंदी विभाग के विभाग के अध्यक्ष बन गए। आगरा आकर शिक्षण और अध्यापन कार्य से जुड़ने के बाद वह अपनी साहित्यिक रचनाओं के सृजन में पूरा समय देने लगे। प्रारंभिक रचनाओं में उनके साहित्य में दार्शनिक पुट का भरपूर समावेश है लेकिन धीरे-धीरे उन्होंने अपने साहित्य सृजन को जन भावनाओं के अनुरूप मोड़ दिया। गुलाबराय जी अपने जीवन के अन्तिम काल तक साहित्य - साधना में लीन रहे । उनकी साहित्यिक सेवाओं के फलस्वरूप आगरा विश्वविद्यालय ने उन्हें डी. लिट की उपाधि से सम्मानित किया। बाबू गुलाब राय जी के प्रपोत्र संजय राय सभासद नगर निगम आगरा साहित्यिक चर्चा करते हुए कहते हैं कि कोई लेखक हमारे लिए तब और महत्वपूर्ण हो जाता है, जब उसकी दृष्टि युग पर होती है, समय पर होती है और युग को एक नई दृष्टि देने की ललक उसके साहित्य में दृष्टिगोचर होती है। बाबू गुलाबराय एक ऐसे ही साहित्यकार थे,जो अपनी दार्शनिक विचारधारा के साथ कहीं एक सफल निबंधकार, कहीं सशक्त इतिहास लेखक, कहीं सफल सम्पादक और बहुमुखी रचनाकार के रूप में दिखाई देते हैं। बाबू गुलाबराय का साहित्यिक क्षितिज अत्यन्त व्यापक है। संजय राय ने बताया कि बाबूजी ने कई वर्ष तक सेंट जॉन्स कॉलेज आगरा में हिंदी विभाग अध्यक्ष रहकर अध्यापन कार्य किया। इसलिए इस अवसर पर उनको विनम्र श्रद्धांजलि देने के लिए दोपहर 2 बजे से 4 बजे तक कॉलेज सभागार में साहित्यकारों को आमंत्रित किया गया है जिसमें हम परिजनों को भी विशेष रूप से बुलाया गया है और हम लोग वहां भाग लेंगे। इसके अलावा दिल्ली गेट पर क्वीन विक्टोरिया इंटर कॉलेज गेट के सामने बाबू गुलाब राय की स्मृति में स्थापित की गई उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि देने का भी कार्यक्रम है। बाबू गुलाब राय के सम्मान में भारतीय डाकतार विभाग ने 22 जून 2002 को एक टिकट जारी किया था; इसका मूल्य पांच रुपये था; इस डाक टिकट पर बाबू गुलाबराय के चित्र के साथ उनकी तीन प्रमुख पुस्तकों को भी प्रदर्शित किया गया था। गुलाब राय स्मृति संस्थान की अध्यक्ष डा0 शशि तिवारी के अनुसार गुलाब राय जी ने मौलिक ग्रन्थों की रचना के साथ-साथ अनेक ग्रन्थों का सम्पादन भी किया है।